राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

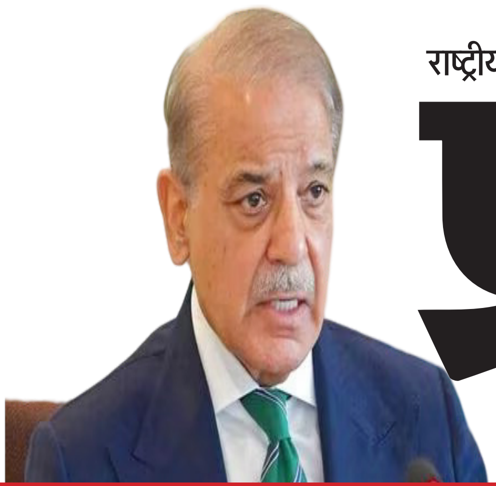

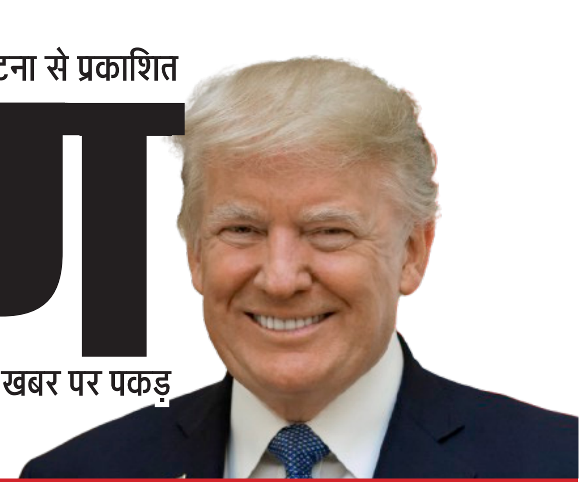

12 पाकिस्तान की फिर किरकिरी, डोनाल्ड ट्रंप के नोबेल नामांकन........

ईरान पर हमले से अमेरिकी संसद में घमासान, ट्रंप के एकतरफा...... 12

वर्ष : 16 | अंक : 50 | नई दिल्ली, मंगलवार, 24 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला मुंबई पहुंचे, अनुमान समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन का करेंगे शुभारंभ

मुंबई, एजेंसी

मुंबई। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला सोमवार को महाराष्ट्र दौरे पर हैं। मुंबई में संसद और राज्य विधान मंडल की अनुमान समितियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसका लोकसभा स्पीकर ओम बिरला शुभारंभ करेंगे।

संसद की अनुमान समिति की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर स्पीकर ओम बिरला एक स्मारिका का विमोचन भी करेंगे।

फिलहाल स्पीकर ओम बिरला मुंबई पहुंच गए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अलावा महाराष्ट्र विधान परिषद के अध्यक्ष राम शिंदे और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने ओम बिरला का स्वागत किया। मुंबई में आयोजित अनुमान समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार भी शामिल होंगे। उनके अलावा महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति राम शंकर शिंदे, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और संसद की अनुमान समिति के सभापति संजय जायसवाल उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे।

महाराष्ट्र विधानमंडल की अनुमान समिति के सभापति अर्जुन पंडितराव खोतकर स्वागत भाषण देंगे। महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे उद्घाटन सत्र के दौरान धन्यवाद देंगी। भारतीय संसद, राज्यों और संघ

राज्य क्षेत्रों के विधायी निकायों की अनुमान समितियों के सभापति और सदस्य इस सत्र में हिस्सा लेंगे।

इस दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होनी है। भारतीय संसद, राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों के विधायी निकायों की अनुमान समितियों के सभापति और सदस्य विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। ह्यप्रशासन में दक्षता और फिजूलखर्ची से बचने के उपाय सुनिश्चित करने के लिए बजट अनुमान समितियों की प्रभावी निगरानी और समीक्षा में भूमिका पर चर्चा होगी।

सम्मेलन का समापन 24 जून को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन करेंगे। सम्मेलन में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला का संबोधन होगा। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, भारत की संसद की अनुमान समिति के सभापति संजय जायसवाल और महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे समापन सत्र को संबोधित करेंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना	80,405
चांदी	1,1000
सेंसेक्स	80,220
निफ्टी	24,472

संक्षिप्त खबरें

ईरान से लौटे भारतीयों ने ऑपरेशन सिंधु और पीएम मोदी की जमकर तारीफ की

नई दिल्ली। भारत सरकार की ओर से ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से अपने नागरिकों को वापस लाने का काम जारी है। इस बीच, सोमवार को ईरान से सकुशल वतन वापसी करने वाले लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से भारत लौटे एक नागरिक ने कहा कि हम ईरान में बहुत मुश्किल में थे। मैं मोदी सरकार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। लखनऊ के रहने वाले एक शख्स जो पिछले 22 दिनों से ईरान में थे, उन्होंने कहा कि जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया, तो भारतीय दूतावास लगातार हमारे संपर्क में रहा। उन्होंने हमारी सुरक्षा सुनिश्चित की, हमें भोजन और दवाइयां मुहैया कराईं। हम वास्तव में आभारी हैं।

जलवायु परिवर्तन के संकट को देखते हुए पर्यावरणीय लागतों पर भी ध्यान दें लेखाकार: मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जलवायु परिवर्तन के संकटों के मद्देनजर लेखाकारों से पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखने पर जोर देते हुए कहा है कि उनकी जिम्मेदारियां वित्तीय लेखांकन से कहीं आगे हैं। मुर्मु ने सोमवार को यहां भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई) के राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह में कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना कर रही है और सतत विकास अब एक नारा नहीं है यह एक जरूरत बन गई है। उन्होंने कहा कि बदली हुई परिस्थितियों में लेखाकारों की भूमिका और जिम्मेदारी भी बदल गयी है। उन्होंने कहा, वह समय बीत चुका है जब कॉर्पोरेट संगठन केवल लाभ के उद्देश्य से काम करते थे। अब उन्हें पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखना होगा। और यहीं पर सीएमए अपने कौशल के साथ ग्रह के भविष्य में एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। राष्ट्रपति ने छात्रों को यह ध्यान रखने की सलाह दी कि उनकी ज़िम्मेदारियाँ वित्तीय लेखांकन से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उन्होंने कहा कि लागत लेखाकार के रूप में वह 2047 तक देश के विकास में योगदान देने के लिए अद्वितीय स्थिति में हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईसीएमएआई द्वारा दी जाने वाली शिक्षा उन्हें न केवल सफल पेशेवर बनने में सक्षम बनाएगी, बल्कि राष्ट्र-निमार्ता भी बनाएगी। राष्ट्रपति ने लेखाकारों के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि लेखांकन और जवाबदेही गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, हम जवाबदेही को महत्व देते हैं, इसलिए हम लेखांकन को विशेष महत्व देते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय लागत लेखाकार संस्थान आधुनिक समय में इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ा रहा है। देश में लागत और प्रबंधन लेखाकारों के पेशे के नियमन तथा विकास के लिए आईसीएमएआई की स्थापना 1944 में की गई थी। यह संस्थान स्वतंत्रता के बाद भारत के आर्थिक परिवर्तन की गाथा का गवाह होने के साथ साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आईसीएमएआई देश की प्रगति में भागीदार रहा है क्योंकि यह नीति निमार्ताओं, केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ विभिन्न संगठनों को लागत-कुशल रणनीतियां, प्रणालियां और मैनुअल विकसित करने में मूल्यवान सहायता प्रदान करता है।

राष्ट्रपति को 'विंग्स टू आवर होप्स' और 'आशाओं की उड़ान' नामक दोनों पुस्तकों के दूसरे खंड की प्रथम प्रतियां भेंट की गईं

रक्षा मंत्री ने सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन के साथ मिलकर आज (23 जून, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को विंग्स टू अवर होप्स और आशाओं की उड़ानह्न नामक दोनों पुस्तकों के दूसरे खंड की प्रथम प्रतियां भेंट कीं। इस अवसर पर प्रकाशन विभाग निदेशालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद थे। प्रकाशन विभाग निदेशालय द्वारा प्रकाशित विंग्स टू आवर होप्स और आशाओं की उड़ानह्न के दूसरे खंड में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के कार्यकाल के दूसरे वर्ष के दौरान दिए गए चुनिंदा भाषणों का संग्रह है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आज राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इन पुस्तकों का औपचारिक विमोचन किया। पुस्तक के दूसरे खंड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 51 चयनित भाषण शामिल हैं, जिन्हें 11 हिस्सों: राष्ट्र के नाम संबोधन, शिक्षा के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा, कर्मयोगियों को निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरणा, सशस्त्र बल - हमारा राष्ट्रीय गौरव, नागरिक सशक्तीकरण में शासन की भूमिका, उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता, वैश्विक संबंधों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण, हमारी सांस्कृतिक विरासत का जश्न, कृषि में नवाचार: भारत के विकास को गति, स्वयं और प्रकृति का एकीकरण, और महिला सशक्तीकरण: बाधाओं से मुक्ति में वगीर्कृत किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बलिदान आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से की मुलाकात

रायपुर, एजेंसी

रायपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में सुकमा में आईईडी विस्फोट में बलिदान आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से सोमवार को सौजन्य भेंट की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें सांत्वना प्रदान की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बलिदान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे की वीरता और बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी बलिदान देश के लिए अविस्मरणीय है। जोर देकर कहा कि देश हमेशा उनके बलिदान का ऋणी रहेगा और उनकी बलिदान को कभी व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। शाह ने बलिदान के साहस को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान को राष्ट्र के लिए अमूल्य करार दिया। इस अवसर पर शाह ने बलिदान के परिजनों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार बलिदानियो के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

शाह कल मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को वाराणसी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ प्रत्येक राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री भाग लेंगे। राज्यों के मुख्य सचिव और केन्द्र तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे। मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश राज्य शामिल हैं। बैठक का आयोजन गृह मंत्रालय में अंतर-राज्य परिषद सचिवालय और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 की धारा 15 से 22 के अंतर्गत पांच क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री इन पांचों क्षेत्रीय परिषदों के अध्यक्ष हैं। सदस्य राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप-राज्यपाल और प्रशासक इनके सदस्य हैं जिनमें से सदस्य राज्यों से एक राज्य के मुख्यमंत्री (हर साल बारी-बारी से) उपाध्यक्ष होते हैं। प्रत्येक सदस्य राज्य से राज्यपाल द्वारा दो मंत्रियों को परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले संबन्धित क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति के समक्ष चर्चा के लिए प्रस्तुत किया जाता है। स्थायी समिति में विचार के बाद शेष मुद्दों को क्षेत्रीय परिषद की बैठक में विचार के लिए प्रस्तुत किया जाता है। क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकारी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ये विभिन्न क्षेत्रों में आपसी समझ और सहयोग के स्वस्थ बंधन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित हुई हैं। सभी राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के सहयोग से पिछले ग्यारह वर्षों में विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 61 बैठकें की गयी हैं।

भारतीय सेना ने दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए खरीदे 450 नागास्त्र 'आत्मघाती ड्रोन'

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर देकर अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ा रही है। जीपीएस से लैस इन स्वदेशी 'आत्मघाती ड्रोन' में सटीकता के साथ हमले करने की क्षमता, उच्च ऊंचाई पर संचालन और दिन-रात निगरानी की सुविधा है। दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए डिजाइन किया गया यह हथियार देश के सैन्य ढांचे को और मजबूत करेगा। इस सिस्टम का परीक्षण लद्दाख और उत्तर प्रदेश में झांसी के पास बबीना सहित विभिन्न स्थानों पर किया गया है। आने वाले समय में ऐसे और भी अत्याधुनिक स्वदेशी हथियार सेना को मिल सकते हैं। नागपुर की सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित अत्याधुनिक लोइटरिंग म्यूनिशन नागास्त्र-1आर की पहली खेप हासिल करने के बाद भारतीय सेना ने उपयोग किया है। इस हथियार की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अब सेना ने अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ाने, अपनी पैदल सेना को आधुनिक बनाने के लिए 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर दिया है। यह एक किफायती सिस्टम है, जिसमें लॉन्चर सिस्टम की पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल की जा सकने वाली खूबियां हैं। इस सिस्टम में 360 डिग्री का जिम्बल कैमरा लगा है और रात में ऑपरेशन करने के लिए थर्मल कैमरा लगाने का विकल्प भी है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम में 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। इसे आम भाषा में 'घूमकर हमला करने वाला हथियार' कहा जा सकता है, क्योंकि यह एक तरह से हवाई एंबुश यानी घात लगाकर हमला करता है। दुश्मन के इलाके में उड़कर पहुंचने के बाद यह लक्ष्य के ऊपर हवा में मंडराता है और जैसे ही सही मौका मिलता है, यह सटीक निशाना लगाकर दुश्मन को खत्म कर सकता है। खास बात यह है कि अगर हमला रद्द करना हो तो इसे वापस भी बुलाया जा सकता है, जिससे यह दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। कंपनी के मुताबिक नागास्त्र-1आर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन के राडार की पकड़ में नहीं आता है। यह 4,500 मीटर से ज्यादा ऊंचाई से दुश्मन पर नजर रख सकता है। इसकी यह खूबी इसे दुश्मन के इलाके में गुपचुप पहुंचने और वहां से सुरक्षित हमले करने में मदद करती है। खासतौर पर आतंकवादियों के काफिले पर इसका इस्तेमाल कारगर हो सकता है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों में कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के सक्रिय मामलों में लगातार कमी आने से सोमवार को इनकी संख्या घटकर 4425 रह गयी और इस बीमारी से ठीक होने मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 20947 पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से छत्तीसगढ़ में एक और मरीज की मौत होने के साथ देश में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 124 हो गया। गौरतलब है कि 22 मई को देश में कोरोना के सिर्फ.257 मामले सक्रिय थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के सक्रिय मामलों में 329 की कमी दर्ज की गयी। दूसरी ओर इस वायरस के संक्रमण से 664 मरीज स्वस्थ हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार नये वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण संक्रमण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के अनुसार सक्रिय मामलों में दक्षिण भारत का केरल सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। हांलाकि आज आठ सुबह तक 103 मामले घटने के साथ कुल सक्रिय मामलों का आंकड़ा घटकर 840 रह गया। राष्ट्रीय राजधानी में 77 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या 435 रह गयी। महाराष्ट्र में 26 मामले घटने से सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 298 रह गयी और गुजरात में 11 मामले घटने से कुल संख्या घटकर 638 रह गयी है।

जयशंकर ने कनिष्क बम विस्फोट की बरसीं पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को 1985 के एयर इंडिया कनिष्क बम विस्फोट में मारे गए 329 लोगों को श्रद्धांजलि दी। यह इतिहास के सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक था, जिसकी आज 40वीं वर्षगांठ है। उन्होंने आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर कठोर रुख अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एयर इंडिया 182 कनिष्क बम विस्फोट की 40वीं बरसी पर हम 329 जिंदगियों को श्रद्धांजलि देते हैं। यह इस बात की स्पष्ट याद दिलाता है कि दुनिया को आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता क्यों दिखानी चाहिए। 23 जून 1985 को एयर इंडिया की फ्लाइट लंदन और दिल्ली होते हुए मुंबई जा रही थी, तभी अटलांटिक महासागर के ऊपर बोइंग 747 में बम विस्फोट हो गया। आयरलैंड के तट के पास हुए विस्फोट में 22 चालक दल सहित सभी 329 लोग मारे गए। जांच में पता चला था कि बम वैंकूवर से आए सामान में रखा गया था। यह हमला खालिस्तानी उग्रवादी संगठन बब्बर खालसा से जुड़ा था। ब्रिटिश-कनाडाई नागरिक इंद्रजीत सिंह रेयात ने 2003 में बम बनाने की बात कबूल की, जिसके बाद उसे दोषी करार दिया गया था। बब्बर खालसा के संस्थापक सदस्य तलविंदर सिंह परमार को हमले का मास्टरमाइंड माना गया था। इस बरसी पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल आयरलैंड में कॉर्क के अहाकिस्ता मेमोरियल में श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुआ। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और पांच भारतीय राज्यों के निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हैं, जिनमें अरविंदर सिंह लवली (दिल्ली विधायक), बलदेव सिंह औलाख (उत्तर प्रदेश के मंत्री), गुरवीर सिंह बराड़ (राजस्थान के विधायक), त्रिलोक सिंह चीमा (उत्तराखंड के विधायक) और नरिंदर सिंह रैना (जम्मू और कश्मीर के विधायक) शामिल हैं। सोमवार को स्मारक स्थल पर आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन, कनाडा के मंत्री गैरी आनंदसांगरी और कई अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में स्मारक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

श्रद्धांजलि | डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे..................

जेपी नड्डा ने बलिदान दिवस पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर पार्टी मुख्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नड्डा ने कहा कि आज पूरे देश में भाजपा के कार्यकताओं द्वारा डॉ. मुखर्जी जी की 72वीं पुण्यतिथि पर उनकी याद में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नड्डा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जन्म बंगाल में हुआ और उनका बहुत बड़ा योगदान आजादी में और वर्तमान पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, असम को भारत का हिस्सा बनाने में है। डॉ. मुखर्जी बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। वो एक स्कॉलर थे, 33 वर्ष की आयु में वो कलकत्ता यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर बने। जनसेवा और राष्ट्रोत्थान के उनके विचार एवं कार्य हम सभी देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत हैं। डॉ. मुखर्जी जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाये रखने के लिए वैचारिक और राजनीतिक रूप से आजीवन संघर्षरत रहे। देश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ को चलायमान रखने के लिए उन्होंने जनसंघ के रूप में नया विचार प्रस्तुत किया। बाद में वो विधानसभा पहुंचे और विधानसभा में उन्होंने उस समय के यूनाइटेड बंगाल की सेवा की। डॉ. मुखर्जी आजादी के बाद पंडित नेहरू की कैबिनेट में मंत्री रहे। वैचारिक मतभेद और पंडित नेहरू की तुष्टीकरण की नीति के कारण उन्होंने इस्तीफा दे दिया। डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। इसके बाद तुष्टीकरण की नीति के कारण जम्मू-कश्मीर को जो स्पेशल स्टेटस दिया गया था, उसका उन्होंने विरोध किया। विरोध करते हुए उन्होंने नारा दिया कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। इस कारण से देश में एक आंदोलन चला। इस आंदोलन के दौरान डॉ. मुखर्जी ने बिना किसी परमिट के 11 मई को जम्मू-कश्मीर की ओर प्रस्थान किया। उनको जम्मू-कश्मीर के बॉर्डर पर गिरफ्तार कर लिया गया। उसके बाद उनको श्रीनगर की जेल में रखा गया, जहां 23 जून 1953 को रहस्यमय तरीके से उनकी मृत्यु हो गई। उस समय भारतीय जनसंघ बहुत छोटा था, लेकिन हम लोगों ने आवाज उठाई। विपक्ष की तरफ से भी इसकी जांच की मांग की गई, लेकिन इस मांग को अनसुना कर दिया गया। नड्डा ने कहा कि भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता को आज खुशी होती है कि 6 अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को धराशायी कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि हम सब लोग एक देश में एक निशान के नीचे और एक विधान में काम कर रहे हैं और अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया है। आज सब लोग प्रण लें कि जिस तरीके से डॉ. मुखर्जी की रहस्यमय मौत हुई, भाजपा और मोदी जी के नेतृत्व में देश इतना शक्तिशाली और मजबूत बने की इस तरह की घटना दोबारा न हो और प्रजातंत्र मजबूत रहे।

संक्षिप्त समाचार

चाकू से हमला कर बदमाशों ने फैक्टरीकर्मी से छीना मोबाइल

मंगलौर, एजेंसी। फैक्टरी से बाहर खाना खाने गए एक कर्मचारी मोहित पर नकाबपोश बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। बाइक सवार बदमाश हमला कर मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। हमले में कर्मचारी घायल हो गया। शिकायत पर पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी शांति कुमार गंगवार ने बताया कि यूपी के बाबूगढ़ हापुड़ निवासी मोहित कुमार मखदुमपुर स्थित एक फैक्टरी में नौकरी करता है। 13 जून की शाम को वह फैक्टरी से बाहर खाना खाने गया। शिकायत में पीड़ित ने बताया कि बाइक पर सवार होकर चार नकाबपोश बदमाश आए और चाकू की नोक पर उसे रोक लिया। इस दौरान बदमाशों ने मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर घायल कर दिया और मोबाइल छीन कर फरार हो गए।

30 को होंगे टैक्स बार एसोसिएशन के चुनाव

ऋषिकेश, एजेंसी। टैक्स बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 30 जून को संपन्न होंगे। चार पदों पर ही मतदान प्रक्रिया होगी। अन्य पदों पर निर्विरोध निवार्चन हो चुका है। मुख्य चुनाव अधिकारी अरुण गुप्ता ने बताया कि अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष पद पर दो-दो प्रत्याशी मैदान में हैं। जबकि उपाध्यक्ष, सह सचिव व कार्यालय प्रभारी पद पर निर्विरोध निर्वाचन हो चुका है। कार्यालय प्रभारी पद पर भी दो उम्मीदवारों ने नामांकन कराया था। लेकिन बाद में रजत कुमार ने नामांकन वापस ले लिया। जिस पर दूसरे उम्मीदवार मनमंथन मृत्युंजय लखेड़ा का निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

दिउली गांव में गुलदार की दहशत

यमकेश्वर, एजेंसी। विकासखंड के दिउली गांव में गुलदार की दहशत है। गुलदार गांव में घूम रहे हैं। घरों के बाहर रखे बर्तनों से पानी पी रहे हैं। गुलदार के पानी पीने का वीडियो बनाकर स्थानीय ग्रामीणों ने सोशल मीडिया पर वायरल किया है। दिउली गांव राजाजी टाइगर रिजर्व से सटा हुआ है। बताया जा रहा है कि पार्क के अंदर जंगली जानवरों के लिए पर्याप्त पानी का इंतजाम न किए जाने से गुलदार दिउली गांव में पहुंच रहे हैं। जिससे ग्रामीणों को अनहोनी का खतरा सता रहा है। शुक्रवार शाम को दिउली निवासी वीरेंद्र भट्ट के घर के आंगन में शाम पांच बजे गुलदार आ धमका। गुलदा आंगन में रखे टब से पानी पीने लगा। इस दौरान उन्होंने इसका वीडियो बना लिया। पानी पीने के बाद शोर मचाने पर दरवाजा खुला देख गुलदार घर के अंदर घुस गया। इसके बाद आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हुए तो गुलदार खेतों की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन पूर्व जीआईसी दिउली के पास खेतों में एक बकरी को गुलदार ने निवाला बनाया था। इसके बाद गुलदार इस बकरी को स्कूल भवन में टूटी खिड़की के रास्ते अंदर कमरे में ले गया। वन दरोगा दाताराम ने बताया क्षेत्र में गुलदार के सक्रिय होने की सूचना अधिकारियों को दे दी गई है। क्षेत्र में गश्त की जाएगी।

सुबह की सैर पर निकले बुजुर्ग की कार से कुचलकर मौत

पंतनगर, एजेंसी। सुबह की सैर पर निकले पंतनगर निवासी अलाउद्दीन (62) को शनिवार को टोल प्लाजा के पास अज्ञात कार ने कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। कुशीनगर (यूपी) निवासी अलाउद्दीन (62) जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय के विद्युत विभाग से दो वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त होकर सपरिवार मस्जिद कॉलोनी में बस गए थे। शनिवार सुबह सवा पांच बजे वह टोल प्लाजा की तरफ टहलने निकले थे। टोल से पहले किसी वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। परिजनों और पुलिस कर्मियों ने गंभीर रूप से घायल अलाउद्दीन को उन्हें विवि हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौका मुआयना कर टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें एक व्यावसायिक कार उन्हें टक्कर मारकर भागती दिखी। पुलिस फुटेज के आधार पर कार की पहचान करने में जुट गई है। मृतक के परिवार में दो पुत्र और एक पुत्री है। मृतक के शव को गमगीन माहौल में मस्जिद कालोनी स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक कर दिया गया।

चार करोड़ से सुधरेंगी सिंचाई नहरें

भीमताल (नैनीताल), एजेंसी। जिला योजना से सिंचाई विभाग को 4.53 करोड़ की धनराशि दी जाएगी। धनराशि जारी होने के बाद सिंचाई विभाग की ओर से जिले में क्षतिग्रस्त सिंचाई नहरों के मरम्मत कार्य के साथ बाढ़ सुरक्षा के लिए चैकडैम और अन्य निर्माण कार्य किए जाएंगे। जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी डॉ. मुकेश सिंह नेगी ने बताया कि सिंचाई विभाग को जिला योजना से 4.53 करोड़ की धनराशि जल्द दे दी जाएगी।

महिला से अश्लीलता और गाली गलौज, मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी, एजेंसी। हिम्मतपुरमल्ला के एक युवक ने काठगोदाम थाने में ममेरे भाई पर गाली गलौज और अश्लीलता का आरोप लगाया है। युवक ने तहरीर में कहा कि उसकी पत्नी कुछ समय से दमुवाढूंगा के एक मोहल्ला में मायके रह रही है। सात जून को वह पत्नी से मिलने के लिए ससुराल आया तो यहां उसके ममेरे भाई लक्ष्मण की कॉल उसकी पत्नी के मोबाइल पर आई।

परिवार को बचाने की खातिर जान को कुर्बान कर गई मुरसलीन, पति ने चाकू से किया था प्रहार

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। गदरपुर के धीमरखेड़ा में नशेड़ी शादाब के चाकू के प्रहार से गंभीर रूप से घायल उसकी पत्नी मुरसलीन की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। शादाब वेल्डिंग आदि का काम करता था।

नशे की लत ने न जाने कितने घरों को बर्बाद कर दिया है। ऐसा ही कुछ बीते शनिवार की रात ग्राम धीमरखेड़ा में भी हुआ, जब नशेड़ी शादाब के चाकू के प्रहार से गंभीर रूप से घायल उसकी पत्नी मुरसलीन की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

रामपुर के मीरापुर निवासी मुरसलीन का निकाह करीब 12 साल पहले शादाब से निकाह हुआ था। उनके तीन बच्चे हैं। सबसे बड़ी बेटी अनाबिया (11), बेटा अहद (10) और सैजान (8) राजकीय प्राथमिक विद्यालय धीमरखेड़ा में पढ़ते हैं। शादाब वेल्डिंग आदि का काम करता था। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ने के साथ उसे नशे की लत लग गई। मुरसलीन ने कई बार घर, परिवार और बच्चों की दुहाई देकर उससे नशा छोड़ने की गुहार लगाई लेकिन उसने एक न मानी। मुरसलीन के नशे से रोकने से चिढ़कर उसने कई बार उसके साथ मारपीट की। परिजनों के समझाने के बावजूद शादाब पर कोई असर नहीं हुआ तो बूढ़े माता-पिता ने उसे अलग कर दिया। सात भाई-बहनों के परिवार में शादाब दूसरे नंबर का था। नशे की लत के चलते उसकी आमदनी कम हो गई तो आए दिन घर में विवाद होना शुरू हो गया।

शादाब को मुरसलीन का टीका-टिप्पणी करना भी नागवार लगता था। एक बार शादाब ने मुरसलीन को पाटल मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। उसके परिजनों ने कार्रवाई की गुहार लगाई तो परिवार न बिगड़े और शादाब सुधर जाए की उम्मीद के चलते मुरसलीन ने हालात से समझौता करते हुए परिजनों को कोई कार्रवाई न करने के लिए मना लिया।

बीते शनिवार की रात नशे की हालत में जब शादाब ने मुरसलीन से खाना मांगा। खाना देने के दौरान दोनों के बीच फिर विवाद हो गया। इससे बौखलाए शादाब ने मुरसलीन के साथ मारपीट की। साथ ही नशे की हालत में मुरसलीन के पेट में चाकू घोंप दिया। मुरसलीन के छोटे बेटे सैजान और बेटी अनाबिया ने अपने सामने घटी घटना के बारे में बताया तो सुनने वालों के मन में शादाब के लिए लानत उभरकर सामने आ गई। अपनी अम्मी मुरसलीन को दर्द से कराहते देखने के बाद अनाबिया, अहद और सैजान के मन में अपने वालिद शादाब के प्रति घोर नफरत घर कर गई है। उनकी नजर में शादाब किसी हैवान से कम नहीं है। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद मुरसलीन के शव को मायके वाले अपने गांव मीरापुर ले गए। रविवार शाम लगभग छह बजे उसे सुपुर्देखाक कर दिया गया। शादाब के वहशी रूप को देखकर अनाबिया, अहद और सैजान भयभीत हैं।

रविवार को मृतका के भाई इस्तेखार ने मुरसलीन के हत्यारोपी पति शादाब के साथ ही ससुर नवाब हुसैन, देवर नदीम और असद के खिलाफ तहरीर सौंपकर विवाह के बाद से प्रताड़ना का आरोप लगाया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते रविवार को मोतीपुर तिराहे से शादाब को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार देर शाम एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने रुद्रपुर में मामले का खुलासा किया।

दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट, गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों के तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों का शांतिभंग में चालान कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, शनिवार देर रात ज्वालापुर क्षेत्र में दो पक्षों के बीच झगड़ा होने की सूचना मिली। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और झगड़ा कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि एक मामले में आरोपी पंकज शर्मा निवासी ऋषिकुल कोतवाली नगर, मयंक निवासी शिवमूर्ति के पास कोतवाली नगर को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान किया गया है। वहीं, दूसरे मामले में आरोपी इनाम निवासी मोहल्ला कस्साबान ज्वालापुर को हिरासत में लेकर शांतिभंग में चालान कर दिया गया।

सीआईएसएफ ने महाकाल इलेवन को तीन विकेट से हराया

सिडकुल, एजेंसी। सीआईएसएफ मैदान में रविवार को सीआईएसएफ और महाकाल इलेवन टीम के बीच खेला गया। मैच में सीआईएसएफ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महाकाल इलेवन टीम को तीन विकेट से पराजित किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए महाकाल इलेवन ने 186 रन बनाए, लेकिन लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी सीआईएसएफ की टीम के कप्तान विवेक शर्मा ने दमदार पारी खेलते हुए 46 गेंदों में 70 रनों की बौछार की। हालांकि सीआईएसएफ टीम ने 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर सात विकेट के नुकसान से 187 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस रोमांचक मुकाबले में सीआईएसएफ की टीम ने आत्मविश्वास के दम पर बेहतर प्रदर्शन किया।

खाना देने को लेकर हुआ विवाद, पति ने पत्नी की चाकू मारकर की हत्या, अब हत्यारोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर, एजेंसी। खाना देने को लेकर उपजे विवाद के दौरान पति ने पत्नी की चाकू मार कर हत्या कर दी. आज गदरपुर पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है. आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है.

गदरपुर थाना पुलिस ने पत्नी की चाकू मार कर हत्या करने वाले पति को गिरफ्तार किया है. घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार चल रहा था. आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है. आरोपी से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है. पुलिस के मुताबिक 21 जून की शाम सूचना मिली थी कि धीमरखेड़ा, थाना गदरपुर निवासी शादाब ने अपनी पत्नी मुर्सलीन की चाकू मार कर हत्या कर दी है. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था.

मृतका के भाई इस्तकार (निवासी मीरापुर मीरगंज, रामपुर) द्वारा पुलिस को तहरीर सौंप कर आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की मांग थी. गदरपुर थाना पुलिस ने मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की धरपकड़ शुरू की गई. आज पुलिस टीम ने आरोपी को शादाब को मोतियापुर तिराहे से लगभग 300 मीटर आगे काशीपुर रोड पर बने विश्राम गृह के पास से गिरफ्तार कर लिया. आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया. पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदि है. 21 जून की शाम खाना देने को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था. आवेश में आकर आरोपी ने चाकू से पत्नी पर हमला कर दिया. जिसमें उसकी मौत हो गई.

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बहादराबाद, एजेंसी। थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात कलियर मार्ग पर दौलतपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल पर जा रहे डेयरी संचालक को टक्कर मार दी। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। तहरीर के आधार पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, नरेंद्र कुमार उर्फ मिंटू (36) पुत्र करतारा निवासी ग्राम नांगल पिनूली बेगमपुर में डेयरी का संचालन करता है। शनिवार रात करीब 11 बजे की है। वह बाइक से घर लौट रहा था। दौलतपुर धर्मकांटा के पास कलियर की ओर से आ रही कार ने उसकी बाइक पर टक्कर मार दी। कार को मौके पर छोड़कर चालक फरार हो गया।

सूचना मिलते ही बाज़ार चौकी प्रभारी अमित नौटियाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एंबुलेंस से घायल को जिला अस्पताल में भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तो क्या अब 10 और 15 जुलाई को नहीं होंगे पंचायत चुनाव हाईकोर्ट से धामी सरकार को झटका

हल्द्वानी, एजेंसी। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को देशभर में भाजपा कार्यकर्ता बलिदान दिवस के रूप में मना रही है. इसी क्रम में कुमाऊं मंडल भाजपा संभाग कार्यालय हल्द्वानी में बलिदान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत पहुंचे. जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया.

कार्यक्रम में मंत्री धन सिंह रावत ने आरएसएस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पर विस्तार से चर्चा की. इस दौरान शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश में सबसे कम उम्र 33 वर्ष के वाइस चांसलर थे. भारत के इतिहास में पहले ऐसे मंत्री थे, जिन्होंने नेहरू सरकार के खिलाफ बगावत की. एक देश में दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे, इसके लिए उन्होंने कश्मीर की यात्रा की और नेहरू ने उनको गिरफ्तार करवाया और उनकी रहस्यमय मृत्यु हो गई थी. उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता है. इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में आज बलिदान दिवस के रूप में मना रही है.

उन्होंने कहा की नई पीढ़ी को अब डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी के बारे में बताया जा रहा है. उन्होंने कहा कि अब स्कूलों और कॉलेज के छात्रों को शिक्षा के माध्यम से बताया जाएगा कि देश के अंदर इमरजेंसी कैसे लगी तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने सत्ता का किस तरह से दुरुपयोग किया इन सब को लेकर स्कूलों और कॉलेज में पढ़ाया. उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पहले से ही पाठ्यक्रम में शामिल है. लेकिन अब स्कूलों के कार्यक्रम में भी उनकी उपलब्धि को बताया जाएगा.

आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद

हल्द्वानी, एजेंसी। बीते दिनों रानीबाग के समीप मोरा दोगड़ा क्षेत्र में एक महिला को घर के अंदर से उठाकर ले जाकर निवाला बनाने वाला गुलदार आखिरकार पिंजरे में कैद हो गया है. गुलदार के क्षेत्र में सक्रिय होने से लोग दहशत में थे. देर रात गुलदार शिकार की तलाश में निकला था, जो लालच में वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया. गुलदार के पकड़े जाने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है. वन विभाग की टीम गुलदार को रानीबाग स्थित रेस्क्यू सेंटर लेकर गई है.

वन विभाग की टीम ने कई दिनों की निगरानी और प्रयासों के बाद गुलदार को पकड़ने में सफलता हासिल की. फिलहाल गुलदार को वन विभाग की निगरानी में रखा गया है और उसका मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा. जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि गुलदार को आदमखोर घोषित किया जाएगा या नहीं रेंजर मुकुल चंद्र शर्मा ने बताया कि गुलदार का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है. मेडिकल परीक्षण करने के बाद ही पता चल सकेगा यह वही गुलदार है या नहीं, जिसने महिला को निवाला बनाया था. पकड़ा गया गुलदार नर है. गुलदार के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है. लेकिन साथ ही उन्होंने वन विभाग से यह मांग भी की है कि क्षेत्र में इस तरह के हमलों की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए स्थायी समाधान निकाला जाए. गौर हो कि उत्तराखंड के कई जिलों में आए दिन गुलदार की धमक की खबर सामने आती रहती है.

रामनगर सारिम हत्याकांड, फरार आरोपियों के घर कुर्की का नोटिस चस्पा

रामनगर, एजेंसी। नैनीताल के रामनगर में 13 जून की रात घटी सारिम हत्याकांड में अब तक नैनीताल पुलिस 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है. जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं. पुलिस ने कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए दोनों आरोपियों के मोहल्ले में ढोल के साथ मुनादी करते हुए कुर्की का नोटिस चस्पा कर दिया है.

रामनगर के शिवलालपुर चुंगी इलाके में 13 जून की रात ग्राम बेड़झाल निवासी सारिम की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी. इस चर्चित हत्याकांड में पुलिस अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. अब नैनीताल पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद फरार चल रहे दोनों आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रामनगर के मोहल्ला गूलरघट्टी निवासी मोहतसिम और अरमान के घरों पर ढोल-नगाड़ों के साथ मुनादी करते हुए कुर्की का नोटिस चस्पा किया. जानकारी देते हुए कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस हत्याकांड में मोहतसिम और अरमान की संलिप्तता जांच के दौरान सामने आई थी. दोनों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी. लेकिन वे लंबे समय से फरार हैं. उन्होंने बताया कि कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर कर इन दोनों आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने की अनुमति मांगी गई थी, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है. इसके बाद ही पुलिस ने गांव में मुनादी कर दोनों के घरों पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया है. ये है मामला : 13 जून को दो गुटों के बीच हुए खूनी संघर्ष में सारिम की बेरहमी से हत्या कर दी गई. मामला दो गुटों के बीच फोन पर कहासुनी से शुरू हुआ था. संघर्ष में सारिम की दूसरे गुट के लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी थी. इस मामले में पुलिस अभी तक सिकंदर, मोहम्मद आसिफ, दानिश, अदनान, मोहम्मद शाहरुख और फैजान को गिरफ्तार कर चुकी है. जबकि मोहतसिम और अरमान फरार है. वाहन के छत पर सवारियां बैठाने पर भारी चालान~ वहीं अल्मोड़ा के देघाट में पुलिस ने छत में चार सवारियों को ढो रहे वाहन को पकड़ा और उसे सीज किया है. वहीं चालक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई कर 15 हजार 300 रुपए का चालान कर वाहन को सीज किया गया.

उधम सिंह नगर जिले में नदी में डूबे सेना के जवान का शव बरामद

बाजपुर, एजेंसी। उधम सिंह नगर के गूलरभोज नदी में डूबे सेना के जवान के डेड बॉडी को बरामद कर लिया गया है. आज सुबह एसडीआरएफ की टीम कड़ी मशक्कत के बाद नदी से निकाल लिया. फिलहाल, डेड बॉडी को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, बीती 22 जून को पुलिस को एक सूचना मिली थी कि बाजपुर क्षेत्र के गूलरभोज नदी में सेना में तैनात एक जवान डूब गया था. यह सूचना मिलते ही एसडीआरएफ यानी राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के जवान तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे. जहां रेस्क्यू अभियान को चलाया गया, लेकिन अंधेरा और तेज बहाव होने की वजह से डूबे जवान का कुछ पता नहीं चल पाया. ऐसे में रेस्क्यू रोकना पड़ा. बेंगलुरु का रहने वाला था जवान~ आज सुबह फिर से रेस्क्यू अभियान चलाया गया. जिसमें टीम को सफलता मिली और डूबे जवान का शव बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया. गूलरभोज नदी में डूबे जवान की पहचान हिमांशु मिश्रा निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक) के रूप में हुई.हिमांशु भारतीय सेना की आर्मी सप्लाई कोर में तैनात थे. जो वर्तमान में हल्द्वानी में सेवा दे रहे थे. कुछ समय पहले ही उनका ट्रांसफर हल्द्वानी हुआ था.

÷बीती 22 जून को एक व्यक्ति की नदी में डूबने की सूचना मिली थी. जिसका शव आज नदी से निकाल लिया गया है. फिलहाल, आगे की कार्रवाई के लिए शव को जिला पुलिस को सौंप दिया गया है.÷- सुरेंद्र सिंह, क्षेत्राधिकारी, एसडीआरएफ बाजपुर बरसात में नदी नालों में जाने से बचें~ बता दें कि उत्तराखंड में लगातार बारिश की वजह से नदी नाले उफान पर हैं. प्रशासन लगातार नदियों में नहाने और राफ्टिंग करने वालों से सावधानी बरतने की अपील कर रहा है. इस तरह के हादसे कई बार पहले भी हो चुके हैं, जिसमें कई लोग जान गंवा चुके हैं. अब बरसात का मौसम शुरू हो चुका है. ऐसे में गदेरे, नदी, नालों या तालाब-पोखरो में नहाने से बचें.

सैलून का शटर बंद कर युवक को पीटा

हरिद्वार, एजेंसी। नगर कोतवाली क्षेत्र में एक सैलून में युवक पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने सैलून का शटर बंद कर युवक को भीतर ही बुरी तरह पीटा और सिर फाड़ दिया। पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, कुंज गली, गंगाजली बस्ती निवासी बीना कश्यप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा सूरज कश्यप शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे इंदिरा विकास कॉलोनी स्थित एक सैलून में बाल कटवाने गया था। तभी वहां विजय, अजय और ऋतिक उर्फ बैंगन, दीपक पहुंचे और सूरज पर हमला कर दिया। आरोप है कि इन युवकों ने दुकान का शटर बंदकर पहले सूरज को कैद किया, फिर डंडों और लात-घूंसों से जमकर पीटा। बताया कि युवक पहले भी उनके बेटे के साथ मारपीट कर चुके हैं और लगातार उसे धमकाते रहते हैं। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि: केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया याद

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। भारतीय जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि (बलिदान दिवस) पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उनके बलिदान और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वैचारिक नींव को मजबूत करने में उनके योगदान को याद किया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने उस समय की कांग्रेस सरकार और तत्कालीन

नेतृत्व विशेषकर जवाहरलाल नेहरू के कई नीतियों से असहमति जताई थी। फिर भी, गांधी जी के आह्वान पर उन्होंने स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में हिस्सा लिया, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे महानुभाव भी शामिल थे। लेकिन, समय के साथ नेहरू जी ने उन्हें और डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैसे नेताओं को उचित भूमिका नहीं दी, जिसके कारण वे सरकार से बाहर हो गए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 1950 के दशक में जब कांग्रेस का आजादी की लड़ाई में एकतत्र प्रभुत्व था, तब डॉ. मुखर्जी ने वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा प्रस्तुत की। भारतीय जनसंघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक विचार था, जिसका प्रभाव आज सात दशकों बाद भी देश और राज्यों में देखा जा सकता है। डॉ. मुखर्जी ने निडर होकर नेहरू की नीतियों का विरोध किया और कहा, मैं आपकी कुचलने वाली मानसिकता को ही कुचल दूंगा। उनके इस साहस ने उन्हें युगपुरुष बनाया। प्रधान ने हाल के ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि यह भारत की सैन्य शक्ति का प्रतीक है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छाशक्ति ने संभव बनाया। उन्होंने कहा, नक्सलवाद और उग्रवाद को लगभग समाप्त कर दिया गया है। राम मंदिर का पुनर्निर्माण और धरोहरों का सम्मान भी डॉ. मुखर्जी के विचारों की जीत है। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आज भी भाजपा की शासन व्यवस्था का आधार है, जहां गरीब और सामान्य व्यक्ति केंद्र में है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 17 वर्षों में एनडीए और भाजपा ने केंद्र और राज्यों में सुशासन और विकास के लिए काम किया है। धारा 370 के निरस्त होने (2019) और श्री राम मंदिर के पुनर्निर्माण जैसे कदमों ने डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार किया है। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डॉ. मुखर्जी को देश की एकता और अखंडता के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने धारा 370 को हटाकर उनके बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि दी। उनके नारे ह्यएक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगेह्व को साकार करने में मोदी जी और गृहमंत्री अमित शाह की भूमिका ऐतिहासिक रही। डॉ. मुखर्जी का विचार केवल जम्मू-कश्मीर तक सीमित नहीं था, बल्कि शिक्षा, भाषा, लघु उद्योग, और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उनका चिंतन मौलिक था। सांसद बांसुरी स्वराज ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने डॉ. मुखर्जी के अखंड भारत के सपने और राष्ट्रवादी विचारधारा को याद किया। बांसुरी स्वराज ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय विचारधारा के ध्वजवाहक थे। उन्होंने अखंड भारत का संकल्प लिया था और कहा था, एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे। उनका यह सपना 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा धारा 370 को हटाने के साथ पूरा हुआ।

भारतीय संस्कृति की समझ: डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पढ़ने से आएगी: वीरेंद्र सचदेवा

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर दिल्ली की भाजपा इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भारतीय संस्कृति की समझ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पढ़ने से आएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने उनकी महानता को याद करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की गहरी समझ उनके विचारों और कार्यों से प्राप्त होती है। डॉ. मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी, शिक्षाविद और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे, जिनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। सोमवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित भाजपा सांसदों, विधायकों और मंत्रियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, हम हर साल 23 जून को यहां स्वर्गीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने और उन्हें याद करने के लिए इकट्ठा होते हैं। और हर बार मैं आप सभी से कहता हूं कि अगर आप राष्ट्रवाद को समझना चाहते हैं, अगर आप राष्ट्रनीति को समझना चाहते हैं, अगर आप सही मायने में भारतीय संस्कृति को समझना चाहते हैं, तो आपको डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बारे में अवश्य पढ़ना चाहिए। वे एक महान विचारक, एक निडर नेता और एक सच्चे देशभक्त थे। वीरेंद्र सचदेवा ने संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत की बात भी कही। बोले,हम सभी को मालूम है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे। उन्होंने नेहरू की इस नीति के खिलाफ आंदोलन किया। जिन परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हुई उसे हमेशा संदेह की स्थिति से देखा गया है। आज मैं आप लोगों के समक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मां का वो पत्र पढ़कर सुनाना चाहता हूं जिसे तत्कालीन पीएम पंडित नेहरू को लिखा था। पत्र में उनकी मां ने लिखा,मैं तुम्हारी सफाई नहीं चाहती हूं मैं जांच चाहती हूं मेरे पुत्र को गिरफ्तार करके उसे राज्य में भेजा गया जहां संविधान का कोई अधिकार नहीं था। उसे जिस परिस्थिति में रखा गया। वह असंवैधानिक था। जब उसकी तबीयत बिगड़ी उसे समुचित उपचार नहीं मिला। उसके निधन के बारे में जो जानकारी दी गई वह स्पष्ट विरोधाभासी थी। मैं तुम्हारी दलीलों को झूठा मानती हूं। कुछ छिपाने के लिए नहीं है तो न्यायिक जांच के आदेश क्यों नहीं देते हैं। भगवान और जनता के सामने जवाब देना होगा।

संक्षिप्त खबरें

कार की टक्कर से पलटी मोटरसाइकिलई-रिक्शा से जा भिड़ी, 3 जख्मी

नई दिल्ली,। उत्तरी दिल्ली के नरेला इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने एक मोटरसाइकिल और एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक 60 साल के बुजुर्ग समेत तीन लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना रविवार रात करीब 8.30 से 8.45 बजे तब हुई जब एक कार ने पहले एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी। इस टक्कर के कारण मोटरसाइकिल पलट गई और चलती ई-रिक्शा से जा टकराई। पुलिस ने बताया कि रविवार रात लगभग 8:30 से 8:45 बजे के दौरान एक मारुति कार (ल्फ42 ख 4089) एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। इस टक्कर के बाद बाइक पास के एक ई-रिक्शा से टकरा गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार जगदंबा प्रसाद सिंह (60) और दो ई-रिक्शा सवार शोएब (21) और अमीर (19) घायल हो गए। वहीं कार का ड्राइवर वाहन को छोड़कर मौके से भाग गया। एफआईआर संख्या 473/25 यू/एस 281/125(ए) बीएनएस के तहत दुर्घटना का मामला दर्ज किया गया है। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया; अमीर और शोएब को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई जबकि जगदंबा प्रसाद सिंह की हालत स्थिर है।

अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने एक अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। 288 किलोग्राम गांजे के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपित गांजे की तस्करी के साथ उसे बेचने का काम भी करते थे। इसके साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों की धरपकड़ के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है। यह संगठित ड्रग्स तस्करी गिरोह ओडिशा से गांजा लेकर आता था और इसे उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली-एनसीआर के जिलों में सप्लाई करता था। इनसे कुल 288 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 50 लाख रुपये आकी जा रही है। क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल के इंस्पेक्टर मनमीत मलिक की देखरेख में यह ऑपरेशन किया गया। 22 जून को एसआई सुशील को इसकी जानकारी मिली थी। पता चला कि ट्रक से गांजा लाया जा रहा है। जिसके बाद एक टीम गठित की गई और सराय काले खां के पास शमशाद घाट पर पुलिस ने गिरोह की धरपकड़ के लिए निगरानी चालू की। जिसके बाद सूचना के अनुसार तय जगह से हरियाणा के सोनीपत निवासी मुकेश दहिया और राजेश दहिया को पकड़ा गया। मुकेश ट्रक का मालिक है जबकि राजेश ड्राइवर है।

जेएनयू छात्रसंघ का आरोप, नहीं मिल रहीं कुलपति

नई दिल्ली,। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) ने सोमवार को कुलपति के व्यवहार को अलोकतांत्रिक बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। छात्रसंघ का आरोप है कि कुलपति बार-बार अनुरोध के बावजूद मिलने से इनकार कर रही हैं। छात्रसंघ ने बयान जारी कर कहा कि प्रतिनिधि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे जेएनयूईई प्रवेश परीक्षा की बहाली, हॉस्टल खाली करने के नोटिस को रद्द करने और प्रॉक्टोरियल जांचों पर चर्चा के लिए कुलपति से मिलने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी गई। छात्रसंघ ने विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द संवाद शुरू करने और छात्रहित में निर्णय लेने की अपील की है।

दिल्ली: चार वर्षीय बच्ची को अपहरणकर्ता से छुड़ाया, महिला गिरफ्तार

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली के चांदनी महल थाना पुलिस ने चार साल की बच्ची को अपहरणकर्ता के चंगुल से सुरक्षित छुड़ा लिया। 40 वर्षीय आरोपी बरखा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय यूपी पुलिस के सहयोग से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। घटना 18 जून 2025 को सामने आई, जब एक दंपति ने चांदनी महल थाने में अपनी चार वर्षीय बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने बताया कि शाम करीब 5 बजे, उनकी पत्नी व्यस्त थी, तभी उनकी बेटी गायब हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी बच्ची का पता नहीं चला और उन्हें संदेह हुआ कि किसी ने गलत इरादे से अपहरण किया है। इस आधार पर पुलिस ने एफआईआर (संख्या 212/25, धारा 137(2) बीएनएस) दर्ज की। मामले की गंभीरता को देखते हुए, इंस्पेक्टर महावीर प्रसाद, एसएचओ/चांदनी महल, के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इसमें एसआई सतीश, एसआई समेंद्र, एसआई गोविंद, एसआई अवधेश नारायण, एचसी सतेश, कांस्टेबल विक्रम, घनश्याम, गौरव, नरेंद्र और महिला कांस्टेबल दिव्यांशी और सिमरन शामिल थे। टीम की निगरानी एसीपी (दरियागंज, मध्य जिला) ने की। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें बच्ची को दिल्ली गेट के पास संचार भवन की ओर अकेले जाते देखा गया। गुप्त सूत्रों से पता चला कि एक महिला भिखारी बच्ची को बाराबंकी के बेहटा गांव ले गई है। इस जानकारी को स्थानीय यूपी पुलिस के साथ साझा किया गया और एक टीम तुरंत बाराबंकी रवाना हुई। वहां पहुंचने पर पता चला कि संदिग्ध बरखा बच्ची को लेकर दिल्ली लौट आई थी, क्योंकि उसे पुलिस की तलाश का पता चल गया था। 21 जून को सुबह चांदनी महल थाना पुलिस ने नई और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर सादे कपड़ों में निगरानी शुरू की। उसी दिन बरखा को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बच्ची के साथ उतरते देखा गया। वह छिपने की कोशिश कर रही थी, लेकिन पुलिस ने उसे तुरंत पकड़ लिया। बच्ची को सुरक्षित छुड़ा लिया गया। पूछताछ में बरखा ने कबूल किया कि उसने बच्ची का अपहरण भीख मंगवाने और तस्करी के इरादे से किया था।

भारती कॉलेज के प्रोफेसर अजीत राणा को इंटरनेशनल कर्मशील अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

प्रोफेसर राणा को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए दिया गया

● संस्कृत के उच्च कोटि के विद्वान है प्रोफेसर अजीत राणा

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध भारती कॉलेज में संस्कृत के उच्च कोटि के विद्वान प्रोफेसर अजीत राणा को शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिए जाने पर सोक्रेट सोशल रिसर्च यूनिवर्सिटी द्वारा इंडिया इंटरनेशनल हेबिटेट सेंटर ,नई दिल्ली में मुख्य अतिथि पूर्व मेजर जनरल पी.के. सहगल (रक्षा विशेषज्ञ) प्रोफेसर शक्ति सिंह (जेएनयू) व केंद्रीय जांच ब्यूरो के पूर्व अधीक्षक श्री दिनेश शर्मा ने उन्हें ऑनरेरी डॉक्टरेट की उपाधि व इंटरनेशनल कर्मशील अवॉर्ड -2025 तथा अंगवस्त्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया । बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रो.अजीत राणा संस्कृत अध्यापन के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण नाम है और पिछले दो दशकों से भारतीय दर्शन , योग दर्शन , उपनिषद साहित्य , श्रीमद्भागवत गीता का अध्ययन व अध्यापन कार्य कर रहे हैं ।वर्तमान में ये भारती कॉलेज में वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत्त है । प्रो. राणा को इंटरनेशनल कर्मशील अवॉर्ड मिलने पर कॉलेज की प्रिंसिपल , कॉलेज के शिक्षकों , साथियों व उनकी छात्राओं द्वारा बधाई व शुभकामनाएं दी जा रही है । यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ.के. योगेश ने बताया कि प्रोफेसर राणा का जन्म हरियाणा के हिसार जिला के सिसाय गाँव में एक किसान परिवार में हुआ । परिवार आर्य समाज से प्रभावित था । पिता की इच्छा थीं कि उनका पुत्र भारतीय ज्ञान परंपरा व भारतीय संस्कृति को जाने इसलिए इन्हें संस्कृत पढ़ने के लिए झज्जर गुरुकुल में प्रवेश दिलाया गया । गुरुकुलीय शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात बी.ए. ऑनर्स संस्कृत ,महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से की ।इसके पश्चात स्नातकोत्तर संस्कृत हंसराज कॉलेज से किया ।इन्हें कई भाषाओं का भी ज्ञान है , यूजीसी नेट उत्तीर्ण करने पर दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग से रघुवंश तथा जानकीहरण में अपाणिनीय प्रयोग विषय पर पीएचडी की ।इन्होंने बहुत से पुरस्कार मिल चुके हैं तथा कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है तथा दर्जनों शोध आलेख पुस्तकों में छपे है ।बहुत सी कार्यशाला आयोजित की जिसमें पत्र वाचन किया । ये पिछले दो दशकों से दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में अध्यापन कार्य कर चुके है , वर्तमान में भारती कॉलेज के संस्कृत विभाग में वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत्त हैं । प्रो. अजीत राणा को इंटरनेशनल कर्मशील अवॉर्ड --2025 मिलने पर अपने संबोधन में कहा कि - आज का समय प्रतियोगिता का है हर व्यक्ति एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी हुई है ।समाज के हर व्यक्ति को मुख्यधारा में लाकर ही इस समाज का सर्वांगीण विकास किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए वर्तमान सरकार ने सभी समुदायों को अवसर प्रदान किए हैं ।भारतीय समाज स्वामी दयानंद सरस्वती , महात्मा हंसराज , डॉ. अम्बेडकर, सरदार भगतसिंह व महात्मा बुद्ध के विचारों पर चलते हुए ही आगे बढ़ सकता है। सन 2014 के बाद लोगों की स्थिति में आर्थिक और शैक्षणिक रूप से सुधार हुआ है। राजनैतिक रूप से इनमें सक्रियता भी बढ़ी है और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ी है ।उन्होंने बताया कि अब स्थितियाँ काफी बदल गई हैं। वंचितों के प्रति लोगों के दृष्टिकोण तथा व्यवहार में परिवर्तन आया है ।जैसे- जैसे शिक्षा व जागरूकता बढ़ेगी लोग अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे और जो पढ़ेगा वही आगे बढ़ेगा ।

दिल्ली : डीबीजी रोड पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को बटन वाले चाकू के साथ पकड़ा

नई दिल्ली,। दिल्ली के डीबीजी रोड पुलिस थाने की टीम ने एक हिस्ट्रीशीटर को बटन वाले चाकू के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान विजय उर्फ विक्की उर्फ मोटा (45 वर्ष), निवासी अमरपुरी, नबी करीम, दिल्ली के रूप में हुई है। यह गिरफ्तारी 20-21 जून की मध्यरात्रि को सतर्क गश्त के दौरान हुई। पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय जिला) निधिन वलसन ने बताया कि डीबीजी रोड पुलिस को अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सतर्क गश्त और निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत कांस्टेबल सौरभ और अनूप की गश्ती टीम रात को करोलबाग के लिबर्टी सिनेमा के पीछे खाली जमीन के पास तैनात थी। इस दौरान टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा, जो पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश करने लगा। सतर्क पुलिसकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की और उसे धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विजय बताया। लेकिन, मौके पर मौजूदगी का कोई ठोस कारण नहीं बता सका। तलाशी लेने पर उसके पास से एक बटन-संचालित चाकू बरामद हुआ। इसके बाद, डीबीजी रोड थाने में आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में पता चला कि विजय नबी करीम थाने का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर है और पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, वह इलाके में आपराधिक गतिविधियों का सक्रिय सदस्य है। बरामद चाकू को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि हम अपराध रोकने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। ऐसी कार्रवाइयों से इलाके में अपराधियों के बीच डर पैदा होगा और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आम लोगों का कानून-व्यवस्था पर विश्वास बढ़े।

दिल्ली के हॉस्टलों का हाल देख सीएम रेखा गुप्ता हैरान, आप सरकार पर साधा निशाना

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मौलाना आजाद अस्पताल के डॉक्टरों से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वो उनके काम से हैरान हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कॉलेज और छात्र बहुत ही बुरे हालात में हैं। 1966 से 1990 के बीच 1200 छात्रों के लिए सात छात्रावास बनाए गए थे, लेकिन वर्तमान में 3,200 छात्र इन छात्रावासों में रह रहे हैं। रेखा गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा,ह्व मैं पिछली सरकार के काम से, अस्पताल प्रशासन और मेडिकल कॉलेज के रखरखाव से हैरान हूँ। कॉलेज और छात्र बहुत खराब स्थिति में हैं। 1966 और 90 के बीच बनाए गए सात छात्रावासों में 1,200 छात्रों के रहने की क्षमता थी, वहां लगभग 3,200 छात्र रह रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पिछली आप सरकार पर हमला बोला और कहा कि यह शर्मनाक है कि उनके कार्यकाल में कोई नवीनीकरण कार्य नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह छात्रों की सुरक्षा के लिए खतरा है और यह बहुत दुखद है कि वे ऐसी विपरीत परिस्थितियों में रह रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा, यह बहुत शर्मनाक है कि कोई नवीनीकरण या मरम्मत का काम नहीं किया गया है। यह बहुत दुखद है कि हमारे मेडिकल छात्र वहां ऐसी विपरीत परिस्थितियों में रह रहे हैं, जो उनकी सुरक्षा के लिए खतरा है। सीएम रेखा गुप्ता ने छात्रों की सुरक्षा पर दिया खास ध्यान छात्रावासों में छात्राओं के साथ पहले हुई दुर्घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, रेखा गुप्ता ने कहा कि अगर पिछली सरकार ने छात्रों को सुरक्षित वातावरण और एक कॉम्पैक्ट कैंपस नहीं दिया, तो इसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, पहले भी दुर्घटनाएँ हुई हैं, बलात्कार जैसे मामले हुए हैं। अगर पिछली सरकार ने उन्हें सुरक्षित वातावरण और एक कॉम्पैक्ट कैंपस नहीं दिया है, तो यह अपने आप में बहुत शर्मनाक है... सरकार तुरंत मरम्मत की सुविधा प्रदान करेगी और नए छात्रावासों के प्रावधान की भी तुरंत तलाश की जाएगी।

दिल्ली से मेरठ के बीच नमो भारत ट्रेन का ट्रायल रन पूरा किया, 1 घंटे में कवर किया 82किलोमीटर

नई दिल्ली,।नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदिपुरम तक पूरे नमो भारत कॉरिडोर पर निर्धारित ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस दौरान 82 किलोमीटर की दूरी को ट्रेन ने एक घंटे से भी कम समय में तय किया। इस ट्रायल के दौरान मेरठ मेट्रो की ट्रेनों ने भी नमो भारत ट्रेनों के साथ-साथ संचालन किया और सिस्टम ने सभी परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह भारत के पहले नमो भारत कॉरिडोर के संचालन की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है, जो दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच बनाया जा रहा है। 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार ट्रायल के दौरान नमो भारत ट्रेनें अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से पूरे 82 किमी के कॉरिडोर पर निर्बाध रूप से चलीं। ट्रेनें सराय काले खां से लेकर मोदिपुरम तक सभी स्टेशनों पर रुकीं और निर्धारित समय के भीतर पूरी दूरी तय की, जैसा कि एनसीआरटीसी ने लक्ष्य रखा था। नमो भारत कॉरिडोर में विश्व का पहला ईटीएस लेवल-3 हाइब्रिड सिग्नलिंग सिस्टम एलटीई तकनीक पर आधारित रूप में लागू किया गया है। यह सिस्टम प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स (पीएसडी) के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है और परीक्षण के दौरान किसी भी व्यवधान के बिना पूरी तरह कार्यात्मक पाया गया, जिससे इसकी तैयारियों का संकेत मिलता है। वर्तमान में, 11 स्टेशनों के साथ 55 किलोमीटर का हिस्सा यात्रियों के लिए पहले से ही चालू है। शेष हिस्सों पर तेजी से फिनिशिंग वर्क और ट्रायल रन किए जा रहे हैं इसमें दिल्ली में सराय काले खां से न्यू अशोक नगर तक 4.5 किमी और मेरठ में मेरठ साउथ से मोदिपुरम तक लगभग 23 किमी का सेक्शन शामिल है। साथ ही, मेरठ मेट्रो का ट्रायल रन भी मेरठ साउथ से मोदिपुरम डिपो के बीच तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह देश में पहली बार होगा जब स्थानीय मेट्रो सेवाएं नमो भारत ट्रेनों की बुनियादी संरचना पर ही संचालित होंगी। मेरठ मेट्रो का 23 किलोमीटर लंबा सेक्शन 13 स्टेशनों वाला है, जिसमें से 18 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड (उन्नत) है और 5 किलोमीटर अंडरग्राउंड (भूमिगत) है।

मुख्यमंत्री ने की मौलाना आजाद अस्पताल के डॉक्टरों से मुलाकात, पिछली सरकारों पर साधा निशाना

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मौलाना आजाद अस्पताल के डॉक्टरों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से संवाद करके उनकी समस्याओं को भी सुना। मुख्यमंत्री ने मुलाकात के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कि पिछली शिक्षित सरकारों और यहां के अस्पताल प्रशासन की गैरजिम्मेदारी से हैरान है। उन्होंने कहा कि मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की खराब स्थिति और यहां पढ़ने वाले छात्रों की हालत देखकर बहुत दुख होता है। उन्होंने कहा कि 1966 से 1990 के बीच में बने यहां सात छात्रावास की 1200 छात्रों की क्षमता है, लेकिन लगभग 3200 छात्र रह रहे हैं। एक कमरे में आठ-आठ बेड है और अलमारी भी शेयर करनी पड़ती है, स्टडी टेबल कुर्सी जैसी कोई चीज यहां नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के छात्रावासों में कभी मरम्मत का काम ही नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे मेडिकल के छात्र ऐसी विपरीत परिस्थितियों में यहां पर रह रहे हैं। यहां सुरक्षा की कोई दुरुस्त व्यवस्था नहीं है, परिसर में भारी अतिक्रमण किया गया है। पिछली सरकारों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। अतिक्रमण की वजह से छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ा है। कई वारदातें भी हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावासों की मरम्मत और उनमें सुविधाओं को देने के लिए तुरंत जरूरी कदम उठाए जाएंगे। नए छात्रावासों को बनाने की संभावनाएं खोजी जाएगी, ताकि एक कमरे में दो या चार छात्रों को रहना पड़ें। छात्रों के लिए अलग अलमारी और स्टडी टेबल कुर्सी की व्यवस्था की जाएगी। दिल्ली सरकार छात्रों को सभी सुविधाएं देने की कोशिश करेगी। परिसर में हुए अतिक्रमण को जल्द हटाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने 19 जून को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, लोक नायक अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल और गुरु नानक नेत्र केंद्र परिसर की स्थिति को लेकर एक आपातकालीन समीक्षा बैठक की। बैठक में चार हजार छात्रों और डॉक्टरों के लिए आवासीय सुविधा तथा मूलभूत ढांचे के पुनर्निर्माण की विस्तृत योजना तैयार करने का निर्णय लिया गया। यह काम दिल्ली लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने और आपराधिक गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली नगर निगम और शिक्षा विभाग को परिसर में संचालित अवैध स्कूलों को तुरंत हटाने और अतिक्रमणों की पहचान कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को अपने अधीन संरक्षित स्मारकों पर हो रहे अवैध कब्जों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ड्रग्स तस्करी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की अंतरराज्यीय सेल ने नशा मुक्त भारत अभियान और जीरो टॉलरेंस फॉर ड्रग्स नीति के तहत एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का पदार्फाश किया है। ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 288 किलोग्राम गांजा बरामद किया। जिसकी कीमत करीब 50 लाख आंकी जा रही है। इस सिलसिले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है और तस्करी में इस्तेमाल एक ट्रक को जब्त किया गया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सोनीपत हरियाणा निवासी मुकेश दहिया (39) और राजेश दहिया (29) के रूप में हुई है। मुकेश ट्रक का मालिक है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि यह गिरोह ओडिशा से गांजा सप्लाई करता था। जिसकी पहुंच उप्र, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली-एनसीआर तक थी। डीसीपी के अनुसार ट्रक से 288 किलो गांजा बरामद किया गया। जिसे ट्रक की बॉडी में बने छिपे हुए खांचे में रखा गया था। डीसीपी के अनुसार 22 जून को क्राइम ब्रांच में कार्यरत एसआई सुशील को गुप्त सूचना मिली थी कि शमशाद घाट, सराय काले खां इलाके में एक ट्रक भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर पहुंचेगा। इसी सूचना के आधार पर एसआई सुशील के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई।

राज्यसभा जाएंगे या नहीं, केजरीवाल ने कर दिया साफ; कांग्रेस कार्यकताओं से की खास अपील

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी ने विधानसभा के लिए होने वाले उपचुनाव में पांच सीटों में से दो पर जीत हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। पार्टी ने पंजाब और गुजरात में एक-एक विधानसभा सीट जीती। दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के कुछ महीने बाद यह उसके कार्यकताओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नतीजों से पता चलता है कि गुजरात के लोग सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से तंग आ चुके हैं। उन्होंने उन अटकलों पर भी विराम लगा दिया कि क्या पंजाब में विधानसभा उपचुनाव में आप सांसद की जीत के बाद वह राज्यसभा में जाएंगे। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मैं राज्यसभा नहीं जा रहा हूं। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति तय करेगी कि कौन राज्यसभा जाएगा। आम आदमी पार्टी ने गुजरात के विसावदर और पंजाब के लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की है। केजरीवाल ने कहा कि फरवरी के चुनावों में हमने विसावदर सीट जीती थी, लेकिन हमारे विधायक पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। आज हमने दोनों सीटें दोगुने अंतर से जीती हैं। उन्होंने कहा, ह्लहमने लुधियाना पश्चिम में भी जीत हासिल की। यह दशार्ता है कि लोग हमारे काम से खुश हैं। ऐसा कहा जाता है कि उपचुनावों में हमेशा सत्तारूढ़ पार्टी ही जीतती है, लेकिन गुजरात में भाजपा सत्ता में है और प्रशासन और मशीनरी पर भी उसकी पकड़ है। इसके बावजूद अगर लोगों ने हमें वोट दिया और हम दोगुने अंतर से जीते, तो यह दशार्ता है कि लोग भाजपा से तंग आ चुके हैं। अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस और भाजपा दोनों पर हमला करते हुए दावा किया कि भाजपा के साथ उनके मधुर संबंध हैं। उन्होंने कहा, ह्लमैं कांग्रेस कार्यकताओं से आग्रह करता हूं कि वे हमारे साथ जुड़ें। केवल आप ही भाजपा के खिलाफ लड़ रही है।ह्व उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा और आप के बीच सीधी लड़ाई है। कांग्रेस भाजपा की कठपुतली बनकर उनकी जीत सुनिश्चित कर रही है। पंजाब में लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में आप के मौजूदा सांसद संजीव अरोड़ा ने जीत दर्ज की है। अरोड़ा को राज्यसभा से इस्तीफा देना होगा। विपक्षी दलों ने दावा किया है कि आप सुप्रीमो केजरीवाल अरोड़ा की जगह राज्यसभा जाएंगे।

सरकार के फैसले से व्यापारियों को फायदा होगा

नई दिल्ली, ।व्यापार लाइसेसिंग की प्रक्रिया से पुलिस को हटाए जाने के दिल्ली सरकार के फैसले की व्यापारी नेता व भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सराहना की है। उनका कहना है कि इस फैसले से दिल्ली के करीब चार लाख व्यावसायियों को सहूलियत मिलेगी। व्यापारिक संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में व्यावसायियों के व्यापार करना और आसान हो जाएगा। इस आदेश के लागू होने पर अब होटल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, मोटल, स्विमिंग पूल, वीडियो गेम पार्लर और मनोरंजन पार्क ।

Name Change

I, KIRAN GIROTRA W/O RAHUL ARORA R/O B-163 STREET NO-7 BHAJANPURA DELHI -110053, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY SURNAME AS KIRAN ARORA

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 24 जून, 2025

लुधियाना पश्चिम-विसावदर उपचुनाव में आप की शानदार जीत से साफ, जनता काम की राजनीति चाहती हैः आतिशी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, पंजाब के लुधियाना पश्चिम और पीएम नरेंद्र मोदी के गढ़ गुजरात के विसावदर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में एतिहासिक जीत दर्ज कर आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस और भाजपा को बता दिया कि अरविंद केजरीवाल की काम की राजनीति जनता को पसंद है। आप ने दिल्ली में भाजपा-कांग्रेस की छल-कपट से मिली हार का गुजरात और पंजाब में बड़ी जीत दर्ज कर करारा जवाब दिया है। इस जीत के साथ ही ह्वआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजनीति में दमदार वापसी की है। पंजाब और गुजरात में मिली बड़ी जीत के बाद अरविंद केजरीवाल, सीएम भगवंत मन, पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी कार्यकताओं और जनता को बधाई दी है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने एक्स पर कहा कि विधानसभा हलका लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर सभी को बहुत-बहुत बधाइयां। बड़ी लीड से मिली यह जीत इस बात का साफ संकेत है कि राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश है। हम पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए दिन-रात बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उपचुनाव के दौरान पंजाबियों से किए गए हर एक वादे को हम प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेंगे। संजीव अरोड़ा जी को बहुत-बहुत मुबारकबाद। साथ ही, इस जीत के लिए दिन-रात मेहनत करने वाली पूरी लीडरशिप और वॉलंटियर्स की टीम को भी बहुत-बहुत बधाई। आप के वरिष्ठ नेता व पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा कि हमारे हर एक कार्यकर्ता के लिए बहुत खुशी की बात है कि हमने दो सीटें जीती हैं। यह दोनों सीटें बहुत महत्वपूर्ण हैं। लुधियाना पश्चिम सीट से आप विधायक गोगी जी के असमय निधन से यह सीट खाली हुई थी। अब फिर यह सीट आप के पास आ गई है। इस जीत से पंजाब के कार्यकताओं को बहुत मनोबल बढ़ा है। पंजाब की भगवंत मान सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, किसानों और नौकरियों के साथ नशे के विरुद्ध शानदार काम किया है। इस काम से पंजाब के लोग खुश हैं। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सेमीफाइनल जीत लिया है, अब फाइनल की बारी है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी के लिए गुजरात भी बहुत महत्वपूर्ण था। गोपाल इटालिया गुजरात के तेज-तर्रार नेता हैं। गुजरात के लोगों के मुद्दों की आवाज को कभी उठने नहीं दिया गया। गोपाल इटालिया इन लोगों की एक मजबूत आवाज बनकर निकलेंगे। इस जीत से पूरे देश के ह्वआपह्व के कार्यकताओं में खुशी है। यह जीत इस बात संकेत है कि गुजरात के लोगों ने अरविंद केजरीवाल की काम की राजनीति पर भरोसा जताया है। मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि गुजरात में जबरदस्त जीत। गुजरात का शेर गोपाल इटालिया अब विधानसभा में दहाड़ेगा। यह जीत हर उस कार्यकर्ता की है जिसने दिन-रात एक किया। आम आदमी पार्टी के हर सिपाही का आभार और दिल से बधाई। वहीं, पंजाब में सेमीफाइनल में ह्वआपह्व को मिली शानदार जीत। अब फाइनल की बारी है। अरविंद केजरीवाल, सीएम भगवंत मान, संजीव अरोड़ा, टीम पंजाब और सभी आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को दिल से बधाई। मनीष सिसोदिया ने एक अन्य पोस्ट पर कहा कि विपक्ष के लोग लुधियाना उपचुनाव को सेमी-फाइनल बता रहे थे। आप ने सेमी-फाइनल जीत लिया है और अब भगवंत मान के नेतृत्व में फाइनल भी जीतेंगे। ये जीत आम आदमी पार्टी के काम की राजनीति की जीत है। विसावदर में गोपाल इटालिया की जीत पर उन्हें भी बधाई देते हुए, वो शेर है जो अब गुजरात विधानसभा में दहाड़ेंगे और शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों के मुद्दे उठाएंगे। आप के वरिष्ठ नेता व दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज देश भर में हुए पांच उपचुनावों के परिणाम घोषित हुए हैं, जिनमें से दो सीटें ह्वआपह्व ने जीती हैं। इसके अलावा, एक सीट कांग्रेस, एक तृणमूल कांग्रेस और एक भाजपा के खाते में गई है। विशेष रूप से गुजरात की विसावदर सीट पर ह्वआपह्व ने भाजपा को हराकर जीत हासिल की है। यह खुद में एक बड़ा राजनीतिक संदेश है। भाजपा, जो दिल्ली में छल-कपट से आप को हराकर दावा कर रही थी कि उसने आप को खत्म कर दिया, उसे इस जीत ने करारा जवाब दिया है। इस जीत के साथ अरविंद केजरीवाल की राष्ट्रीय राजनीति में धमाकेदार पुनः प्रवेश हुआ है। धन्ना सेठों की पार्टी भाजपा को इस परिणाम से बड़ा झटका लगा है। देश भर में अलग-अलग स्थानों से आने वाले रुझान और आम लोगों का विश्वास देश की चुनावी प्रणाली में फिर से बढ़ा है। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि लुधियाना पश्चिम से संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार बनाने के पीछे एक कारण यह था कि उन्होंने राज्यसभा सांसद रहते हुए लुधियाना में बहुत काम किया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने बटला हाउस में 7 संपत्तियों को तोड़ने से दी अंतरिम सुरक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली के बाटला हाउस इलाके में फिलहाल बुलडोजर नहीं गरजेगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस इलाके की 7 संपत्तियों तोड़ने से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। हाई कोर्ट ने इसके अलावा अन्य मामलों के साथ इसे 10 जुलाई को सुनवाई के लिए तय किया है। कोर्ट के आदेश के बाद वहां के लोगों को बड़ी राहत मिली है। इससे पहले 16 जून को भी बाटला हाउस पर बुलडोजर ऐक्शन मामले पर सुनवाई हुई थी। तब 16 जून के आदेश में,न्यायमूर्ति तेजस कार्या ने डीडीए और अन्य संबंधित पक्षों से चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा था। याचिकाकताओं में से एक ने दावा किया कि उसकी संपत्ति, खसरा नंबर 279 में होने के बावजूद, पीएम-उदय योजना के तहत योग्य थी। 11 जून को, हाई कोर्ट ने आप विधायक अमानतुल्ला खान द्वारा तोड़फोड़ को लेकर दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) में कोई राहत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा था कि इस तरह की जनहित याचिका में सामान्य सुरक्षा आदेश पारित करने से व्यक्तिगत मुकदमों पर बुरा असर पड़ सकता है। 7 मई को, सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए को खसरा नंबर 279 में अनाधिकृत ढांचों को गिराने का आदेश दिया था। यह भूमि ओखला गांव में मुरादी रोड के किनारे लगभग 2.8 बीघा या 0.702 हेक्टेयर होने का अनुमान है।

तरुण मित्र परिषद में अशोक जैन बने अध्यक्ष, मनोज कुमार जैन महामंत्री निर्वाचित

उन्नचासवीं वार्षिक सभा में सम्पन्न हुए द्विवार्षिक निर्वाचन, नई कार्यकारिणी का गठन

प्रात: किरण . मनोज जैन

नई दिल्ली,अखिल भारतीय संस्था तरुण मित्र परिषद की उन्नचासवीं वार्षिक सभा में सम्पन्न हुए दो वर्षों के लिए निर्वाचन में अशोक जैन को अध्यक्ष और निगम पार्षद श्री मनोज कुमार जैन को महामंत्री पद के लिए सर्वसम्मति से चुना गया। यह निर्वाचन संस्था के लक्ष्मी नगर स्थित कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। नवगठित कार्यकारिणी में अशोक कुमार जैन को उपाध्यक्ष, आलोक जैन को सह सचिव, राकेश जैन को संगठन सचिव तथा अजय जैन को कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया। साथ ही कमल मेहरोत्रा, महेश जैन, पी. के. जैन, फूलचंद जैन, राम औतार शर्मा, राम किशोर शर्मा, रविंद्र कुमार जैन, समकित जैन और विनीत शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। निर्वाचन अधिकारी प्रताप जैन ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संस्था के सेवा और सहयोग के उद्देश्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि परिषद का मूल ध्येय समाज सेवा, शिक्षा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाना है, जिसे सभी को समर्पण भाव से निभाना चाहिए। महामंत्री पद की शपथ लेने के उपरांत मनोज कुमार जैन ने कहा – ह्वमैं तरुण मित्र परिषद को नई ऊँचाइयों पर पहुंचाने, समाज में सकारात्मक चेतना लाने तथा जरूरतमंद बच्चों की सहायता और शिक्षा में सहयोग के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।ह्व उनके इस संकल्प का सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई की रस्मः एक सड़क, कुछ मिनट, और ट्रक भर वापसी

शाहदरा जिले के कृष्णा नगर में लाल क्वार्टर की में रोड पर विभाग की एकतरफा कार्रवाई, बाकी क्षेत्र नजरअंदाज

प्रात: किरण . मनोज जैन

सोमवार दोपहर करीब 12 बजे शाहदरा जिले के अंतर्गत आने वाले कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र में स्थित लाल क्वार्टर की रोड पर शाहदरा साउथ स्वास्थ्य विभाग की टीम अचानक पहुँची। टीम ने बेहद तेजी से कुछ रेडी-पटरी वालों का सामान उठाया, ट्रक में भर लिया और कुछ ही मिनटों में वहां से लौट गई। कार्रवाई इतनी फुतीर्ली थी कि लोग समझ भी नहीं पाए कि ये क्या हो रहा है। कोई चेतावनी नहीं, कोई संवाद नहीं, सिर्फ सामान उठा और ट्रक चल पड़ा। इस पूरी कार्रवाई का सबसे हैरान करने वाला पहलू यह रहा कि टीम ने सिर्फ एक ही सड़क को चुना, वहीं ट्रक रोका, वहीं कार्रवाई की और बाकी पूरे क्षेत्र को जैसे जान-बूझकर नजरअंदाज कर दिया। न आस-पास की गलियों में कोई निगरानी, न किसी और हिस्से में गतिविधि। स्थानीय दुकानदारों का सवाल है – ह्वक्या स्वास्थ्य विभाग की नजर में केवल यही एक सड़क है? ऐसे में यह सवाल और भी बड़ा हो जाता है कि क्या स्वास्थ्य विभाग का एकमात्र सक्रिय कार्य सिर्फ ट्रक भरकर लौट जाना ही रह गया है? जबकि विभाग का उद्देश्य है – बीमारियों की रोकथाम, टीकाकरण, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, और जनजागरूकता। लेकिन लोगों का कहना है कि इस टीम को कभी भी इन असली ज़िम्मेदारियों में देखा ही नहीं गया। जनता अब तंज कस रही है कि ह्वजहां बाकी विभाग ज़िंदगियाँ बचाते हैं, हमारा स्वास्थ्य विभाग बस रोजी रोटी उठाकर ले जाता है।ह्व छुट्टी के दिन की गई यह एकतरफा कार्रवाई यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या वास्तव में यह स्वास्थ्य सेवा है, या सिर्फ दिखावे की कार्रवाई की रस्म? जवाबदेही की मांग अब खुले रूप में उठने लगी है।

इग्नू ने शुरू किया बीए होम साइंस में दाखिला

नई दिल्ली,। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के स्कूल ऑफ कंटीन्यूइंग एजुकेशन ने जुलाई 2025 सत्र से चार वर्षीय अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम के तहत बीए होम साइंस पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। यह कार्यक्रम ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग प्रणाली में संचालित होगा और नई शिक्षा नीति 2020 तथा यूजीसी की रूपरेखा के अनुरूप तैयार किया गया है। इग्नू से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह बहु-विषयक पाठ्यक्रम मानव विकास, पारिवारिक अध्ययन, खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, वस्त्र एवं परिधान विज्ञान और विस्तार शिक्षा जैसे क्षेत्रों में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देगा। साथ ही, यह सामाजिक जरूरतों और रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कौशल आधारित प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराएगा। इसके लिए अभ्यर्थी को 10 2 या समकक्ष उत्तीर्ण होना आवश्यक है। यह कोर्स हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है। इसकी न्यूनतम अवधि 3 वर्ष तथा अधिकतम अवधि 6 वर्ष है। 120 क्रेडिट के कोर्स का वार्षिक शुल्क 5000 रुपये प्रति वर्ष है। अभ्यर्थी इसकी पाठ्य सामग्री डिजिटल और प्रिंट दोनों माध्यमों से प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में विभिन्न एक्जिट विकल्प भी दिए गए हैं। अभ्यर्थी चाहते तो पहले वर्ष के बाद अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट, दूसरे वर्ष के बाद डिप्लोमा, तीसरे वर्ष के बाद बीए, और चौथे वर्ष के बाद बीए ऑनर्स की उपाधि प्राप्त कर सकता है। पाठ्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी व आवेदन के लिए अभ्यर्थी इग्नू के पोर्टलँ३३स्र२://ॅल्लङ्ग४ॅ२२ङ्गल्ल.२ि१३ँ.ॅि.ल्ल को देख सकता है।

मुख्यमंत्री से मिली चेयरपर्सन शशि जैन विकास के मुद्दों पर की अहम बात

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। पालिका अध्यक्ष शशि जैन प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर नगर पालिका परिषद अमरोहा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं से अवगत करवा कर उनके समाधान सहित जनहित के अन्य कार्यों/योजनाओं की स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका अध्यक्ष शशि जैन द्वारा बताया कि लखनऊ मे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ मे भेंट की गयी। जिसके अंतर्ग मुख्यमंत्री जी के कुशल एवं सफल नेतृत्व मे प्रदेश के सवार्गीर्ण विकास हेतु बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने अमरोहा नगर के लिए उनके द्वारा करवाये गए कार्यों का धन्यवाद देते हुए नगर की अन्य समस्याओ से अवगत करवाया गया। अमरोहा नगर के रेलवे स्टेशन से शमशान व कब्रिस्तान की ओर जाने के लिए अंडरपास बनाएं जाने की माँग। पालिका क्षेत्र मे वर्ष 2014-15 मे त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत नगर के कांठ रोड से बान नदी की ओर जाने वाला नाला जो सी. एन्ड. डी एस द्वारा बनवाया जा रहा था तथा काफी वर्षो से उक्त कार्य रुका हुआ हैं उक्त कार्य हेतु कार्यदाई संस्था संस्था द्वारा योजना को पुनः आरम्भ किये जाने हेतु पुनरीक्षित प्राक्कलन। 1654.91लाख हैं की जनहित मे स्वीकृति प्रदान करने।तहसील मे वर्तमान मे संचालित उप निबंधक कार्यालय (रजिस्ट्री कार्यालय) जिसको नवीन कलेक्ट्रेट अमरोहा के पास स्थानतरित किया जा रहा हैं को जनहित मे नवीन तहसील परिसर गुलड़िया मे स्थानतरित करने। नगर पालिका परिषद अमरोहा के वर्तमान क्षेत्र व नव सम्मिलित क्षेत्र मे व्यापक विकास कार्य यथा सडक, सफाई, जलापूर्ति, मार्ग प्रकाश, नगरीय सौन्दर्य करण, पार्को, ओपन जिम, लाइब्रेरी आदि कार्यों को करवाये जाने। नगर के कूड़े के निस्तारण हेतु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत बड़े ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना सहित अमरोहा पालिका क्षेत्र को सुन्दर व विकसित बनाये जाने हेतु विभिन्न मांगे की गयी साथ ही नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा मा. मुख्यमंत्री जी के आशीर्वाद से *वंदन योजना* चयन उपरांत नगर के प्रमुख तीर्थ स्थल श्री वासुदेव जी पर नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा कराये गए सौन्दर्यकरण कार्य के उद्घाटन हेतु न्योता दिया गया, जिस पर मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा अमरोहा आगमन की सहमति व्यक्त की गयी। मुख्यमंत्री जी से भेंट के समय पालिका अध्यक्ष के दोनों पुत्र वरिष्ठ भाजपा नेता अखिल जैन व निखिल जैन भी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर शाहदरा डीसीपी कार्यालय में समीक्षा बैठक

सांसद मनोज तिवारी और डीसीपी प्रशांत गौतम के बीच कानून-व्यवस्था व यात्रा मार्गों पर सुरक्षा तैयारियों पर गहन मंथन

प्रात: किरण . मनोज जैन

शाहदरा जिले में आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की समीक्षा हेतु डीसीपी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सांसद मनोज तिवारी, डीसीपी प्रशांत गौतम, जिले के सभी थाना प्रभारी, एसीपी, ट्रैफिक अधिकारी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य यात्रा मार्गों को अतिक्रमण मुक्त, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाना था। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया शाहदरा जिले के प्रमुख मार्गों से होकर दिल्ली के मंदिरों में जल चढ़ाने तथा हरियाणा की दिशा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुजरते हैं। सांसद मनोज तिवारी ने अधिकारियों से कहा कि यात्रा के दौरान विशेष रूप से तेजगति से चलने वाली डाक कांवड़ के कारण सावधानी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की गलियों, चौराहों और मुख्य मार्गों पर पूरी सतर्कता बरती जाए ताकि कहीं कोई अव्यवस्था या बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने प्रशासन को आश्वस्त करते हुए यह भी कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान यदि किसी भी स्तर पर प्रशासन को संसाधनों या सहयोग की आवश्यकता पड़ी, तो सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। डीसीपी प्रशांत गौतम ने जानकारी दी कि यात्रा मार्गों पर अतिक्रमण हटाने, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सीसीटीवी कैमरे सक्रिय करने, और संवेदनशील स्थलों पर पैदल गश्त बढ़ाने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। ट्रैफिक पुलिस को भी यह निर्देश दिए गए हैं कि वे यात्रा मार्गों पर वैकल्पिक रूट डायवर्जन की ठोस योजना बनाकर उसे कड़ाई से लागू करें, ताकि आमजन को भी यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने यह भी बताया कि फील्ड लेवल पर समन्वय के लिए निरीक्षण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान यदि किसी भी प्रकार का उल्लंघन, लापरवाही या गड़बड़ी पाई गई तो संबंधित विभागों और व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी विभाग एक दूसरे से समन्वय बनाकर कार्य करेंगे और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बल की तैनाती, बैरिकेडिंग तथा चिकित्सा व जल व्यवस्था की योजना पर भी काम किया जाएगा। प्रशासन का प्रयास है कि शाहदरा जिला कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, शांति और सुव्यवस्था का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करे।

डीयू ने स्नातक में दिया दो भाषाएं चुनने का विकल्प

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय ने स्नातक दाखिला को सरल बनाने के लिए कई उपाय किए हैं। डीयू के एक अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष एनटीए द्वारा प्रस्तावित विषयों की सूची में परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अधिकांश कार्यक्रमों के लिए अपनी पात्रता शर्तों को संशोधित किया है। अधिकांश कार्यक्रमों में दोहरी पात्रता होती है, जिसमें उम्मीदवार एक भाषा तीन विषय या दो भाषाएं और दो विषय चुन सकते हैं। इनमें से सर्वश्रेष्ठ स्कोर पर विचार किया जाएगा। इसी प्रकार, बीएससी (ऑनर्स) कार्यक्रमों के लिए सीयूईटी में भाषाओं में कम से कम 30 फीसदी अंक प्राप्त करने की अनिवार्यता को हटा दिया गया है। अब इसमें उत्तीर्ण होना जरूरी है। डीयू की डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी का कहना है कि यूजी का पहला फेज चलता रहेगा। सीयूईटी का परीक्षा परिणाम आने के बाद से डीयू दाखिला के कॉमन सीट अलोकेशन सिस्टम का दूसरा चरण शुरू होगा। उनका कहना है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के रेगुलर कॉलेजों में दाखिला सीयूईटी के स्कोर्स के माध्यम से किया जाएगा। ज्ञात हो कि डीयू अपने 69 कॉलेजों के माध्यम से 79 स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश देगा। डीयू 186 बी.ए. प्रोग्रामों का संयोजन के साथ डीयू यूजी दाखिलों के लिए विश्वविद्यालय कॉलेजों में 71,624 सीटों पर दाखिला देगा। डीयू ने आसान की दाखिले की प्रक्रिया, छात्रों को मिलेगा डैशबोर्ड दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस वर्ष दाखिला प्रक्रिया को और सरल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल को इस तरह अनुकूलित किया गया है कि उम्मीदवारों को कटऑफ समेत सारी जरूरी जानकारी उनके पर्सनल डैशबोर्ड पर उपलब्ध हो जाएगी। अब छात्र अपने कक्षा 12वीं और 10वीं के अंकों में कोई गलती न करें, इसके लिए अंक दर्ज करते समय जांच आधारित व्यवस्था भी जोड़ी गई है। साथ ही आईएफएससी कोड, पिन कोड जैसी सूचनाओं में भी त्रुटियों से बचाव के लिए ऑटो चेकिंग सिस्टम लागू किया गया है। एक और बड़ा बदलाव यह है कि उम्मीदवार के डैशबोर्ड पर केवल वही प्रोग्राम और कॉलेज विकल्प दिखाई देंगे, जिनके लिए वह पात्र है। इससे विकल्प चुनने की प्रक्रिया अब अधिक सटीक और सुगम हो जाएगी। सामान्य टेस्ट की मैपिंग की अब आवश्यकता नहीं है केवल सीयूईटी पेपर का कक्षा 12वीं के विषयों से मिलान ही जरूरी होगा। यदि किसी छात्र को अपग्रेडेड सीट मिलती है, तो अब वह ऑटोमैटिकली स्वीकार हो जाएगी और संबंधित कॉलेज को आवेदन स्वतः भेजा जाएगा। छात्र को केवल अंतर शुल्क का भुगतान करना होगा। साथ ही, यदि कोई छात्र दाखिला वापस लेता है, तो पांच कार्यदिवस के भीतर उसकी फीस वापस कर दी जाएगी। अब सभी कॉलेज यह देख सकेंगे कि दूसरे कॉलेज ने किन दस्तावेजों की मांग की है, जिससे छात्रों को बार-बार दस्तावेज अपलोड नहीं करने पड़ेंगे।

कार से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत, साथी गंभीर घायल

प्रात: किरण संवाददाता

हसनपुर। संभल मार्ग पर रविवार देर शाम सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर घायल हो गया। दोनों जोया से संभल जा रहे थे, कपासी चौकी के पास हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घायल का उपचार मुरादाबाद के निजी अस्पताल में चल रहा है। मामले में कार नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जानकारी के मुताबिक संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के गांव मनोटा निवासी रमेश कुमार का 23 वर्षीय बेटा जितेंद्र कुमार रविवार देर शाम अपने साथी पुष्पेंद्र सिंह निवासी बड़ा मंदिर सैनी धर्मशाला पाकबड़ा के साथ बाइक पर सवार होकर जोया से घर लौट रहा था।

भक्तों के घर भी सांवरे आते रहा करो जैसे भजनों पर झूमे भक्तगण

प्रात: किरण संवाददाता

मंडी धनौरा।रविवार को नगर के मौहल्ला टीचर कॉलोनी स्थित श्री नवदुर्गा शिव मंदिर में श्री खाटु श्याम मित्र मंडल द्वारा कृष्ण पक्ष की योगिनी एकादशी पर 297वीं पवित्र ज्योति प्रज्वलित कर श्याम बाबा का भव्य संकीर्तन किया गया। इस दौरान बाबा श्याम का फूलों से श्रृंगार किया गया। जिसमे भजन गायक दीपक शर्मा नेह्व भक्तों के घर भी सांवरे आते रहा करो, भजन गायक अर्पित कौशिक ने छोड़ दे चिंता यार सांवरिया बैठा है भजन गायक मीनू शर्मा ने फरियाद मेरी बाबा सुनते ही चले आना ह्वभजन गायक लक्की अग्रवाल ने तेरे दर पे आ गया हूं आना तो काम था मेरा भजन गायक कृष वर्मा ने किस्मत वालो को मिलता है श्याम तेरा दरबार, भजन गायक देव शर्मा ने दिल की हर धड़कन से तेरा नाम निकलता है, भजन गायक शौर्य मित्तल ने मुसीबत आने से पहले मेरा श्याम आता है जैसे भजन सुनकर भक्त झूमने पर मजबूर हो गए। व बाबा श्याम के जयकारों से मन्दिर प्रांगण गूंज उठा। सेवादार दीपक शर्मा ने सभी भक्तों को कोरोना जैसी महामारी से दूर रखने को अर्जी लगा कर मोरछड़ी का झाड़ा लगाया। तत्पश्चात बाबा श्याम की आरती के बाद बाबा को खीर चूरमे का भोग लगा कर सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर पराग, अंकित, पूनम, सर्वेश शर्मा, सुमन, राजकुमार, सुमित शर्मा, नीरज रस्तौगी, हर्ष, सुशीला, ज्योति, पीतम सिंह, विशाल, राखी सहित आदि भक्तगण मौजूद रहे।

बैठक में उठाई किसानों की समस्याएं

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा।भारतीय किसान यूनियन लोकहित पदाधिकारियों की मासिक बैठक सोमवार को नौगावां सदात तहसील परिसर में संपन्न हुई। किसानों ने बिजली अफसरों पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। समय पर उपभोक्ताओं के बिल न निकालने व अधिक बिल होने पर मुकदमे दर्ज किए जाने पर रोष जताया। एसडीओ नौगावां सादात ने किसानों की समस्याओं को सुनते हुए निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान संगठन जिलाध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार, अनुज यादव, धर्मवीर चौधरी, सोमपाल यादव, अजमेर, राजीव त्यागी आदि मौजूद रहे।

इंसान को बुराई से बचाती है नमाज : कल्बे जव्वाद

प्रात: किरण संवाददाता

नौगावां सादात।नगर के इमामबारगाह पीर जी मुस्तकीम अली में मरहूम मुब्बसिर हुसैन रिजवी के चेहलुम के ईसाले सवाब के सिलसिले से मजलिस का आयोजन हुआ। सोजख्वानी डा.लईक हैदर व हमनवा ने की। मजलिस को लखनऊ से तशरीफ लाए मौलाना सैय्यद कल्बे जव्वाद नकवी ने खिताब किया। उन्होंने कहा कि अल्लाह ने नमाज कायम करने और जकात देने का हुक्म दिया है। कुरान में आयत मौजूद है कि ए ईमान वालो-अल्लाह की, अल्लाह के रसूल की और रसूल के एहलेबैत की इताअत करो। जो अल्लाह कहें या रसूल कहें या एहलेबैत कहें, उस पर अमल करो। नमाज की सबसे ज्यादा ताकीद इसलिए की गई है कि इंसान बुराइयों से बच सके।नमाज दीन का सुतून और मोमिन की मेराज है। जिसकी नमाज कबूल हो गई, उसकी सारी इबादतें कबूल हो गईं। मौलाना ने कार्यक्रम के आखिर में कर्बला के शहीदों का भी जिक्र किया, जिसे सुनकर लोग गमगीन हो गए। इस दौरान खासी तादाद में लोग मौजूद रहे।

बीटेक में विकल्प चयन का अंतिम दिन आज

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। आईपीयू में बीटेक प्रोग्राम में जेईई मेन पेपर वन 2025 स्कोर के जरिए प्रवेश के लिए जिन उम्मीदवारों ने 2500 रुपये आवेदन शुल्क के रूप में जमा करवाए हैं वह 24 जून तक विकल्प चयन कर सकते हैं। इस प्रोग्राम के लिए आयोजित की जा रही प्रथम दौर की ऑनलाइन काउंसलिंग में सीट आवंटन के लिए विकल्प चयन अनिवार्य है। इस प्रोग्राम की प्रथम ऑनलाइन काउंसलिंग का परिणाम 25 जून को आएगा। इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी यूनिवर्सिटी की दोनों वेबसाइट ६६६.स्र४ू.ल्ल और ६६६.स्र४.पर उपलब्ध है ।

आईपीयू में बीटेक में विकल्प चयन का अंतिम दिन आज

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी दिल्ली (आईपीयू) में बी. टेक प्रोग्राम (कोड 131) में जेईई मेन पेपर वन 2025 स्कोर के जरिए प्रवेश के लिए जिन उम्मीदवारों ने पचीस सौ रुपये आवेदन शुल्क के रूप में जमा करवाए हैं वह 24 जून तक विकल्प चयन कर सकते हैं। इस प्रोग्राम के लिए आयोजित की जा रही प्रथम दौर की ऑनलाइन काउंसलिंग में सीट आवंटन के लिए विकल्प चयन अनिवार्य है। इस प्रोग्राम की प्रथम ऑनलाइन काउंसलिंग का परिणाम 25 जून को आएगा। इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी यूनिवर्सिटी की दोनों वेबसाइट पर उपलब्ध है ।

जलभराव की समस्या पर सरकार गंभीर नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली,।दिल्ली कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जलभराव को लेकर भाजपा सरकार गंभीर नहीं है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि सरकार के ढुलमुल रवैये के कारण दावे से कहा जा सकता है कि दिल्ली में इस बार भी जलभराव की भीषण समस्या होगी। उन्होंने कहा कि राजधानी में जलभराव वाले स्थान 375 से बढ़कर 410 हो गए हैं। इनमें से 71 स्थान अतिसंवेदनशील हैं। यानी यहां पर भारी जलभराव होता है। यादव ने कहा कि बढ़ते हॉट स्पाट से साबित होता है कि आप सरकार के दौरान जलभराव की त्रासदी और मौतों से भाजपा सरकार ने कोई सबक नहीं लिया है।

जिले भर मे 15 लाख 60 हजार पौधारोपण किए जाने का लक्ष्य

● साप्ताहिक समीक्षा बैठक जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा सोमवार को संग्रहालय सभागार में सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक किया गया। बैठक में उन्होंने सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि आप सभी समय का अनुपालन करें और जो भी पत्र आप तक जाए उसे हर हाल में पढ़ें और उस अनुसार तत्संबंधी कार्रवाई कर अद्यतन प्रतिवेदन के साथ बैठक में उपस्थित रहें। लापरवाह न बनें, मेहनत करें और प्रत्येक संचिका का उचित संधारण कर लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाएं। बैठक में नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उपविकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, एडीएम पीजीआरओ, सिविल सर्जन सहित सभी विभाग के अधिकारी के उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को अपने कार्यालय में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि आगामी मॉनसून माह के दौरान जिले भर में लगभग 15 लाख 60 हजार पौधारोपण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें मनरेगा से 2 लाख 30 हजार, जीविका से एक लाख 35 हजार, शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विद्यालयों में लगभग 12 हजार सहित अन्य विभागों द्वारा पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे सभी अधिकारी गंभिरता से लेंगे और निर्धारित समय सीमा के अंदर सभी अपने अपने क्षेत्रांतर्गत पौधारोपण कराना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने सभी वरीय पदाधिकारियों से कहा कि आप सभी प्रत्येक सप्ताह किसी एक कार्यालय का निरीक्षण करें तथा उससे संबंधित निरीक्षण प्रतिवेदन साप्ताहिक बैठक में उपलब्ध कराएं। आगत पंजी के अवलोकन तथा उसके संधारण की भी समीक्षा करें। निरीक्षण के दौरान कार्यालय के साथ कर्मियों के लिए बने लॉगबुक की जांच करेंगे। उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों से भी कहा कि आप सभी प्रत्येक सप्ताह के लॉगबुक को सीन करें और जरूरी पत्रों को संचिका में उपस्थापित कर उस पर तत्संबंधी कार्रवाई का प्रतिवेदन साप्ताहिक बैठक के रिपोर्ट में अद्यतन कराएं। इसे गंभिरता से लें और कोई लापरवाही नहीं बरतें, प्राप्त आवेदनों का ससमय निष्पादन कराएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक साप्ताहिक बैठक में आरटीआई, मानवाधिकार, जन शिकायत, लोकायुक्त, सीएम डैशबोर्ड, लोक शिकायत आदि विभागों में प्राप्त आवेदनों के लंबित स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीडब्लजेसी तथा एमजेसी के लंबित मामलों के निष्पादन में हर हाल में तेजी लाएं। प्रत्येक सप्ताह की समीक्षा बैठक में इनमें निष्पादन की संख्या का अवलोकन किया जाएगा, जिन विभाग/कार्यालय द्वारा निष्पादन में कमी देखी जाएगी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लिपिकों, राजस्व कर्मचारियों, जनसेवकों पर विभागीय कार्रवाई की गयी अनुशंसा के लंबित मामलों पर भी उन्होंने कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम डैशबोर्ड, सीपीग्राम में अधिक लंबित मामलों पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय से कहा कि पुलिस विभाग के विभिन्न थानों में सीएम डैशबोर्ड के कई मामले लंबित हैं, उसे तत्काल निष्पादन कराने की दिशा में कार्रवाई करें। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में विगत दिनों हुए महिला संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विभागों को भेजे गए ममलों से संबंधित अनुपालन प्रतिवेदन की भी समीक्षा की गयी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों द्वारा दिए गए प्रतिवेदन पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि निष्पादन की गति धीमी है, उस पर कार्रवाई करें।माननीय मुख्यमंत्री स्वयं इसकी समीक्षा कर रहे हैं, इस लिए इसे गंभिरता से लें। कृषि विभाग के लंबित आवेदनों पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कृषि पदाधिकारी को त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा श्रावणी मेला के दौरान कांवरिया मार्ग में पड़ने वाले सड़कों की स्थिति को लगातार मॉनिटरिंग करने तथा समस्याओं के त्वरित निष्पादन के भी निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न विभागों में लंबित पड़े विद्युत विपत्र की राशि को तत्काल भुगतान करने का निर्देश दिया।

डीएम की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

● सरकार की योजनाओं के बारे में जिला प्रशासन के आधिकारिक फेसबुक पेज पर फेसबुक लाइव के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का निर्देश

लखीसराय !जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक में किसी भी विभाग का अन्य विभागों से समन्वय से संबंधित मामलों का निष्पादन किया जाता है। जिला स्तरीय पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि सरकार की योजनाओं के बारे में जिला प्रशासन के आधिकारिक फेसबुक पेज पर फेसबुक लाइव के माध्यम से लोगों को जागरूक करें। स्वास्थ्य विभाग का मूक बधिर बच्चों हेतु हियरिंग एड योजना हेतु सहायक निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग से समन्वय स्थापित करने का निदेश दिया गया।

विभिन्न विभागों के पुरानी गाड़ियों के डिस्पोजल से संबंधित मामले हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी से समन्वय हेतु निदेश दिया गया। लखीसराय जिला अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों का लफ्टर ेस्त्र'ङ्कटी मैपिंग से संबंधित समीक्षा की गई, एवं जिस कार्यालय का ेस्त्र'ङ्कटी स्त्रस्त्रल्लॅ का कार्य हो गया है उनको बधाई दिया गया, एवं जिन ऑफिस का कार्य पूर्ण नहीं हुआ उनको निदेश दिया गया कि जल्द ही मैपिंग का कार्य पूर्ण किया जाए। महिला संवाद कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का निपटारा जल्द से जल्द किए जाने का निदेश सभी संबंधितों को दिया गया। विभिन्न कार्यालयों एवं विभागों के द्वारा जमीन की मांग एवं ठडउ से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग में नए विद्यालय के निर्माण हेतु जमीन की उपलब्धता, प्रत्येक प्रखंड में डिग्री कॉलेज निर्माण हेतु जमीन की उपलब्धता आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण हेतु जमीन उपलब्धता की समीक्षा की गई। जमीन की उपलब्धता हेतु सम्बंधित पदाधिकारी को अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर उसका निष्पादन करने का निदेश दिया गया। आज की बैठक में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मुकुल पंकज मणी, अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर कुमार भूमि सुधार उप समाहर्ता सीतू शर्मा, उप निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार, वरीय उपसमाहर्ता शशि कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा ओम प्रकाश सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी विनोद प्रसाद, जिला खेल पदाधिकारी श्री रवि कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुश्री प्राची कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री यदुवंश राम, निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण नीरज कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी राजीव रंजन, पुलिस उपाधीक्षक साइबर के साथ अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

काला बिल्ला लगा समाहरणालय के लिपिक चरणबद्ध तरीके से आंदोलनरत

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार अनुसचिवीय कर्मचारी संघ संबद्ध बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के15 जून को राज्य कार्यकारिणी के बैठक के निर्णयानुसार पुरे बिहार के समाहरणालय के लिपिक संवर्ग के कर्मचारी अपने मांगों को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेंगे। जिसमें आज 23 से 25 जून तक काला बिल्ला लगाकर कर काम करेंगे। समाहरणालय संवर्ग के लिपिक संवर्ग में निम्न वर्गीय लिपिक को 2800 ग्रेड पे, उच्च वर्गीय लिपिक को 4200ग्रेड पे, प्रधान लिपिक को 4800 और सहायक प्रशासी पदाधिकारी को 5400 ग्रेड पे की मांग किए हैं। साथ ही समाहरणालय के कर्मचारियों का राज्यस्तरीय संवर्ग से मुक्त रखा जाए। सामुहिक बीमा के राशि को पचास लाख किया जाए। पुराना पेंशन योजना लागू किया जाए। इत्यादि मांगो को लेकर समाहरणालय के लिपिक चरणबद्ध तरीके से आंदोलनरत रहेंगे। महासंघ के अध्यक्ष प्रभात कुमार सिंह, समाहरणालय संघ के अध्यक्ष रमन कुमार, मंत्री समरेंद्र सिंह, सुरज कुमार, बलराम पासवान, प्रियंका भारती, सतीश, बमबम झा सहित सभी प्रशाखा प्रखंड के कर्मचारी काला बिल्ला लगाकर काम किए।

प्रत्याशी के घर से नाग सांप का वनकर्मियों ने रेस्क्यू किया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। हवेली खड़गपुर अनुमंडल के नगर परिषद वार्ड संख्या 12 के प्रत्याशी संगीता देवी के मकान से नाग सांप का रिस्क्यु शनिवार की रात के करीब एक बजे वनरक्षकों के द्वारा किया गया । वनरक्षक हैदर अली ने प्रेस को बताया कि फॉरेस्टर रंजन कुमार सर के मोबाइल पर सूचना मिला कि नगर परिषद वार्ड संख्या 12 के निवासी प्रत्याशी संगीता देवी के मकान के अंदर एक कमरा में विषैला सांप निकल आया है सूचना मिलते ही हम लोग फॉरन रेस्क्यू टीम के साथ वार्ड 12 के प्रत्यक्ष संगीता देवी के घर पहुंचे और फोरी कार्रवाई करते हुए विषैला नाग सांप को पकड़ लिया और डिब्बे में बंद कर लिया । वनरक्षी ने बताया कि इस सांप को गंगटा थाना क्षेत्र के भीम बांध जंगल में छोड़ दिया जाएगा। इधर प्रत्याशी संगीता देवी ने बताई कि मेरा बेटा गोलू कुमार उसी कमर में सोया था जहां विषैला सांप निकला है उन्होंने बताई कि रात करीब 12:00 बजे विषैला सांप कमरे में घुस आया उसके फन की आवाज से घर के सभी सदस्य उसे कमरे तक पहुंचा जहां सांप निकला हुआ था । उन्होंने बताया कि अभी चुनाव का माहौल है इसलिए घर के सभी सदस्य जाग रहे थे सांप के निकलने से सभी लोग भयभीत हो गया । इस मौके पर समर्थक कुमार राज उर्फ मुरारी राजाराम पत्रकार सदानंद नायक पूर्व वार्ड पार्षद रूबी देवी आनंद कुमार सहित अन्य लोग मजूद थे।

स्वाधीनता पार्टी ने रैली निकालकर धूमधाम से मनाया द्वितीय स्थापना दिवस

सहरसा सुपौल मधेपुरा एवं खगड़िया के सभी 17 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में सामाजिक नव निर्माण स्वस्थ और शिक्षित समाज, बुजुर्गों का सम्मान महिलाओं का उत्थान एवं बिहार को एक नई पहचान दिलाने के लिए स्वाधीनता पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ेगी। साथ ही सहरसा मधेपुरा सुपौल एवं खगड़िया के सभी 17 सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ेगी। साथ ही स्वाधीनता पार्टी अति पिछडे दलित एवं बनिया वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित होकर काम कर रही है। उक्त बातें स्वाधीनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमर शंकर प्रभात ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। स्वाधीनता पार्टी के द्वितीय स्थापना दिवस पर शहर के पूरब बाजार से स्वाधीनता रैली निकाली गई। जिसका समापन कार्यक्रम स्थल प्रेक्षागृह में सभा के रूप मे परिणत हुई। श्री शंकर ने कहा कि स्वाधीनता पार्टी बिहार विधानसभा का चुनाव मजबूती से एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बिहार के लगभग 50 सीटों पर पार्टी अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी ने इमामगंज चुनाव का उपचुनाव लड़ा जिसमें बेहतर प्रदर्शन रहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने कहा कि कोशी इलाका सदा से उपेक्षित रहा है जिसके कारण यह क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ है। वही क्षेत्र में उद्योग कल कारखाने नहीं रहने के कारण भारी संख्या में लोगों का पलायन हो रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रधान कार्यालय सहरसा को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सहरसा मधेपुरा खगड़िया सुपौल के सभी 17 सीटों पर विधानसभा में अपने प्रत्याशी खड़ा करेगी। इस मौके पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजीव कुमार एवं क्षेत्रीय प्रतिनिधि कृष्ण कन्हैया, त्रिवेणीगंज प्रखंड के मुखिया किरण देवी, मुखिया प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर ने कहा कि देश की आजादी में भामाशाह का बहुमूल्य योगदान रहा है लेकिन आजादी के बाद राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में बनिया वर्ग को सदैव दरकिनार किया गया है।हमारी जनसंख्या अधिक रहने के बावजूद प्रजातांत्रिक व्यवस्था में कोई भी उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है।उन्होंने कहा कि बनिया वर्ग में राजनीतिक जागरूकता का काफी अभाव है। जिसके कारण यह वर्ग सत्ता की भागीदारी से अब तक वंचित रहा है। स्वाधीनता पार्टी इन्हीं उपेक्षित वर्गों को साथ लेकर चुनाव में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगी। इस मौके पर मुन्नी देवी, पूजा शंकर, मन्नू कुमार, कार्यक्रम संचालक मिथुन महुआ, विजय आनंद, सुनील कुमार, जयकुमार सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

प्रखंड सहित पंचायत स्तरीय आपदा प्रबंधन निगरानी कमिटी का गठन किया

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। अंम्बेदकर भवन के सभागार में अंचलाधिकारी रविना गुप्ता के अध्यक्षता मे प्रखंड व पंचायत अपदा प्रबंधन निगरानी कमिटी के गठन किया गया। बाढ के समय प्रखंड स्तर पर प्रखंड के सभी पदाधिकारियों को प्रखंड मुख्यालय पर से निगरानी के साथ साथ जिम्मेदारी दी गई है कि आप अपने अस्तर से समय निगरानी करेंगे वही पंचायत निगरानी कमिटी के सदस्य के रुप वार्ड सदस्यों के साथ साथ पराजित मुखिया व पंचायत समिति के सदस्यों का अहम भूमिका रहेगी।इस संम्बन्ध में अंचलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि तमाम सदस्यों के देख रेख मे सभी प्रकारो के कार्य संपादन किया जायेगा। बाढ आने के पुर्व आप अपना सुची अंचल कार्यालय को जमा कर देगे। आप तमाम मुखिया व वार्ड सदस्यों के द्वारा चिन्हित कर बाढ के पूर्व ही सुची में निरीह लोगों के नाम के सामने गृह विहिन व फुश के घरों को चिन्हित कर हमे अबगत करेंगे जिससे जिला अपदा प्रबंधन बिभाग से हमे मॉग रखने का अबसर मिल सके। इस अबसर पर उपस्थित अंचल नाजीर संजय कुमार, प्रखंड नाजीर कृष्ण कुमार, जदयु प्रखंड अध्यक्ष मिथलेश कुमार मंडल, श्रम प्रर्वतन पदाधिकारी दिलिप कुमार झा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा अनील कुमार सिन्हा, करहरिया पच्शिमी पंचायत के मुखिया अशोक कुमार मंडल,झोवा बहियार पंचायत के मुखिया चन्दशेखर रजक,करहरिया पुर्वी पंचायत के मुखिया नंन्द लाल मंडल, पड़िया पंचायत के मुखिया सरिता कुमारी, पड़िया पंचायत के उप मुखिया संतोष कुमार,बरियारपुर दक्षिणी पंचायत के उप मुखिया करण कुमार साह,पंचायत समिति सदस्य मुकेश कुमार सिह, बरियारपुर उत्तरी पंचायत के उप मुखिया अखलेश कुमार वार्ड सदस्य ललीत नारायण रजक,के साथ अनेक वार्डसदस्य उपस्थित रहे।

जिले के 865 एएनएम नें वेतन भत्ता में बढ़ोतरी की मांग को लेकर किया धरना-प्रदर्शन आयोजित

महिला संविदागत 865 एएनएम के साथ सौतेला व्यवहार अपने आप में घोर आश्चर्य : अर्चना भारती

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के द्वारा संचालित बिहार राज्य संविदागत अरबन 865 एएनएम, संघर्ष समिति के राज्य कमिटी के निर्णयानुसार सोमवार को बिहार राज्य अन्तर्गत सभी सिविल सर्जन के समक्ष चिरलंबित मांगों की पूर्ति के लिए धरना-प्रदर्शन के माध्यम से माँग-पत्र समर्पित किया गया। ज्ञात हो कि सरकार आदर्श नियोजक होता है। समान कार्य का समान वेतन एक सुस्थापित नीति है। बिहार सरकार के द्वारा सरकारी क्षेत्रों में संविदा पर कार्यरत एएनएम को 15000/- (पन्द्रह हजार) रूपया मानदेय मिलता था। राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा नियोजित एएनएम को 12500 रूपया नियुक्ति होने के पूर्व मिला करता था। स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के द्वारा बिहार 865 संविदागत एएनएम को शहरी क्षेत्रों के लिए नियोजित किया गया। जिसको मात्र 11500 रूपया मानदेय मिलता है। फिलहाल राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा संविदा पर नियोजित एएनएम को 35 प्रतिशत मानदेय में बढ़ोतरी किया गया तथा अभी फिलहाल राज्य सरकार के द्वारा आउटसोर्सिंग में कार्यरत कर्मियों को न्यूनतम मजदूरी देने का आदेश निर्गत हुआ है। खेद के साथ सूचित करना है कि संविदागत 865 एएनएम का मानदेय सरकारी स्तर पर नियुक्त एएनएम तथा राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा नियोजित एएनएम से कम है जिसके कारण समान कार्य के बदले समान वेतन के सिद्धांत का उलंघन हो रहा है और सरकार के आदर्श नियोजक होने पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है। अर्चना भारती ने बताया कि मानदेय में विभिन्नता है तो दूसरी तरफ बढ़ती हुई महँगाई को देखते हुए राज्य स्वास्थ्य समिति के भाँति इनके मानदेय में 35 प्रतिशत इजाफा भी नहीं किया जा रहा है। साथ हीं साथ इनके शर्तों में शामिल 05 प्रतिशत के दर से सालाना मानदेय वृद्धि को भी लागू नहीं किया जा रहा है जो विभागीय निष्क्रियता का ज्वलंत उदाहरण है। साथ ही साथ सभी महिला कर्मियों को 02 (दो) दिन का प्राकृतिक अवकाश दिया जाता है उस अधिकार से भी इन संविदागत ए०एन०एम० को बंचित कर दिया गया है। टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य करने वाली अतिकुशल, कुशल, महिला संविदागत 865 एएनएम के साथ यह सौतेला व्यवहार अपने आपमें घोर आश्चर्य का विषय है। आप संवेदनशील पदाधिकारी हैं। हम आपसे अपेक्षा रखते हैं कि पत्र में उठाये गये समस्या का समाधान कर परमयश के भागी बनेंगे अन्यथा बाध्य होकर के कार्य बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सारी जवाबदेही स्वास्थ्य प्रशासन की होगी।

मजदूरों से मारपीट कर ठेकेदार से मांगी पांच लाख की रंगदारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। धरहरा प्रखंड के माताडीह पंचायत अंतर्गत निमियाटांड गांव में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य कर रहे मजदूरों पर रविवार की देर रात हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने हमला कर दिया। अपराधियों ने मजदूरों के साथ बेरहमी से मारपीट की और ठेकेदार से पांच लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। घटना में बेगूसराय जिले के नीरज साव, रंजीत यादव तथा जमुई जिले के चंदन यादव और चांदो राय गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी मजदूर अजीत सिंह कंस्ट्रक्शन कंपनी के लिए पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात करीब 11 बजे दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश अपराधी निर्माण स्थल पर पहुंचे। मजदूरों के पास आते ही अपराधियों ने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद अपराधियों ने ठेकेदार से पांच लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। पैसे नहीं देने पर ठेकेदार और मजदूरों को जान से मारने की धमकी दी। अपराधियों के इरादे इतने खतरनाक थे कि उन्होंने मजदूरों के विरोध करने पर करीब आधा दर्जन राउंड फायरिंग की। गोलियों की आवाज से आसपास के ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया है।घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी जमालपुर की ओर भाग निकले। घायल मजदूरों को इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। धरहरा थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि पीड़ित पक्ष के आवेदन पर मुकदमा दर्ज कर ली गई है। अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।घटना के बाद से मजदूरों और ठेकेदारों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने निर्माण स्थल की सुरक्षा की मांग की है।

राजद द्वारा बाबा साहब के अपमान पर भाजपा नें अम्बेडकर प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिलें में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अंबेडकर चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। यह विरोध धरना उस कथित घटना के विरोध में था, जिसमें राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव द्वारा अपने जन्म दिन के मौके पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की तस्वीर का अपमान किया गया। भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने इसे राष्ट्रनायक बाबा साहब के सम्मान पर सीधा आघात बताया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने लालू यादव के खिलाफ नारेबाजी की और यह मांग की कि वे सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। डॉ. अंबेडकर सिर्फ दलित समाज ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के संविधान निमार्ता हैं, और उनका अपमान पूरे देश का अपमान है। एक तरफ राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं द्वारा दलितों के बीच जाकर दलितों को प्रति झूठी प्रेम दिखता है। दूसरी तरफ दलितों के मसीहा का अपमान इनकी दोहरी मानसिकता को प्रदर्शित करता है। राष्ट्रीय जनता दल हमेशा दलित को अपमानित करने का कार्य किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महामंत्री मनोज यादव, जिला मंत्री पंकज पाठक, मीडिया प्रभारी सुमित कुमार सिन्हा, महिला मोर्चा के अध्यक्षा सुगामनी देवी, कुमार गौरव, नगर पश्चिम के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, संजय कुमार शाह, अभिनव सिंह, छोटू प्रजापति, अखिलेश पांडे, सुशील कुमार, सुजीत कुमार, रोशन गांधी, संतोष गुप्ता सहित अन्य मौजूद थें।

भाजपा नो मनाया डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) मुख्यालय स्थित बूथ अध्यक्ष मंटू भगत के आवास पर भारतीय जनता पार्टी पुरैनी द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यकताओं द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रौशन कुशवाहा ने किया एवं संचालन महामंत्री धर्मेंद्र यादव ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष रौशन कुशवाहा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हमेशा श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा। डॉ. मुखर्जी ने निडर होकर पंडित नेहरू की नीतियों का विरोध किया और वैकल्पिक राजनीति की नींव रखी। उनका यह विचार आज भी भाजपा की प्रेरणा है। धारा 370 को हटाकर और राम मंदिर का पुनर्निर्माण कर प्रधानमंत्री मोदी ने उनके सपनों को साकार किया है। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला मंत्री मनोज सिंह ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पुरोधा बताते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाए रखने के लिए आजीवन संघर्ष किया।

बाल भवन में आयोजित 20 दिवसीय चक धूम धूम समर कैंप का समापन समारोह संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार सरकार, शिक्षा विभाग द्वारा स्थापित संस्था बाल भवन में आयोजित 20 दिवसीय चक धूम धूम समर कैंप का समापन समारोह बड़े ही उत्साह एवं जोश के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर महापौर, नगर निगम बैन प्रिय, कला संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा कुमारी, योगेंद्र योगी तथा मुक्तेश्वर सिंह उपस्थित थे। मुख्य अतिथि का स्वागत किलकारी की परंपरा के अनुसार बच्चों द्वारा तिलक लगाकर तथा हस्तनिर्मित पुष्प गुच्छ देकर किया गया। इस अवसर पर बाल भवन की सजावट बच्चों द्वारा बड़े ही सुसज्जित ढंग से की गई साथ ही चित्रकला व हस्तकला के बच्चों द्वारा कार्यशाला में तैयार पेंटिंग एवं क्राफ्ट की प्रदर्शनी लगाई। जिससे मुख्य अतिथि काफी प्रभावित हुई। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। तत्पश्चात अतिथियों के स्वागत में संगीत विधा के बच्चों ने अपने क्षेत्रीय भाषा में स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। जिससे वातावरण गुंजायमान हो उठा। इसके बाद मुख्य अतिथि, बैन प्रिय ने अपने संबोधन में बच्चों को ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बच्चों के लिए बहुत अच्छा स्थान है जहां बच्चों के सृजनात्मक विकास हेतु निः शुल्क प्रशिक्षण दी जाती है ताकि बच्चे अपना क्षमता वर्धन कर सके तथा बच्चों को मंच मिल सके, जिसकी सभी बच्चों को तलाश होती है। साथ ही उस मंच तक बच्चों को पहुंचाने के लिए किलकारी इतनी मेहनत करती है, यह सचमुच कबीले तारीफ है। हम चाहेंगे कि किलकारी आगे भी इसी प्रकार कार्य करती रहे ताकि बच्चों का ज्ञानवर्धन होता रहे और बच्चे इसका लाभ उठाए और भरपूर मनोरंजन करे।

ग्रामीण विकास विभाग मंत्री की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ के मद्येनजर आपदा प्रबंधन की हुई समीक्षात्मक बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा ग्रामीण विकास विभाग-सह-प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को संभावित बाढ़ के मद्येनजर आपदा प्रबंधन की समीक्षात्मक बैठक आहुत की गई। बैठक में नरेन्द्र नारायण यादव, उपाध्यक्ष, बिहार विधान सभा-सह-माननीय विधायक, आलमनगर विधान सभा, निरंजन मेहता, विधायक, बिहारीगंज विधान सभा, संतोश कुमार मल्ल, प्रभारी सचिव, आपदा विभाग, बिहार, पटना, श्रीमति मंजू देवी, जिला परिषद अध्यक्षा, मधेपुरा, तरनजोत सिंह, जिला पदाधिकारी, मधेपुरा, संदीप सिंह, पुलिस अधीक्षक, मधेपुरा, अनिल बसाक, उप विकास आयुक्त, मधेपुरा, अरूण कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, मधेपुरा, मुकेश कुमार, अपर समाहर्ता (आपदा), अनुमंडल पदाधिकारी, मधेपुरा/ उदाकिशुनगंज सहित अन्य जिलास्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में श्रवण कुमार, ग्रामीण विकास विभाग-सह-प्रभारी मंत्री के द्वारा एजेन्डावार संभावित बाढ़ पूर्व तैयारी यथा- बाढ़ राहत सामग्रियों के दर निर्धारण की स्थिति, जिला में पॉलिथीन सीट्स की उपलब्धता, नाव की व्यवस्था, बाढ़ राहत शिविर एवं सामुदायिक रसोई के संचालन हेतु की जाने वाली तैयारी, मानव दवा की उपलब्धता, अनुग्रहित अनुदान भुगतान की स्थिति आदि के विषय में समीक्षा की गई।

पश्चिम एशिया में फैला हुआ है अमेरिका के सैन्य अड्डा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पश्चिम एशिया एक बार फिर युद्ध की आशंका के घेरे में है। अमरीका द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान और उसके समर्थक समूहों में आक्रोश देखा जा रहा है। इस तनावपूर्ण वातावरण में सबसे अधिक खतरा उन अमरीकी सैन्य ठिकानों पर मंडरा रहा है जो इस क्षेत्र के कई देशों में फैला हुआ है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका ने इस्लामी दुनिया के हृदय स्थल माने जाने वाले पश्चिम एशिया में रणनीतिक सैन्य अड्डों की एक पूरी श्रृंखला खड़ी की है। यह बेस खुफिया संचालन, हवाई हमलों, रसद आपूर्ति, नौसेना गतिविधियों से लेकर ड्रोन मिशनों तक के लिए इस्तेमाल होता हैं। 1996 में बना अल उदीद एयर बेस, कतर की राजधानी दोहा से 30 किमी दूर स्थित है। यह अमरीका का सबसे बड़ा सैन्य बेस है जो 24 हेक्टेयर (60 एकड़) क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां 100 से अधिक फाइटर जेट्स और ड्रोन तैनात हैं। 10,000 अमरीकी सैनिक तैनात हैं। इराक, सीरिया और अफगानिस्तान में हुए कई ऑपरेशन यहीं से संचालित हुए हैं। यह बेस सेंटकॉम के एयर ऑपरेशनों की रीढ़ है। ईरान जानता है कि यह अड्डा हमले की स्थिति में अमरीका की जवाबी कार्रवाई की प्राथमिक जगह होगा, इसीलिए यह उसका प्रमुख संभावित लक्ष्य भी है। बहरीन में स्थित यह नौसैनिक अड्डा ल्टर ख४ग्र१ के पुराने ब्रिटिश बेस पर विकसित किया गया है। इसमें 9,000 से अधिक सैन्य और नागरिक कर्मचारी कार्यरत हैं। अमरीकी नौसेना की पांचवीं फ्लीट (Fifth Fleet) की तैनाती है। फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और अरब सागर पर पैनी नजर रखता है। यह बेस जहाजों, विमानों और सैन्य टुकड़ियों को ईंधन, मरम्मत, सुरक्षा और खुफिया सूचना प्रदान करता है। फारस की खाड़ी में अमरीका की उपस्थिति ईरान को कूटनीतिक रूप से संतुलन में रखने का काम करता है। इराक के उत्तरी क्षेत्र कुर्दिस्तान की राजधानी एरबिल में स्थित यह एयर बेस अमरीकी सेना की हवाई गतिविधियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसके अलावा अल-हरीर और अल-असद जैसे अन्य बेस भी इराक में मौजूद है। एरबिल से क्र के खिलाफ अभियान चलाया गया था। यह बेस सीरिया और ईरान की सीमा के करीब है, जिससे इसे रणनीतिक बढ़त मिलती है। ईरान समर्थित मिलिशिया गुट पहले भी इन बेसों को रॉकेट और ड्रोन हमलों से निशाना बना चुका है। कुवैत में अमेरिका के कई बेस हैं लेकिन सबसे अहम है कैंप आरिफजान, जो 1999 में बनाया गया था। यह बेस दक्षिण-पूर्व कुवैत में स्थित है। लॉजिस्टिक सपोर्ट, ट्रेनिंग और कमांड सेंटर का कार्य करता है। इसमें हजारों अमेरिकी सैनिक तैनात रहते हैं। इराक युद्ध के समय यह बेस युद्ध सामग्री के ट्रांजिट प्वाइंट के रूप में भी प्रयोग हुआ था। अबू धाबी के पास स्थित अल दहफरा एयर बेस में 10 विमान स्क्वाड्रन है। टद-9 रीपर ड्रोन, एफ-22 रैप्टर स्टील्थ फाइटर, अहअउर जैसे विमानों की तैनाती है। टोही, निगरानी और हवाई लड़ाई के लिए पूरी तरह सक्षम है। यह बेस अमेरिका के खुफिया नेटवर्क का एक अहम हिस्सा है, जिससे ईरान की गतिविधियों पर निगरानी रखा जाता है। अमरीका के कई बेस और फॉरवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशंस (FOLs) जॉर्डन में जरका और अज-जरका है। सऊदी अरब में प्रिंस सुल्तान एयर बेस है। मिस्र में सिनाई प्रायद्वीप के पास छोटा बेस है। यह सभी अड्डा संभावित संघर्षों में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। अमरीका ने सिर्फ एयरबेस और नौसैनिक अड्डा नहीं बनाया हैं, बल्कि रडार चौकियों और सैटेलाइट निगरानी केंद्रों की भी एक मजबूत श्रृंखला खड़ा किया है। उदाहरण के लिए तुर्किए (तुर्की) में इंकिरलिक एयर बेस, सीरिया के उत्तर-पूर्व में गुप्त चौकियां, लेबनान की सीमा के करीब खुफिया चौकियां। इन चौकियों का कार्य है, खतरे की पहचान, ईरान समर्थित गुटों की हलचल पर नजर रखना और आवश्यक स्थिति में तेजी से जवाब देना।

सनातन संस्था की ओर से हिंदू राष्ट्ररत्न और सनातन धर्मश्री पुरस्कार

सनातन संस्था की ओर से 17 से 19 मई 2025 की अवधि में फोंडा, गोवा में आयोजित सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव में हिन्दू धर्म और राष्ट्र रक्षा के लिए विशेष कार्य करनेवाले अनेक व्यक्तियों को हिंदू राष्ट्ररत्न और सनातन धर्मश्री पुरस्कार घोषित किए गए थे। उनमें से पुरस्कार प्राप्तकताओं में दिल्ली स्थित हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के अध्यक्ष पू. अधिवक्ता हरिशंकर जैन को हिंदू राष्ट्ररत्न, जबकि दिल्ली राज्य के कला व सांस्कृतिक मंत्री श्री कपिल मिश्रा, मुंबई के प्रसिद्ध फि ल्म निमार्ता-निर्देशक श्री विपुल शाह, मुंबई के हिंदू विधिज्ञ परिषद के राष्ट्रीय सचिव अधिवक्ता संजीव पुनाळेकर, ऋषिकेश स्थित गीता भवन के श्री गौरीशंकर मोहता और अहिल्यानगर के प्रसिद्ध भारतीय मूर्तिकार व चित्रकार श्री प्रमोद कांबळे को संतों के करकमलों से सनातन धर्मश्री पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। मंदिर मुक्ति हेतु संघर्ष : श्रीराम मंदिर सहित उत्तर प्रदेश के काशी, मथुरा तथा मध्यप्रदेश की भोजशाला जैसे मंदिरों की मुक्ति हेतु निःशुल्क न्यायालयीन संघर्ष करनेवाले प्रखर धर्माभिमानी अधिवक्ता (पू.) हरिशंकर जैन को हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु (डॉ.) चारुदत्त पिंगळे के करकमलों से दिल्ली में हिंदू राष्ट्ररत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पू. हरिशंकर जैन ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा, यह पुरस्कार प्राप्त होने से नया कार्य करने की ऊर्जा मिली है। जब तक जीवन है, तब तक अनेक मंदिरों की मुक्ति का कार्य करना यह मेरी ज़िम्मेदारी मानकर मैं उसे पूर्ण करूंगा। हिंदू इकोसिस्टम से संगठन निर्माण : हिंदू इकोसिस्टम के माध्यम से लेखक, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कलाकार, इतिहासकार और धर्मप्रेमियों को एकत्रित कर धर्म और राष्ट्र सेवा हेतु एक प्रभावशाली मंच निर्माण करनेवाले, तथा दिल्ली दंगों में हिंदुओं को सहायता करनेवाले दिल्ली के कला एवं संस्कृति मंत्री श्री कपिल मिश्रा को सद्गुरु (डॉ.) चारुदत्त पिंगळे के करकमलों से दिल्ली में ह्यसनातन धर्मश्रीह्ण पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अपने मनोगत में श्री कपिल मिश्रा ने कहा, गोवा में हुए महोत्सव में जो शंखनाद किया गया, उसकी ध्वनि वर्षों तक गूंजती रहेगी। ऐसा ही शंखनाद महोत्सव दिल्ली में भी होना चाहिए, ऐसी मेरी विनती है। इसी प्रकार ऋषिकेश स्थित गीता भवन के श्री गौरीशंकर मोहता का सद्गुरु (डॉ.) पिंगळे ने सनातन धर्मश्री पुरस्कार देकर सम्मान किया। सत्य व संवेदनशील विषयों पर फि ल्म निर्माण : श्री विपुल शाह ने द केरला स्टोरी और बस्तर : द नक्सल स्टोरी इन फि ल्मों के माध्यम से लव जिहाद और नक्सलवाद जैसे संवेदनशील सामाजिक विषयों पर प्रकाश डाला। इन सत्य घटनाओं पर आधारित फि ल्मों के माध्यम से उन्होंने न केवल व्यावसायिक सफलता अर्जित की, अपितु पूरे विश्व में जागृति लाने का कार्य भी प्रभावशाली रूप से किया। ऐसे सत्यनिष्ठ और राष्ट्रभक्त फि ल्म निमार्ता-निर्देशक श्री विपुल शाह को सनातन संस्था की धर्मप्रचारिका सद्गुरु अनुराधा वाडेकर ने ह्यसनातन धर्मश्री पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अपने मनोगत में श्री विपुल शाह ने कहा, सनातन धर्मश्री पुरस्कार स्वीकार करते समय मैं भावविभोर और आनंदित हूं। यह पुरस्कार मुझे प्रेरणा देगा, जिससे मैं हिंदू समाज के लिए और अच्छे फि ल्में बना सकूं, तथा जागृति और सतत प्रयास जारी रहेगा। निरपराध हिन्दुओं व सामान्य लोगों को सहायता : कांग्रेस शासनकाल में हिंदू आतंकवादी सिद्ध करने के लिए भयावह षड्यंत्र रचकर हिंदुत्वनिष्ठों को विभिन्न प्रकरणों में फंसाया गया। ऐसे समय में अधिवक्ता संजीव पुनाळेकर ने मालेगांव बम विस्फोट, मडगांव बम विस्फोट सहित अनेक मुकदमों में हिंदुत्वनिष्ठ और सामान्य व्यक्तियों को निःशुल्क सहायता देकर सत्य पक्ष समाज में दृढता से प्रस्तुत किया। उनका सनातन संस्था की धर्मप्रचारिका सद्गुरु अनुराधा वाडेकर ने सनातन धर्मश्री पुरस्कार देकर सम्मान किया। इस अवसर पर अपने मनोगत में अधिवक्ता पुनाळेकर ने कहा, अब राष्ट्र और धर्म के लिए अनेक अधिवक्ता आगे आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का हर अभियान बना जन आन्दोलन

स्वच्छता आन्दोलन के साथ देखते ही देखते तरह से राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी व आमजन जुड़ गये वह अपने आप मे अद्वितीय ही रहा। अभियान पूरे देश में व्यापक असर तो दिखा ही साथ ही लोगों के दिलों-दिमाग में स्वच्छता के प्रति जागरुकता के प्रति अमिट छाप छोड़ गया। आज भी लोग सार्वजनिक व निजी स्थलों मे कचरा फेंकने, गंदगी करने के पहले सौ बार सोचते है। कोविड के समय स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और जन सहयोग को मिशाल के रूप मे देश ने देखा है। सरकारी मदद इलाज के इतर जिस तरह से एक दूसरे की मदद के लिए लोग सामने आए और लाखो लोगों की जान सुरक्षित किए वह प्रधानमंत्री के आह्वान का ही नतीजा रहा है। मोदी सरकार ने 11 साल के कार्यकाल में कई उल्लेखनीय और अभूतपूर्व कार्य कर भारत को कई क्षेत्रो मे नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। शौचालय पी.एम. आवास निर्माण के बाद बड़ी उपलब्धियों मे यदि किसी को गिना जाअगा तो वह है आयुष्मान भारत योजना, जिसने 50 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया है।

डॉ.राजेश मिश्र

लेखक

अपने पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की तो किसी को अंदाजा न रहा होगा की यह अभियान जन आन्दोलन का रूप ले लेगा। स्वच्छता आन्दोलन के साथ देखते ही देखते तरह से राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी व आमजन जुड़ गये वह अपने आप मे अद्वितीय ही रहा। अभियान पूरे देश में व्यापक असर तो दिखा ही साथ ही लोगों के दिलों-दिमाग में स्वच्छता के प्रति जागरुकता के प्रति अमिट छाप छोड़ गया। आज भी लोग सार्वजनिक व निजी स्थलों मे कचरा फेंकने, गंदगी करने के पहले सौ बार सोचते है। कोविड के समय स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और जन सहयोग को मिशाल के रूप मे देश ने देखा है। सरकारी मदद इलाज के इतर जिस तरह से एक दूसरे की मदद के लिए लोग सामने आए और लाखो लोगों की जान सुरक्षित किए वह प्रधानमंत्री के आह्वान का ही नतीजा रहा है। मोदी सरकार ने 11 साल के कार्यकाल में कई उल्लेखनीय और अभूतपूर्व कार्य कर भारत को कई क्षेत्रो मे नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। शौचालय पी.एम. आवास निर्माण के बाद बड़ी उपलब्धियों मे यदि किसी को गिना जाअगा तो वह है आयुष्मान भारत योजना, जिसने 50 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया है। इस योजना ने 6 करोड़ से अधिक लोगो का इलाज कराकर उन्हे वित्तीय संकट से बचाया। देखा जाए तो गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के लिये इलाज पर होने वाला खर्च कमर तोड़ने वाला होता है। गम्भीर बीमारी के समय तो कई ऐसे परिवार रहे जो खर्च न उठा पाने की स्थिति मे मरीज को अपने हाल पर छोड़ देते थे। आयुष्मान भारत योजना ने अब सब कुछ आसान कर दिया है। सामान्य हो या असामान्य सभी तरह की बीमारियों की चिन्ता आयुष्मान भारत पर छोड़ी जा चुकी है। आयुष्मान भारत योजना के बाद डिजिटल इण्डिया का कदम क्रान्तिकारी रहा है। डिजिटल इण्डिया ने यूपीआई के माध्यम से भारत को वैश्विक डिजिटल भुगतान का नेतृत्वकर्ता बनाया जिससे 2025 तक 1.3 ट्रिलियन मासिक लेन-देन दर्ज किए गए। मेक इन इण्डिया विनिर्माण और निवेश को बढ़ावा दिया जिससे भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बना। जल जीवन मिशन ने 11.82 करोड़ ग्रामीण घरो को नल जल कनेक्शन प्रदान किया जिससे स्वच्छ पेयजल की पहुंच बढ़ी। मोदी सरकार ने अपने ग्यारह वर्ष के कार्यकाल मे ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिए हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना ऐसा निर्णय रहा जिसे देश मान चुका था की यह सम्भव नही है। ह्ययह नहीं हो सकताह्ण की धारणा आम हो चुकी थी लोकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे यह धारणा टूट गई। अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया और किसी तरह की चूं- चपड़ भी नही हुई। विपक्ष की यह आशंका भी निर्मूल साबित हुई की देश मे भू-चाल आ जाएगा। अनुच्छेद 370 के समाप्ति के बाद देश ने भी देखा की जब जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव हुए तो 58.46 फीसद तक मतदान हुआ। यह परिवर्तन एक साहसिक निर्णय का असर रहा है। इसी तरह तीन तलाक की प्रथा जो मानवता के लिए त्रासदी थी जिस पर वर्षों तक चुप्पी छायी रही। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बात कही लेकिन कोई निर्णायक कदम नही उठाया गया। मोदी सरकार ने तीन तलाक को समाप्त कर यह साबित कर दिया कि वह महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। यह निर्णय तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब पता चलता है कि इस्लामिक देशों में तो तीन तलाक बहुत पहले ही समाप्त हो चुका है। प्रधानमंत्री ने गरीबों के कल्याण की सार्थक योजना चलाई जिसका असर देखने को मिला है। गरीबी हटाओ केवल पुराने नारे तक सीमित नहीं रहा बल्कि गरीबों के कल्याण को साकार रूप दिया गया। आंकड़े बताते हैं की 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा के उपर उठ चुके है। नीति आयोग और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंचों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकडे भी इसके गवाह है। भारत मे अत्यधिक गरीबी में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड लोगो को प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं व चावल निःशुल्क उपलब्ध कराया गया जिसे बडी उपलब्धि के रूप में माना जा सकता है। पी.एम. आवास योजना ने भी गरीबों की ना की दशा बदली बल्कि खुशहाली की राह दिखाआ है। पी.एम. आवास योजना के 4 करोड़ पक्के मकान बनाए जा चुके है और अगले पांच वर्षों में 3 करोड और मकानों के निर्माण का संकल्प लिया गया है। यदि आज आप गांवों की यात्रा करें तो पहले जहां खपरैल व घासफूस के घर दिखते थे अब वहां पक्के मकान खड़े है। सड़क नेटवर्क क्षेत्र में पहले जो सड़कें अधूरी व टूटी-फूटी रहती थीं वह अब हाइवे मे बदल चुकी हैं। यह आज के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का परिचायक है। पुलवामा व हाल में हुए पहलगाम आतंकी हमले से सभी वाकिफ हैं। आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नेहवा-हवाई बातें नहीं की, बल्कि जो कहा वह करके दिखाया है। देश ने देखा कि किस तरह सेना ने घुस कर मारा। यह तभी संभव होता जब नेतृत्त मजबूत हाथो में हो, और कुछ कर दिखाने का जज्बा हो। मोदी सरकार ने देश की आंतरिक और वाह्य सुरक्षा फोकस करते हुए नक्सलवाद व आतंकवाद की कमर तोड़ने का काम किया है। पहले देश में 126 जिले नक्सल प्रभावित माने जाते थे जो अब घटकर 18 रह गए हैं। हिंसा मे 53 फीसद की कमी आई है। सुरक्षाबलों की हताहत संख्या में 72 फीद गिरावट दर्ज की गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत अब नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ रहा है। संसदीय क्षेत्र सीधी के संदर्भ मेंः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्ष के कार्यकाल मे संसदीय क्षेत्र सीधी में एतिहासिक कार्य हुए हैं। ललितपुर- सिंगरौली रेल परियोजना की आधारशिला 1985 मे रखी गई। बाद में परियोजना को ठंडे बस्ते मे डाल दिया गया। केन्द्र मे कांग्रेस की सरकार होने और स्थानीय स्तर पर मजबूत व पहुंचवाले नेताओं के होने के बावजूद परियोजना को गतिमान बनाने एक धेला भी नही दिया गया। रेल परियोजना को गति देने का काम नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद हुआ है। ग्यारह वर्ष के प्रयास का नतीजा रहा की रीवा से सीधी और सिंगरौली तक रेल लाइन बिछाने का काम तेज है। जगह-जगह स्टेशन, पुल आदि का कार्य तेजी से हो रहा है। बघवार तक तो पिछले महीने ट्रायल मे रेल आ चुकी है। जिला मुख्यालय मे भी शीघ्र बहुप्रतीक्षित रेल पहुंचने वाली है। पिछले 40 वर्ष से ठप पड़ी रेल परियोजना को जहां मोदी सरकार ने सजीव कर दिखाया वहीं सीधी-रीवा मार्ग पर कैमोर पहाड़ मे विश्वस्तरीय सुरंग का निर्माण कराकर समूचे विंध्य को बड़ी सौगात दी है। सुरंग बन जाने से सीधी और रीवा के बीच आवागमन सुगम व रोमांचित हो गया है। संसदीय क्षेत्र मे इसके अलावा बेहतरीन नेशनल हाइवे निमार्णाधीन हैं। गांव-देहात भी सड़क, पेयजल, बिजली की सुविधा से युक्त हो गए हैं।

क्या पुरस्कार अब प्रकाशन-राजनीति का मोहरा बन गए

प्रश्न यह है कि क्या हिंदी साहित्य का पुरस्कार अब केवल उन्हीं लेखकों को मिलेगा जो वाणी प्रकाशन या राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित होंगे? पुरस्कार: साहित्यिक मान्यता या प्रकाशकीय गठजोड़? एक समय था जब किसी लेखक को पुरस्कार मिलने पर पूरे साहित्यिक समाज में उत्सव जैसा माहौल होता था। आज स्थिति यह है कि जैसे ही किसी लेखक को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलता है, सबसे पहला सवाल यह पूछा जाता है-कहाँ से छपे हैं? अगर जवाब वाणी या राजकमल है, तो चर्चा बदल जाती है-ह्लचलो, सेटिंग होगी... !ह्व यह कटाक्ष नहीं, आज के साहित्यिक वातावरण का यथार्थ है। क्योंकि अब पुरस्कार प्रतिभा का नहीं, प्रकाशन और पहुंच का प्रमाण बनते जा रहे हैं। साहित्यिक ब्रांडिंग का दौर वाणी और राजकमल जैसे संस्थान निस्संदेह हिंदी के प्रमुख स्तम्भ हैं। उन्होंने उत्कृष्ट लेखकों को छापा है और साहित्य की सेवा की है। लेकिन अब समस्या यह नहीं है कि वे छाप रहे हैं

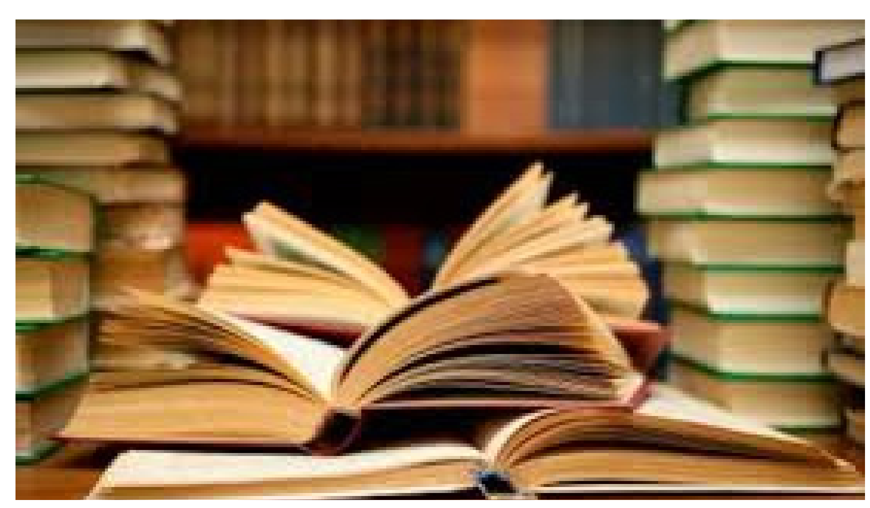

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

साहित्य समाज का दर्पण होता है। यह वाक्य हमने न जाने कितनी बार पढ़ा और सुना है। परंतु आज साहित्य के दर्पण पर परतें चढ़ चुकी हैं-राजनीतिक, प्रकाशकीय और प्रतिष्ठान-प्रेरित परतें। प्रश्न यह नहीं है कि कौन किससे छप रहा है। प्रश्न यह है कि क्या हिंदी साहित्य का पुरस्कार अब केवल उन्हीं लेखकों को मिलेगा जो वाणी प्रकाशन या राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित होंगे? पुरस्कारः साहित्यिक मान्यता या प्रकाशकीय गठजोड़? एक समय था जब किसी लेखक को पुरस्कार मिलने पर पूरे साहित्यिक समाज में उत्सव जैसा माहौल होता था। आज स्थिति यह है कि जैसे ही किसी लेखक को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलता है, सबसे पहला सवाल यह पूछा जाता है-ह्लकहाँ से छपे हैं?ह्व अगर जवाब वाणी या राजकमल है, तो चर्चा बदल जाती है-ह्लचलो, सेटिंग होगी... !ह्व यह कटाक्ष नहीं, आज के साहित्यिक वातावरण का यथार्थ है। क्योंकि अब पुरस्कार प्रतिभा का नहीं, प्रकाशन और पहुंच का प्रमाण बनते जा रहे हैं। साहित्यिक ब्रांडिंग का दौर वाणी और राजकमल जैसे संस्थान निस्संदेह हिंदी के प्रमुख स्तम्भ हैं। उन्होंने उत्कृष्ट लेखकों को छापा है और साहित्य की सेवा की है। लेकिन अब समस्या यह नहीं है कि वे छाप रहे हैं, समस्या यह है कि बाकी किसी को छापना, सुनना और पुरस्कृत करना साहित्यिक प्रतिष्ठानों को ह्लजोखिमह्व जैसा लगता है। जिस तरह फिल्मों में केवल बड़े बैनर की फिल्में ही राष्ट्रीय पुरस्कार पाती हैं, उसी तरह अब साहित्य में भी ह्लब्रांडेड प्रकाशनह्व ही पुरस्कारों का टिकट बन चुके हैं। प्रतिभा बनाम पहुँच हिंदी साहित्य के छोटे लेखक, ग्रामीण पृष्ठभूमि के रचनाकार, स्वतंत्र प्रकाशनों से जुड़ी प्रतिभाएँ-सब धीरे-धीरे इस ह्लपुरस्कार तंत्रह्व से बाहर हो चुके हैं। उनके पास न तो साहित्यिक लॉबियों से संपर्क हैं, न दिल्ली-मुंबई जैसे केन्द्रों में मौजूदगी, और न ही ब्रांडेड कवर पृष्ठ। तो फिर पुरस्कार किसके हिस्से आएंगे? जवाब स्पष्ट हैः उन्हीं के जो पहले से स्थापित हैं, और एक खास प्रकाशकीय घेरे में फिट होते हैं। पुरस्कार चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल जब पुरस्कारों की चयन समितियों में उन्हीं संस्थानों के प्रतिनिधि बैठें जिनके लेखक पुरस्कार जीतते हैं, तो यह नैतिकता की नहीं, तंत्र की समस्या बन जाती है। क्या कोई लेखक इसलिए श्रेष्ठ है क्योंकि वह किसी प्रसिद्ध प्रकाशन से छपा है? क्या एक गाँव की लड़की की कहानी इसलिए उपेक्षित है क्योंकि वह ह्लस्व-वित्तपोषितह्व किताब में छपी है? क्या साहित्य केवल महानगरों में लिखा जा रहा है? यह सवाल मात्र भावुकता नहीं, साहित्य के लोकतंत्र की माँग है। सेटिंग और गैटिंगह्व का साहित्यिक संस्करण अब साहित्यिक पुरस्कार भी वैसी ही ह्यलॉबिंगह्ण का हिस्सा बन चुके हैं जैसे राजनीति या सिनेमा में होता है। कोई वरिष्ठ आलोचक पुरस्कार समिति में बैठता है और उसी साल उसका शिष्य पुरस्कार पाता है। कोई लेखक चर्चित होता है क्योंकि उसके प्रकाशक ने किताब के विमोचन में ह्यनामचीन लोगोंह्ण को बुला लिया। समीक्षाएँ छपती हैं-पर लेखन नहीं पढ़ा जाता, सिर्फ प्रकाशक का नाम देख लिया जाता है। स्वतंत्र प्रकाशकों की उपेक्षाः एक अन्यायपूर्ण प्रवृत्ति हिंदी में आज कई स्वतंत्र, ईमानदार, मेहनती प्रकाशक सक्रिय हैं। वे बिना किसी शोर-शराबे के अच्छे लेखकों को प्रकाशित कर रहे हैं, नए विषय ला रहे हैं, जोखिम ले रहे हैं। लेकिन उन्हें पुरस्कारों की सूची में शायद ही जगह मिले। क्या इसलिए कि उनके पास प्रचार का पैसा नहीं है? या इसलिए कि वे किसी पुरस्कार समिति के सदस्य के ह्यप्रकाशकीय मित्रह्ण नहीं हैं? पुरस्कार नहीं, पाठक चाहिए आज कई लेखक इस पुरस्कार-तंत्र से परेशान होकर कहते हैं-ह्लहमें पुरस्कार नहीं चाहिए, हमें पाठक चाहिए।ह्व यह बदलाव एक क्रांतिकारी सोच है। क्योंकि एक समय ऐसा आएगा जब पाठक पूछेगा-ह्लक्या यह लेखक अच्छा है, या बस पुरस्कार मिला हुआ है? क्या राजकमल या वाणी में छपना गुनाह है? बिलकुल नहीं। वाणी, राजकमल या अन्य बड़े प्रकाशकों से छपना एक उपलब्धि हो सकती है, लेकिन वह एकमात्र रास्ता नहीं होना चाहिए। समस्या तब होती है जब पुरस्कार देने वाले संस्थान यह मान बैठते हैं कि अच्छा साहित्य वहीं छपता है। इस मानसिकता को बदलना होगा, क्योंकि एक समाज का साहित्य उसकी विविधता, भूगोल, बोली और संघर्षों का समुच्चय होता है-न कि केवल दिल्ली की प्रेस या कॉफी टेबल रीडिंग। नवलेखकों के लिए क्या संदेश है? आज का नवलेखक यह देख रहा है कि अगर उसकी किताब किसी ह्लब्रांडेडह्व प्रकाशक से नहीं छपी, तो उसके पुरस्कार पाने की संभावना लगभग समाप्त है। यह मानसिक अवसाद और हतोत्साहन की स्थिति है। उसे यह समझाना जरूरी है कि - पुरस्कार अंतिम सत्य नहीं हैं। साहित्य एक दीर्घकालीन संवाद है, जिसमें पाठक का प्रेम, समाज की प्रतिक्रिया और लेखकीय ईमानदारी सबसे महत्वपूर्ण है। साहित्यिक लोकतंत्र की आवश्यकता हमें ऐसे मंचों और पुरस्कार संस्थाओं की आवश्यकता है जो छोटे, स्वतंत्र, स्थानीय और डिजिटल प्रकाशकों से छपने वाली पुस्तकों को भी समान अवसर दें। हमें ह्लसाहित्यिक समानताह्व की बात करनी होगी, जहाँ प्रकाशन का नाम नहीं, रचना की संवेदना और सामाजिक प्रासंगिकता मूल्यांकन का आधार हो। प्रश्न जो रह गए हैंः क्या साहित्यिक संस्थाएँ पुरस्कार चयन से पहले अंधभक्ति की परत हटा पाएँगी? क्या आलोचक अपने संपर्कों से ऊपर उठकर नए साहित्य को खोजने का साहस दिखाएँगे? क्या हम अपने बच्चों को बताएँगे कि सच्चा साहित्य पुरस्कारों से नहीं, अनुभवों से उपजता है? पुरस्कार नहीं, ईमानदारी चाहिए पुरस्कार मिलना अच्छा है, लेकिन ईमानदारी से लेखन करना उससे कहीं ज्यादा बड़ा पुरस्कार है। वह पुरस्कार जो आत्मा देती है, पाठक देते हैं, और समय देता है। साहित्य वह नहीं जो पुरस्कार पाता है, साहित्य वह है जो मनुष्य को भीतर से झकझोर दे-चाहे वह किसी भी प्रकाशक से छपा हो।

माँ की शक्ति, बच्चों का भविष्य: योग से बदलता परिदृश्य

अन्नपूर्णा देवी

चाहे वह बोर्डरूम हो या युद्धभूमि –मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ ही बदलाव की वाहक होती हैं; महिलाओं के लिए अपनी वास्तविक शक्ति को पहचान कर उसे विकसित करना अत्यंत आवश्यक है, और योग इसकी कुंजी है। योग की जन्मस्थली भारत में आज भी इस प्राचीन जीवनशैली को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के पोषण के लिए एक दार्शनिक पद्धति के रूप में स्वीकार किया जाता है। भगवद्गीता (अध्याय 2, श्लोक 50) में कहा गया है-ह्लयोगः कर्मसु कौशलम्ह्व, अर्थात ह्ययोग कर्मों में कौशल है।ह्य भगवान श्रीकृष्ण का स्पष्ट संदेश है कि- सच्चा योग शारीरिक आसन या ध्यान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात में परिलक्षित होता है कि हम अपने दैनिक कर्तव्यों को कितनी कुशलता और ध्यानपूर्वक निभाते हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि योग में परिवर्तनकारी क्षमता है, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और बच्चों के पोषण में, जो हमारे समाज की नींव हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग ने वैश्विक मंच पर एक कल्याणकारी और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पहचान प्राप्त की है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया, जो भारत की महान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता सिद्ध करता है। इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम,ह्लएक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योगह्व है ' जो कि योग की सर्वसमावेशी और सार्वभौमिक अपील को रेखांकित करती है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि ह्लयोग किसी कॉपीराइट, पेटेंट या रॉयल्टी से मुक्त है। यह लचीला है – आप इसे अकेले, समूह में, गुरु से या स्वयं भी सीख सकते हैं।ह्व जैसे-जैसे हमारा राष्ट्र विकसित भारत बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि योग को महिलाओं और बच्चों के जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए। भारत की कुल आबादी में महिलाओं और बच्चों की संख्या लगभग दो-तिहाई है, और वे स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। अतः उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सबका कर्तव्य है, और योग की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। योग महिलाओं के लिए मानसिक और शारीरिक दोनों दृष्टि से अनेक लाभ प्रदान करता है। यह हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाता है, मानसिक तनाव को कम करता है, और मांसपेशियों एवं हड्डियों को मजबूत बनाता है। विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं की विशिष्ट शारीरिक आवश्यकताओं के अनुसार योग एक समग्र और प्रभावी समाधान प्रदान करता है। योग को अपनाकर महिलाएँ गर्भावस्था से पूर्व और बाद के परिवर्तनशील समय की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनती हैं। प्रसव पूर्व योग, अपने विशेष आसनों और ध्यान तकनीकों के साथ, गर्भावस्था की परेशानियों को कम करता है, दर्द प्रबंधन में सहायता करता है, और ऊर्जा को बढ़ाता है। यह गर्भवती माताओं को शारीरिक और भावनात्मक रूप से प्रसव के लिए तैयार करता है। प्रसवोत्तर योग, स्तनपान कराने वाली माताओं को उनकी रिकवरी, भावनात्मक सहायता, स्तनपान को बढ़ावा देने और माँ-बच्चे के रिश्ते को मजबूत करने में मदद करता है। महिलाओं में योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए, भारत में 25 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकताओं का एक सशक्त नेटवर्क है, जो योग को महिलाओं और बच्चों के दैनिक जीवन में अपनाने के लिए जानकारी, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर रहा हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की वकालत की है। वे कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सक्रिय रूप से समर्थन करते हैं, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व बैंक का यह अनुमान है कि महिला श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि से भारत के औद्योगिक उत्पादन में 9% तक की वृद्धि हो सकती है और 2047 तक हम एक उच्च आय वाले विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह सब तभी हासिल किया जा सकता है जब हमारे पास शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ महिला कार्यबल हो।आज की तेजी से बदलती दुनिया में, बच्चे भी जीवनशैली संबंधी विकारों, स्क्रीन पर निर्भरता और शैक्षणिक दबावों से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। योग इन चुनौतियों के लिए साक्ष्य-आधारित, समयबद्ध और सांस्कृतिक रूप से निहित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यह एकाग्रता, याददाश्त बढ़ाने, भावनात्मक विनियमन, नींद की गुणवत्ता और तनाव के प्रबंधन को बेहतर करता है - जो समग्र बचपन के विकास के प्रमुख घटक हैं। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से, हमारा मंत्रालय योग को बच्चों की प्रारंभिक देखभाल और विकास में शामिल कर रहा है, जो आजीवन स्वास्थ्यवर्धक आदतों की नींव रख रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक बहुआयामी रणनीति के अंतर्गत योग को महिलाओं और बच्चों के जीवन के अभिन्न अंग के रूप में अपनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। हमारी प्रमुख योजनाएँ, जैसे- आंगनवाड़ी केंद्र, वन स्टॉप सेंटर और बाल देखभाल संस्थान आदि न केवल पोषण और कल्याण सम्बन्धी सेवाएँ प्रदान करते हैं,

जिलाधिकारी के आदेश पर जल- जमाव, साफ-सफाई को ले विशेष बैठक की गई आयोजित

बैठक में वार्ड पार्षदों ने अपनी समस्याओं को खुलकर रखा, नगर आयुक्त ने दिया त्वरित कार्रवाई का निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर के निर्देश के आलोक में नगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय द्वारा सोमवार को विशेष बैठक बुलाई गयी। जिसमें शहर में चल रहे साफ -सफाई, जल -जमाव, स्ट्रीट लाइट लगाने पर चर्चा सभी वार्ड पार्षद के समक्ष की गयी क बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि शहर के जिस वार्ड में पार्षद हैं, उस वार्ड में नाला से सम्बंधित, जल- जमाव, स्ट्रीट लाइट आदि की समस्या पर त्वरित कार्रवाई की जाए क बैठक में वार्ड पार्षद 35 के श्यामबाबू ने कहा की मेरे वार्ड में छोटा पुलिया टूट गया है,जिसके कारण रोड पर जल- जमाव लग जा रहा है,जिससे आम जनों को आने- जाने में दिक्कत हो रही है कनगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय ने बैठक की सहायक अभियंता को निर्देश देते हुए एक सप्ताह में पुलिया का निर्माण कराना सुनिश्चित करें वार्ड 35 के पार्षद एवं सशक्त स्थायी समिति के सदस्य द्वारा बताया गया कि खनुआ नालों का निर्माण होने से जल- जमाव मेरे वार्ड मे हो गया है,जल निकासी नहीं हो रही है। सफाई एजेंसी के कार्यो पर नाराजगी व्यक्त की गयी बैठक में सभी वार्डों के पार्षद ने अपनी- अपनी बाते रखी कजिसकी समस्या रजिस्टर में दर्ज की गयी, और उस पर त्वरित कार्य करने के लिए सम्बंधित पदाधिकारी को नगर आयुक्त ने आदेश दिया क वार्ड 22 के रामाकांत सिंह उर्फ डब्लू सिंह ने कहा की हम सब एक परिवार हैं, सभी मिलकर चलेंगे तो शहर की सभी समस्याओ को खत्म कर सकते है क सभी पार्षद ने अपने- अपने वार्ड की समस्या नगर आयुक्त के समक्ष रखी बैठक में महापौर लक्ष्मीनारायण गुप्ता, उप महापौर रागिनी कुमारी, नगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय, उप नगर आयुक्त सुनील कुमार, सशक्त स्थायी समिति के सदस्य, वार्ड पार्षद, जाकिर अली, संतोष कुमार, श्याम बाबू, रमाकांत सिंह, प्रहलाद राम, राजू श्रीवास्तव, हेमंत कुमार,डॉ संतोष कुमार आदि वार्ड पार्षद एवं नगर निगम से स्वच्छता पदाधिकारी संजीव कुमार मिश्रा, सुमित कुमार, सिटी मैनेजर वेद प्रकाश वर्णवाल एवं अरविन्द कुमार आदि उपस्थित थे।

बरसात में शहर को जलजमाव मुक्त बनाए रखना नगर निगम प्रशासन की पहली प्राथमिकता: गरिमा

नगर निगम क्षेत्र के मुख्य नालों की बरसात पूर्व साफ सफाई अभियान का महापौर ने किया निरीक्षण

●सफाई निरीक्षक और वार्ड जमादारों को युद्ध स्तर सफाई उड़ाही का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि अबकी बार की बरसात में सघन शहरी क्षेत्र को जलजमाव मुक्त बनाए रखना नगर निगम प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। इसके लिए जरूरी है कि नालों की जारी तल से जारी सफाई को युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए। महापौर श्रीमती सिकारिया नगर के बसंत बिहार से रेलवे लाईन होकर गुजरने वाले मुख्य नाला की सफाई का निरीक्षण के बाद मौके पर मौजूद सफाई निरीक्षक और अन्य को निर्देश दे रहीं थीं। उन्होंने बताया कि सभी वार्ड जमादारों को अपने अपने वार्ड के सभी नाला नालियों की तल से सफाई अभियान को पूरा करने के आदेश दिए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिया गया कर्ज मांगने पर चाकू से किया जख्मी

बनियापुर । थाना क्षेत्र के हरपुर गाव में अपने दिए हुए कर्ज की राशि मांगने गए अधेर को चाकू मार कर जख्मी कर दिया । जिसके बाद जख्मी का इलाज रेफरल अस्पताल के बाद सदर अस्पताल में कराया गया, जहा से पीएमसीएच रेफर कर दिया गया, जिसके ब्यान पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है घटना के पीड़ित बिपिन सिंह ने प्राथमिकी मे बताया है की पड़ोसी रमेश सिंह से बकाया राशि मांगने गए थे जहा उक्त व्यक्ति ने गाली गलौज करते चाकू से जख्मी कर दिया। जिस मामले मे प्राथमिकी के बाद पुलिस करवाई मे जुट गयी है।

युवक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

परसा।थाना कांड संख्या 194/25 नबालिक लड़की के अपहरण के मामले को लेकर चाँदपुरा गाव निवासी लड़की के पिता ने परसा थाने लिखित आवेदन देर एक युवक पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है.दर्ज प्राथमिकी मीं बताया गया है कि मेरी पुत्री 20 जून को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसा में इंटरमीडिएट में एडमिशन लेने आई हुई थी आई देर शाम हो जाने तक घर नहीं लौटी तो अपने अस्तर से काफी खोजबीन किया तो पता चला कि गाव के ही एक युवक द्वारा अपहरण कर लिया गया है. वही दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

पुलिस ने तीन शराबी को किया गिरफ्तार

परसा। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शराबी पीने से बाज नहीं आ रहे हैं इसी क्रम में पुलिस ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव में छापेमारी करते हुए शराब पीकर हंगामा कर रहे हैं तीन शराबियों को गिरफ्तार कर सन्हा दर्ज करते हुए भेजो छपरा व्यवहार न्यायालय. गिरफ्तार शराबी पट्टी मुजौना गांव निवासी रघुनाथ राउत का पुत्र किशोर राउत,मिजार्पुर गाव निवासी स्व भजन माँझी का पुत्र बिहारी पासवान, आजमपुर गाव निवासी मनदेव राम का पुत्र अनिल कुमार बताया जाता है.

नामजद महिला अभियुक्त गिरफ्तार

परसा। थाना कांड संख्या 192/25 नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में नामजद महिला अभियुक्त को परसा पुलिस ने बिशनपुर गांव में छापेमारी करते हुए गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया. गिरफ्तार नामजद महिला अभियुक्त स्थानीय थाना क्षेत्र के विशनपुर गांव निवासी जयनाथ ठाकुर की पत्नी लखपतिया देवी बताई जाती है पुलिस ने अन्य को गिरफ्तारी के लिए लगतार छापेमारी कर रही है.

इसुआपुर : पंचायत उप चुनाव में दो महिला समेत सात ने किया नामांकन

इसुआपुर । पंचायत उप चुनाव में प्रखंड में रिक्त पड़े पांच पदों के लिए दो महिला समेत सात ने नामांकन किया है। बीडीओ सह प्रखंड निर्वाचि पदाधिकारी वीणा पाणी ने बताया कि प्रखंड में पांच रिक्त पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो गई है। वहीं समीक्षा 25 जून को तथा मतदान 9 जुलाई को और मतगणना 11 जुलाई को किया जाएगा। वही प्रखंड में रिक्त पड़े अगौथर सुंदर पंचायत के वार्ड संख्या 13 में रिक्त पड़े वार्ड सदस्य का पद,लौवा पंचायत में रिक्त पड़े ग्राम कचहरी सदस्य पंच का पद 14 और 15 तथा केरवा पंचायत के वार्ड संख्या 11 में ग्राम कचहरी सदस्य पंच का पद। वही निपानिया पंचायत के वार्ड संख्या 10 में रिक्त पड़े वार्ड सदस्य के पद के लिए नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो गई है।

मध्य विद्यालय धनौरा में बच्चों के साथ स्थानान्तरित शिक्षिकाओं का स्वागत

डोरीगंज। गरखा प्रखण्ड के राजकीय मध्य विद्यालय धनौरा में ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यालय खुलने के अवसर पर विद्यालय स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सभी उपस्थित बच्चों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया साथ ही मिष्ठान खिलाया गया। सहरसा के मेहषी प्रखण्ड से स्थांतरित शिक्षिका कुमारी रिंकु जो इस विद्यालय की पूर्व छात्रा भी रह चुकी है उन्हें योगदान के साथ शिक्षकों एवं बच्चों ने फूलमाला एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया । वहीं 20 वर्षों से पदस्थापित शिक्षिका कुमारी बिन्दु मिश्रा मध्य विद्यालय तेलपा में स्थांतरित होने पर उन्हें विद्यालय के शिक्षकों ने मिठाई एवं फूलमाला से सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अरूण कुमार, राकेश कुमार सिंह, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, देवेश उपाध्याय, शिवम कुमार, मृत्युंजय मांझी, सौरभ कुमार के साथ बच्चें शामिल रहे।

डीएम ने बिनटोलिया पथ का किया निरीक्षण, एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। सोमवार को जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, छपरा के साथ खैरा - बिनटोलिया पथ चौड़ीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चयनित एजेंसी को गुणवत्तापूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल को पूरे पथ भाग में दोनों तरफ अधिक से अधिक मिट्टी भराई का कार्य करते हुए नियमानुसार जितना अधिक चौड़ा हो सके, निर्माण कार्य करने तथा जिला परिषद के अभियंताओं से समन्वय स्थापित कर निर्माण किए जाने वाले नए बस स्टैंड के प्रवेश एवं निकासी मार्ग को ध्यान में रखते हुए पथ चौड़ीकरण का कार्य करने का निदेश दिया गया। बुडको के अभियंताओं से समन्वय स्थापित कर नाला का निर्माण कराने के मद्देनजर विचार विमर्श कर नाला के संपर्क के अनुसार पथ चौड़ीकरण कार्य का संचालन करने का निदेश दिया गया। डीएएम ने अंचलाधिकारी सदर को कार्यपालक अभियंता से समन्वय स्थापित कर उक्त पथ भाग अंतर्गत छोटे- छोटे अवैध अस्थाई अतिक्रमण को अविलंब हटवाने तथा 2 - 3 अमीन की प्रतिनियुक्ति कर संदर्भित पथ के शेष भाग की मापी कराने का निदेश दिया ।

देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने : संतोष पाठक

छपरा कार्यालय। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के मुख्य कार्यालय पर भाजपा सारण के दोनों संगठन जिला पूर्वी एवं पश्चिमी द्वारा संयुक्त रूप से श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया एवं बूथ सशक्तिकरण के कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने किया एवं पश्चिमी जिला अध्यक्ष ब्रजमोहन सिंह की उपस्थिति थे। संचालन महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय प्रभारी संतोष पाठक ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी भाजपा के सदैव मार्गदर्शन रहे हैं। उन्होंने कश्मीर के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। एक देश एक निशान एक विधान के लिए उन्होंने अपने प्राणों कि आहुति दी थी। आज उन्हीं की देन है कि कश्मीर में अमन चैन कायम हो सका है। प्रधानमंत्री उनके सपनों को पूरा करने का कार्य कर रहे हैं। सारण पूर्वी भाजपा के सह प्रभारी अशोक सहनी ने कहा कि देश के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने उस समय के मंत्री पद को भी लात मार दी एवं देश की सेवा में लग गए क्योंकि उन्हें कांग्रेस के तुष्टिकरण की नीति को उस समय जान गए थे, उन्होंने देश के लिए अपने बलिदान देने का काम किया। तरैया विधायक एवं पार्टी के मुख्य सचेतक जनक सिंह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शन का काम कर रहे हैं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा करने का कार्य कर रहे हैं। सोनपुर के पूर्व विधायक विनय सिंह उनके जीवन पर चर्चा करते हुए कहा कि आज हर कार्यकर्ता को उनसे सीखना चाहिए उनके जीवन दर्शन से बहुत कुछ पाया जा सकता है।

पेट्रोल बम हमले में एक व्यवसायी गंभीर रूप से हुए जख्मी, सदर अस्पताल में चल रहा है इलाज

●पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है, मामला भूमि विवाद से संबंधित बताया जा रहा है

●एक व्यक्ति को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। शहर के मौना चौक गुरहट्टी में भूमि विवाद को लेकर एक मकान पर पेट्रोल बम से हमले किए जाने का मामला प्रकाश में आया है, जिसमें एक कपड़ा व्यवसाई दिवाकर प्रसाद गुप्ता गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं, इनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। इस घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जख्मी व्यवसायी नगर थाना क्षेत्र के मौना मोहल्ला निवासी स्वर्गीय गोपाल प्रसाद गुप्ता के 65 वर्षीय पुत्र दिवाकर प्रसाद गुप्ता बताए गए हैं। यह घटना अहले सुबह लगभग तीन- चार बजे के बीच का है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना अध्यक्ष दल-बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए है सीसीटीवी फुटेज को भी खगाला जा रहा है। इस संबंध में जख्मी दिवाकर प्रसाद गुप्ता का कहना है कि उनके भाई राजेंद्र गुप्ता से पूर्व से भूमि विवाद चल रहा है, जिनका सारा मामला उनके केयर टेकर फेसबुक रिपोर्टर देख-रेख करता है। इससे पहले भी उनके परिवार को डराया धमकाया जा चुका है, और यह घटना उसी के इशारे पर एक प्लानिंग के तहत घर में आग लगाने और उनकी हत्या की साजिश रची गई थी। दिवाकर प्रसाद गुप्ता का यह भी बताया कि जागने के बाद दरवाजे के बाहर धारदार हथियार भी बरामद किया गया है, जिसे पुलिस द्वारा जप्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि घर में धुआं भरने लगा तो बाहर निकलना चाह रहे थे, तभी उनके ऊपर पेट्रोल बम से हमला किया गया। उन्होंने कहा कि घटनास्थल से ट्यूब में भरा गया पेट्रोल और एक भरने वाले ज्वलनशील गैस भी गैलन में बरामद किया गया है। जख्मी दिवाकर प्रसाद गुप्ता द्वारा नगर थाने में दिए गए आवेदन में इस हमले का सीधा आरोप फेसबुकिया रिपोर्टर पर लगाया है। इस मामले में सारण पुलिस प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को नगर थाना को सूचना प्राप्त हुई कि मौना चौक पुरानी गुड़हट्टी के पास दिवाकर प्रसाद गुप्ता के आवास पर करीब 3 बजे सुबह तीन अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा पेट्रोल छिड़कर इनके आवास के दरवाजे के गेट पर एवं आवास के पीछे आग लगा दिया है, इस क्रम में पटाखों का भी इस्तेमाल किया गया ।इस दौरान घर से बाहर निकलने के क्रम में दिवाकर प्रसाद गुप्ता का पैर झुलस गया है। इस घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर थाना पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल पर पहुँचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। पीड़ित को इलाज हेतु सदर अस्पताल, छपरा में भर्ती करवाया गया है। जहाँ इलाजोपरान्त वर्तमान में उनकी स्थिति सामान्य है। पीड़ित से घटना के संबंध में आवश्यक पूछताछ की गयी तो उनके द्वारा आशंका जताई गई है कि इनका भाई राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता एवं उनके दोस्त जितेन्द्र तिवारी द्वारा पूर्व के विवाद को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया है। इस संबंध में जितेन्द्र तिवारी को आवश्यक पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया है। घटना से जुड़ी सभी बिन्दुओं पर गहन जाँच की जा रही है, और सीसीटीवी फुटेज को भी खगाला जा रहा है। साथ ही प्राथमिकी दर्ज करने हेतु फर्दब्यान प्राप्त करने की कार्रवाई की जा रही है। शीघ्र ही दोषियों को गिरफ्तार कर सख्त कानुनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम धर्मेन्द्र कुमार के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजे जाने के मामले में होगी कार्रवाई

बेतिया(घनश्याम)।जिलापदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण धर्मेन्द्र कुमार के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजे जाने की सूचना विभिन्न माध्यमों से जिला प्रशासन को प्राप्त हुई है।

जिला प्रशासन द्वारा इस प्रकार के कृत्य को संज्ञान में लेकर साइबर थाना को सूचित कर दिया गया है। इस प्रकार के कृत्य को करने वाले लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

ऐसा करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ऐसे तत्वों को सख्त चेतावनी देता है कि इस प्रकार का कृत्य आपराधिक प्रवृत्ति का है तथा दंडनीय है। साथ ही जिला प्रशासन लोगों से अपील करती है कि इस प्रकार के फ्रेंड रिक्वेस्ट को कदापि एसेप्ट/कन्फर्म नहीं करें। ऐसे झांसों में बिल्कुल भी नहीं आएं। ये साइबर अपराधियों की चाल हो सकती है।

डीएम ने डीआरसीसी केंद्र का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। जिलाधिकारी सारण अमन समीर द्वारा सोमवार को जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र में चल रहे भवन मरम्मति तथा विद्युत मरम्मति कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में जिला योजना पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमंडल एवं जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के प्रबंधक उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह मरम्मति कार्य का भौतिक सत्यापन कर कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए साप्ताहिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा चयनित एजेंसी को उच्च गुणवत्ता पूर्ण भवन मरम्मति एवं विद्युत मरम्मति कार्य करने का निदेश दिया ।

पुलिस कप्तान का खौफ 63 अपराधी गिरफ्तार

पुलिस दबिश में भरी मात्रा में शराब जब्त

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण पुलिस कप्तान डॉ कुमार आशीष के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, शराब बिक्री, शराब भण्डारण, शराब निर्माण, अपहरण, चोरी एवं परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। विशेष अभियान के तहत 63 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जिसमें सात शराब कारोबार, बारह शराब सेवन, दो अपहरण, एक एससी/एसटी एक्ट , तीन हत्या के प्रयास,इकतीस वारंट,एक हत्या,एक दहेज अधिनियम,चार आर्म्स एक्ट एवं अन्य में मामले में एक अभियुक्त शामिल हैं। पुलिस कप्तान डॉ कुमार आशीष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिले में 63 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, साथ ही 365 वारंट, 256 सम्मन, 88 इश्तेहार एवं 23 कुर्की का निष्पादन किया गया। सारण जिले में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 40 वाहनों से 71 हजार पांच सौ रुपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत में देशी शराब 130 लीटर, विदेशी शराब 11 लीटर, स्प्रीट 34.2 लीटर, ड्राम दो, एक चूल्हा, एक सिलेंडर, एक देशी कट्टा, एक कारतूस, तीन मोटरसाइकिल, एक मोबाइल एवं दो अपहता की बरामदगी हुई है।

बीजेपी महिला मोर्चा द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। भाजपा महिला मोर्चा संगठन जिला रक्सौल की जिलाध्यक्ष ज्योतिराज गुप्ता द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजन किया गया, जिसमें उनके बलिदान दिवस पर उन्हें याद किया गया तथा उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस श्रद्धांजलि सभा में ज्योति राज गुप्ता ने प्रकाश डाला कि मुखर्जी जी का बलिदान देश के लिए अतुलनीय है, उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई थी, धारा 370 के विरोध में उन्होंने एक नारा दिया था एक देश मे दो निशान, दो प्रधान, दो विधान नहीं चलेगा। धारा 370 का हटाना उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करना है। उन्होने जनसंघ की स्थापना की थी जो कि बाद में भारतीय जनता पार्टी बनी। उन्होंने भारत के पहला मंत्रिमंडल में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में काम किया। भारत की सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने का अपनी अंतिम सांस तक प्रयास करने वाले महान शिक्षाविद एवं प्रखर राष्ट्रवादी तथा जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर अनेक अतुलनीय योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। कार्यक्रम में मीरा कुशवाहा, अनुराधा शर्मा, प्रिया गुप्ता, संगीता मिश्रा, मीतू गुप्ता, प्रिया गुप्ता, रेणु गुप्ता, कविता कुशवाहा, अमृता शर्मा, आशा देवी, अंशु देवी, पार्वती तिवारी, नीता कुमारी, रीता देवी के साथ भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

विद्यालय का ताला तोड़ एक लाख पचपन हजार रुपए की चोरी,दो गिरफ्तार

बेतिया(घनश्याम) ।भंगहा थाना क्षेत्र के महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल सबेया-भंगहा से कार्यालय का ताला तोड़ एक लाख पचपन हजार रूपए की चोरी कर ली गई है. इसको लेकर प्रधानाध्यापक अनिल कुमार गिरि ने पुलिस को लिखित आवेदन दिया है. प्रधानाध्यापक ने बताया कि शनिवार की संध्या सब्जी खरीदने के लिए वे इनरवा बाजार गए थे. बाजार से जब वापस विद्यालय लौटे तो देखा कि कार्यालय का ताला टूटा हुआ है. कार्यालय के अंदर प्रवेश किया तो देखा कि अलमिरा का ताला तोड़ कैश पेटी जिसमे एक लाख पचपन हजार रुपए रखा गया था उसकी चोरी कर ली गई है. घटना की जानकारी प्रधानाध्यापक ने पुलिस को दूरभाष पर देकर स्थानीय लोगों की सहयोग से जांच पड़ताल करना शुरू कर दी. जांच पड़ताल के क्रम में पता चला कि घोड़पकडी.निवासी नुरूल इस्लाम व समसुल होदा ने चोरी की घटना का अंजाम दिया है. प्रधानाध्यापक व स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों के घर जाकर पूछताछ की गई. पूछताछ के क्रम में दोनों ने चोरी की घटना को स्वीकार किया. नुरुल इस्लाम के पास से चोरी हुई सिक्का बरामद किया गया समसुल होदा के पास से 1900 रुपया व कैस पेटी बरामद हुआ. दोनों युवको ने स्थानीय लोगों के समक्ष स्वीकार किया की बीते दिनों सड़कीया भंगहा निवासी जटहा राम के घर से तीन मोबाइल तथा जदूनंदन राम के घर से ज्वेलरी की चोरी की है. प्रधानाध्यापक ने मामले की सभी लिखित जानकारी भंगहा थाना को दी है. शिकायत के आलोक में भंगहा पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. थानाध्यक्ष दीपक प्रसाद ने बताया कि प्रधानाध्यापक के आवेदन के आलोक मे प्राथमिक दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली गई है. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है. वहीं दूसरी तरफ दोनो आरोपीयों द्वारा मोबाइल चोरी व ज्वेलरी चोरी की बात स्वीकार किए जाने पर सड़कीया भंगहा निवासी यदुनंदन राम कि पत्नी मीना देवी ने भी पुलिस को लिखित शिकायत दी है.

22 दिनों बाद दिवाकालीन सत्र में खुले विद्यालय, पनटोका में ईको क्लब द्वारा हुआ पौधारोपण

प्रात: किरण संवाददाता

NOTE 40 Pro
2025.06.23 14:51

23mm f/1.75 1/100 ISO83

रक्सौल। सूबे सहित प्रखण्ड व नगर क्षेत्र के सभी विद्यालय सोमवार से दीवाकालीन खुल गए। विद्यालय खुलते ही विद्यालयों में बच्चों की भीड़ उमड़ गयी। इस मौके पर राजकीय मध्य विद्यालय, पनटोका के ईको क्लब के नोडल शिक्षक सुभाष प्रसाद यादव, कुंदन कुमार व मो. सैफुल्लाह ने विद्यालय के नर्सरी में ईकोमा प्रजाति के तीन पौधे लगाए। मौके पर उपस्थित बच्चों को शिक्षकों ने विशेष दिन या अवसर पर अपने आस पड़ोस में पौधरोपण करने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि पर्यावरण संरक्षण व संवर्द्धन के लिए पौधरोपण करना बहुत जरूरी है। इससे हमें स्वच्छ ऑक्सिजन मिलेगा तथा हम सभी स्वस्थ रहेंगे। मौके पर एचएम मुनेश राम ने शिक्षकों द्वारा किये गए पौधरोपण को विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने का बेहतर प्रयास बताते हुए धन्यवाद दिया तथा बच्चों द्वारा ग्रीष्मावकाश के बीच तैयार प्रोजेक्ट का अवलोकन भी किया। वही गमले में बच्चों द्वारा गेंहू व चना के तैयार पौधों के प्रोजेक्ट को पर्यावरण को जानने समझने का बेहतर विकल्प करार दिया। मौके पर वर्ग पांचवें की रूपा कुमारी, अंजलि कुमारी, आरती कुमारी व विवेक कुमार की हौसला अफजाई किया। वही,वरीय शिक्षक प्रवीण कुमार श्रीवास्तव,कुंदन कुमार,सुभाष प्रसाद यादव, मो. सैफुल्लाह, वर्ग शिक्षिका कविता कुमारी, बबिता कुमारी, दीक्षा कुमारी, आसमां प्रवीन ने भी अपने- अपने वर्गो के बच्चों का स्वागत करते हुए उनके द्वारा तैयार प्रोजेक्ट वर्क के बारे में विशद् जानकारी दी।

5 वां विशाल भंडारे की सामग्री ले ट्रक जम्मू-कश्मीर रवाना हुआ

छपरा कार्यालय। जय भोले भंडारी सेवा दल रजिड्ङ छपरा, बिहार के अध्यक्ष, पप्पू चैहान एवं अन्य सदस्यों ने विधिवत पूजा अर्चना कर हरी झंडी दिखा ट्रक को उधमपुर, जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना किया। भंडारे की सामग्री लदे ट्रक को दूल्हे की तरह सजाकर, बैण्ड-बाजा व मनमोहक झाकियों के साथ पुरे शहर में घुमाया गया। जय भोले, हर हर महादेव, जय बाबा अमरनाथ बफार्नी, बोल बम के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। यह नजारा देख भोले के भक्त, शहरवासी हर्ष उल्लास से भड़ गए। अमरनाथ जाने वालों के साथ अन्य शिव भक्त भी इस सोभा यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुए। नगर भ्रमण यात्रा में शामिल भक्तों के लिए शहर में जगह-जगह पर पानी, सरबत, लस्सी, बिस्कुट, पुरी-सब्जी आदि खाने पिने की व्यवस्था की गई थी। मालूम हो की इस सेवा दल के द्वारा श्री बाबा अमरनाथ जी यात्रा मार्ग उधमपुर, जम्मू-कश्मीर में भंडारा लगाया जाता है कवहां अमरनाथ यात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन, पानी, चाय-नास्ता, शौचालय, स्नानघर, यात्रियों के ठहरने व प्राथमिक उपचार की व्यवस्था किया जाता है। यह बिहार का पहला और एकमात्र भंडारा है जो श्री अमरनाथ जी की यात्रा मार्ग पर लगता है। इस वर्ष 5 वां विशाल भंडारा लग रहा हैं। पूर्व में इस भंडारे में लगभग 400 यात्रियों के ठहरने व खाने-पीने आदि की व्यवस्था किया जाता था। इस वर्ष उसे बढ़ाकर 800 व्यक्तियों का किया जा रहा है। उक्त ट्रक के साथ सेवा दल के अध्यक्ष पप्पू चौहान एवं कुछ सेवादार भी जा रहे हैं जो भंडारे की तैयारियां शुरू करेंगे। आज के इस आयोजन में सेवादल के सदस्य- दिलीप गुप्ता, राजेश रिबॉक, संजय प्रसाद वार्ड पार्षद, अमित कुमार मेडिकल, अशोक गुप्ता, नर्मदेश्वर प्रसाद, विकाश कुमार, रवि सोनी, जयंत गुप्ता, मंटू बाबा, लालबाबू राय, फूटी जी, सुधीर सिंह, नीरज कु धंन्नू, बबलू गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, आदित्य कुमार लड्डू, अवनीश कुमार, राज अमिष, रिशु कुमार, मुकेश कुमार, अनिल कुमार गुप्ता, किशन गुप्ता, संजय प्रसाद, हेमंत कुमार, रंजीत कुमार, मुकेश कुमार, विकास कुमार, केदार प्रसाद, शिवजी रस्तोगी, संत रस्तोगी बिट्टू सिंह, राकेश, मनीष सिंह, सोनू सिंह, राजेश बम, रामजी प्रसाद, भीम चौरसिया, राजू कुमार आदि ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

दो वारंटी गिरफ्तार

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के चानधरपुर गांव से पुलिस ने थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में कोर्ट के आदेश पर छापेमारी कर दो एन बी डब्लू वारंटी को दलबल के साथ गिरफ्तार कर लिया है।गिरफ्तार किए गए वारंटी की पहचान गांव के ही नंदन दास व विजय दास के रूप में की गई है। आगे पुलिस ने बताया 2014 के मारपीट कांड का आरोपी था।सि गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मार पीट की हुई प्राथमिकी दर्ज

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के कलुआरा गांव निवासी राजेश्वर पासवान ने थाना में आवेदन देकर मारपीट का मामला दर्ज कराया है।दिए आवेदन में गांव के ही पांच लोगों पर मार पीट करते हुए एक लाख पच्चीस हजार रुपए छीन लेने का आरोप लगाया है। वहीं थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि दिए गए आवेदन आधार पर जांचों उपरांत आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

मार पीट की घटना में चार लोग जख्मी

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के नामापुर गांव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में चार लोग जख्मी हो गए। जख्मी लोगों में नामापुर गांव के ध्रुव सहनी ,फुदन सहनी ,मनीष कुमार एवं पवन सहनी शामिल है। सभी जख्मी का ईलाज पीएचसी में कराया गया ।जहां प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होने की जानकारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने दिया। पुलिस ने बताया कि जख्मीके परिजन द्वारा आवेदन मिलने पर आगे कार्रवाई किया जाएगा।

जदयू अध्यक्ष ने किया महासचिव मनोनीत

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सिंघिया गांव निवासी दीप्ति कुमारी को प्रखंड जदयू अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने प्रखंड महासचिव मनोनीत क्या है। इनके मनोनीत होने पर जदयू युवा अध्यक्ष सामंत कुमार,मो तबरेज,सूरज सहनी ,रामदेव महतो ,रामबली महतो ,हिमांशु कुमार शेखर उर्फ मुन्ना, आशीष कुमार पटेल, नागेंद्र राय, भोला सिंह ,पिन्टु सिंह ,सहित लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

पुलिस ने लोनी को किया गिरफ्तार

कल्याणपुर समस्तीपुर चकमेहसी पुलिस ने अनुमंडल पदाधिकारी नीलामी के आदेश पर ग्रामीण बैंक के लोनी का नीलामी वारंटी मालीनगर सिमरी गांव निवासी गुलाब प्रसाद महतो के पुत्र संतोष कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने दी।

पीसीसी ढ़लाई में अनियमितता संबंधी जांच नहीं हुई तो करेंगे आमरण अनशन : राम नरेश

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के मुस्तफापुर निवासी समाजसेवी रामनरेश झा प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखित आवेदन देते हुए बताया है कि पीसीसी ढ़लाई में अनियमितता संबंधी जांचोपरांत कार्रवाई नहीं हुई तो 28 जून से प्रखंड कार्यालय समक्ष आमरण अनशन करेंगे। श्री झा ने आवेदन के माध्यम से बताया है कि 16 जून को पीसीसी ढ़लाई की जांच करने हेतु बीडीओ कार्यालय में आवेदन दिया था।जिसकी प्रतिक्रिया अभी तक हमें नहीं दी गई है। प्रतिक्रिया संबंधी निर्णय अगर हमें लिखित रूप से नहीं दी जाएगी तो 28 जून से प्रखंड कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन करेंगे।

बलिदान दिवस के अवसर पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

विभूतिपुर/समस्तीपुर विभूतिपुर पश्चिमी मंडल के कल्याणपुर उत्तर स्थित राधा रानी विवाह भवन में मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि सिंह की अध्यक्षता बलिदान दिवस के अवसर पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के अवसर पर पंचायत अध्यक्ष सह विवाह भवन के स्वामी पंकज लाल, जिला मंत्री रविंद्र पासवान, मंडल महामंत्री सुनील ईसर, युवा नेता मनीष मिश्रा, रौशन टिंकू, रजनीश कुमार, छोटू कुमार, यशवंत कुमार, सुनील कुमार, प्रभात झा, धर्मेंद्र मुखर्जी सहित दर्जनों लोगों ने माल्यार्पण किया। अध्यक्षीय संबोधन में चंद्रमणि सिंह ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद की जीवनी को इतिहास के सिलेबस में पढ़ाए जाने की मांग की। रविन्द्र पासवान सहित अन्य लोगों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद पंकज लाल ने आगत कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

दोनार आरओबी का निर्माण कार्य आरंभ, मेरा वर्षो पुराना संकल्प पूरा हुआ : संजय सरावगी

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दोनार आरओबी का किया भूमि पूजन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। शहरवासियों की बहुप्रतिक्षित मांग पूरी हुई है। सोमवार को बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी द्वारा दोनार गुमटी पर आरओबी निर्माण का वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन कर कार्य आरंभ कराया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह वर्षों से उठ रही इस माँग को पूरा करना मेरा संकल्प था और आज वह संकल्प साकार हो रहा है। यह मेरे वर्षों के अथक प्रयासों का प्रतिफल है।

राजस्व मंत्री सह नगर विधायक श्री सरावगी ने बताया कि 134.67 करोड़ की लागत आरओबी निर्माण का कार्य तेजी से आरंभ हुआ है। दोनार गुमटी पर लगने वाले जाम की पीड़ा से मैं स्वयं परिचित हूं। गर्मी, बरसात और ठंड के मौसम में लोगों को घंटों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। जनता की पीड़ा ने मुझे लगातार प्रयासरत रहने को प्रेरित किया और आज दरभंगावासियों की बहुपतिक्षित माँग को साकार रूप देने में सफल हुआ हूं। उन्होंने कहा कि आज का दिन दरभंगा के विकास यात्रा में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। दोनार आरओबी का निर्माण शहर में यातायात को तो सुगम बनायेगा ही, साथ ही भीषण जाम का भी स्थायी समाधान होगा। श्री सरावगी ने बताया कि वे वर्षों पूर्व से इस आरओबी के निर्माण को लेकर पथ निर्माण विभाग, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम एवं अन्य एजेंसियों के संपर्क में रहें। राज्य के तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव, तत्कालीन रेल मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नीतीन गडकरी, नीतीन नवीन आदि से संपर्क करते रहें।

कार्यक्रम में पूर्व विधान पार्षद अर्जून सहनी, स्थानीय पार्षद विकास कुमार, सुनील ठाकुर, पूर्व पार्षद प्रदीप गुप्ता, कृष्णानंद गिरी, मुन्ना मंडल, परशुराम साह, मदन कुमार झा, महादेव साह, पवन दास, दिलीप राय, बबलू मंडल, श्याम महतो, सूरज दास आदि विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर आईकॉन पार्टी लॉन एण्ड रिसॉर्ट तुर्की में सोमवार को एक दिवसीय जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय सहकारिता में सहकार अभियान अंतर्गत सहकारिता क्षेत्र में समन्वय जागरुकता तथा क्षमता विकास था। इस कार्यशाला का शुभारंभ सहकारिता मंत्री डाक्टर प्रेम कुमार ने दीप प्रज्जवलित कर किया। अध्यक्षता सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक के अध्यक्ष अमर पाण्डेय नै की। इस अवसर पर मंत्री डाक्टर प्रेम कुमार को अध्यक्ष ने पुष्प गुच्छ, शॉल ओढ़ाकर एवं एक गमले में पौधा भेंट कर सम्मानित किया । इसी के साथ गमले में भेंट किए गये पौधा में पानी डालकर विधिवत कार्यकम प्रारंभकिया गया। इस अवसर पर दि मुजफ्फरपुर सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, की प्रबंध निदेशक श्रीमती श्रुति चन्द्र बोस, तिमुल की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला देवी, संयुक्त निबंधक, अंकेक्षण तिरहुत प्रमंडल, जितेंद्र कुमार, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, मनोज कुमार, सहायक निबंधक, . पूर्वी एवं पश्चिमी अंचल, राजीव कुमार, सहायक निबंधक, सहित सहकारिता विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में सहकारिता मंत्री को सहकारिता विभाग द्वारा सहकारिता के माध्यम से सरकार की चल रही योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डाक्टर प्रेम कुमार ने कहा कि सरकार किसानों के उत्पादन का उचित मूल्य प्राप्त हो इसलिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहू की खरीदारी कर रही है। गत वर्ष में एम०एस०पी० 2275 रुपये था जिसे बढ़ाकर 2425- रुपये प्रति क्विंटल मूल्य निर्धारित किया गया है जिससे किसानों को लाभ हुआ है। इसके अतिरिक्त सब्जी उत्पादन स०स०, मधुमक्खीपालन, मखाना का सहकारी संघ बनाने हेतु जानकारी दी। इन्होंने कहा कि मुजफरपुर बिहार की दूसरी राजधानी है. जिसका विकास हो रहा है। गाँव-गाँव में सहकारी बैंक के माध्यम से कृषकों एवं अन्य समितियों को लाभ मिले इसका प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने प्रति पंचायत 50 खाता खोलवाने का सुझाव दिया। बिहार विकास में आगे बढ़ रहा है। चारों ओर परिवर्तन दिख रहा है। मंत्री ने कहा कि अध्यक्ष अमरनाथ पाण्डेय की अध्यक्षता में मुजफ्फरपुर केन्द्रीय सहकारी बैंक काफी विकास कर रहा है, आपसबों का अशीर्वाद बना रहना आवश्यक है। इन्होंने कहा कि निदेशकगण के भरपूर सहयोग से बैंक उतरोतर विकास की ओर बढ़ रहा है। एकता में बल है। मुजफ्फरपुर बैंक के विकास को कोई रोक नहीं सकता है। इन्होंने मंच से घोषणा की कि मुजफरपुर सहकारी बैंक को बिहार का नम्बर वन बैंक बनाया जायेगा।कार्यशाला में ब फसल सहायता योजनाअंतर्गत 6 लाभुकों को चेक प्रदान किया गया।

असाध्य रोगियों को स्वस्थ्य करने के लिए संवेदनशील है केंद्र सरकार : सांसद

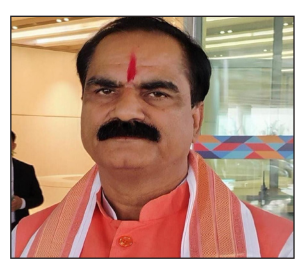

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।प्राकृतिक आपदाओं से घिरे मिथिला क्षेत्र में पानी में आर्सेनिक की मात्रा अत्यधिक रहने तथा अन्य प्रदूषणों के कारण असाध्य रोगियों में हो रही वृद्धि को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने पहल शुरू कर दिया है तथा इस मुद्दे पर व्यापक अध्ययन, शोध तथा इसके रोकथाम व उन्मूलन के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लेकिन इसके कारण रोगी बने पीड़ितों के इलाज के लिए केंद्र सरकार काफी संवेदनशील हैं यही कारण है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा राहत कोष से असाध्य रोगियों को सुगम रूप से इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध हो रही है जो केंद्र सरकार के संवेदनशीलता का प्रत्यक्ष उदाहरण है। दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत आपदा कोष से दरभंगा लोकसभा एवं जिले में विभिन्न असाध्य रोगियों को मिली आर्थिक सहायता पीड़ितों के लिए वरदान साबित हो रहा है।सांसद डा ठाकुर उनके द्वारा किए गए पहल पर दर्जनों रोगियों को देश के बरे नामी हॉस्पिटलों में इलाज के लिए दो लाख तीन लाख से पांच लाख तक की सहायत मिलने से पीड़ित परिवारों को काफी मदद मिली है। लोकसभा क्षेत्र के आमजनों के सेवा के लिए संकल्पित बताते हुए कहा कि अपने जनता जनार्दन के हर दुख सुख में साथ रहने के लिए हर समय तत्पर रहते हैं।इधर बेनीपुर के पकड़ी के अमित कुमार, सदर प्रखंड के कंसी की पल्लवी कुमारी पांचोंभ की वीणा चौधरी तथा देकुलीधाम की प्रियांशु कुमारी जैसे अन्य पीड़ितों के परिजनों ने पीएम मोदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार की सहायता वरदान साबित हो रही है।

वन विभाग की उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे किसान

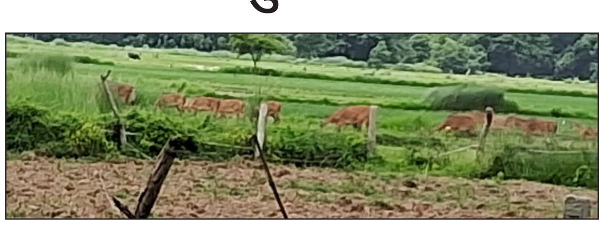

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा) ।जंगली जानवरों के उपद्रव से बेनीपुर क्षेत्र के किसान परेशान है। वन विभाग के अधिकारी का मोबाइल स्विच ऑफ रहने तथा बेनीपुर वन प्रक्षेत्र कार्यालय में शिकायत दर्ज कराने के लिए किसान महीनो से भटक रहे हैं। बेनीपुर में अस्थाई पौधा शाला में वनकर्मी से अधिकारी के कार्यालय का सही अता-पता नहीं बताया जा रहा है। बेनीपुर प्रखंड के तरौनी, हरिपुर, हावीभौआड़, देवराम-अमैठी, शिवराम, माधोपुर, बाथो-रढियाम, गणेश-बनौल-बलनी, जरिसो, महीनाम, पोहद्दी , सज्जनपुरा, नवादा आदि गांव में नीलगाय, जंगली सूअर आदि जंगली जानवर कृषक के धान बीज को नष्ट कर रहा है। खेतों में लगा धान बीज को चरने से बाज नहीं आ रहा है। किसान लक्ष्मण झा सरदार, विजय कुमार झा, आनंद चंद्र झा, सुधीर चंद्र झा, मनोज राय आदि किसानों ने बताया कि जिस तेजी से जंगली जानवर धान के बिचड़ा को नष्ट कर रहा है। जिससे धान की खेती के लिए बिचड़ा मिलना मुश्किल हो जाएगा। जानवरों को भगाने के लिए वन प्रक्षेत्र बेनीपुर के वन अधिकारी को तलाश रहे हैं लेकिन वे मिल नहीं रहे हैं। उनके सरकारी मोबाइल पर बात नहीं हो रही है। लंबे समय से मोबाइल बंद है। वन प्रक्षेत्र बेनीपुर के रेंजर अरविंद कुमार दुबे से इस बाबत जानकारी लेने के लिए मोबाइल पर संपर्क करने पर स्विच ऑफ मिला।

जनप्रतिनिधियों ने की कांटी-मड़वन के गरीबों वस्तियों की घोर उपेक्षा : अजीत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । राज्य के पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अजीत कुमार सोमवार को कांटी व मरवन प्रखंड के कई गांवों में जन संवाद कार्यक्रम चलाकर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर लोगों ने जर्जर सड़क , विद्यालय भवन की जर्जरता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ नहीं मिलने, लो वोल्टेज की समस्या , विद्युत विपत्र में गड़बड़ी, नल जल योजना का लाभ नहीं मिलने सहित कई अहम सवाल पूर्व मंत्री के समक्ष उठाया। पूर्व मंत्री श्री कुमार ने लोगों के समस्याओं को सुनने के उपरांत संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके पर बात कर कुछ समस्या का निदान कराया , वहीं उन्होंने सड़क व विद्यालय भवन की जर्जरता, जल नल आदि मुद्दों पर सक्षम अधिकारी से बात कर समस्या का समाधान कराने का लोगों को आश्वासन दिया। क्षेत्र के अख्तियारपुर पानापुर ,टरमा एवं ढ़ेमहा गांव में जन संवाद कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा की इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि गरीब लोगों के बस्ती का घोर उपेक्षा किया है, जिस कारण यहां सड़क की स्थिति जर्जर है , विद्यालय का भवन ध्वस्त है, गरीब जल नल से वंचित है। उन्होंने कहा की सड़कों के जीर्णोद्धार एवं विद्यालय भवन के निर्माण एवं जन नल की व्यवस्था के लिए मै शीघ्र जिला अधिकारी से मिलकर उनका ध्यान आकृष्ट कराऊंगा। उन्होंने लोगों से कहा कि अब आप चिंता न करें समय आ गया है आपका हक मैं आपको लड़ कर दिलाऊंगा। उपस्थित जन समूह ने श्री कुमार को हांथ उठाकर कांटी के गरीबों की हक लड़ाई में भरपूर सहयोग देने वादा किया इस मौके पर कांटी नगर परिषद के उपाध्यक्ष अजय गुप्ता, भाजपा नगर मंडल के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, वार्ड पार्षद चंदन पांडे, पप्पू राम, विनोद सहनी, संतोष कुमार पासवान, प्रभाकर चौधरी , शैलेंद्र कुशवाहा ,होरिल कुशवाहा, भरत महतो, निरंजन सहनी, सुजीत कुमार सहित कई जनप्रतिनिधियों ने जन संवाद कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाया।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र लूटकांड में दीपक मुंशी समेत पांच गिरफ्तार, 42 लाख का सोना व हथियार बरामद

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

बैंक ऑफ महाराष्ट्र लूट मामले में जिले की एसआईटी ने बिहार एसटीएफ के सहयोग से कांड के मुख्य आरोपी मोहनपुर थाना क्षेत्र के विनगामा के अशेश्वर प्रसाद राय के पुत्र दीपक कुमार उर्फ दीपक मुंशी को गिरफ्तार किया है। दीपक मुंशी वर्तमान में नगर थाना क्षेत्र के काशीपुर में रह रहा था। वहीं, इस मामले में पुलिस ने कपूरींग्राम थाना क्षेत्र के जगदीशपुर के राज कुमार झा के पुत्र व वर्तमान में मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के आदर्शनगर मोहल्ले में रहने वाले रमेश कुमार झा, वैशाली जिले के देसरी थाना क्षेत्र के सुरेश साह के पुत्र और सोनार दीपक कुमार एवं एक अन्य आरोपी अखिलेश राय ऊर्फ गोलू राय जो फरार होने में कामयाब रहा की सास महनार थाना क्षेत्र के खरजामा के रामबाबू राय की पत्नी फुलपरी देवी व उनकी पुत्री अनुराधा कुमारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दीपक मुंशी के घर से 165 ग्राम, दीपक सोनार के यहां से 250 ग्राम एवं दो महिलाओं के पास से 35 ग्राम सोना बरामद किया गया है। इसके अलावा चार मोबाइल, मैगजीन सहित पिस्टल और दो गोली बरामद किया है। सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पाण्डेय ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार दीपक मुंशी ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार किया है। उसने घटना में संलिप्त अन्य अपराधियों का नाम भी बताया है। पुलिस ने पहले दीपक मुंशी को इस घटना का मुख्य सूत्रधार बताया था, वहीं अब रमेश झा को मुख्य साजिशकर्ता बता रही है। पुलिस के अनुसार, दीपक मुंशी ने पुलिस को बताया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र, की डकैती की घटना रमेश कुमार झा के द्वारा बनाए गए योजना के अनुसार हुई है। उसने उस बैंक से सोना जमा कर अपनी पत्नी व बच्चे के नाम से 23 लाख रुपए का लोन ले रखा था। बैंक उसे अदायगी के दवाब बना रहा था। उसने बैंक के चेकर से मिलीभगत कर ज्वेलरी का मूल्य बढ़ाकर लोन लिया था। इसी कारण रमेश कुमार झा ने अपने आदर्शनगर आवास पर बैंक से जुड़ी सारी जानकारी अपराधियों के साथ साझा की। घटना के बाद रमेश कुमार झा, दीपक मुंशी के साथ रजरप्पा मंदिर, दिल्ली एवं जालघर गया था। जालंधर कोर्ट में आत्मसमर्पण कराने के लिए गया हुआ था। इसी प्रकिया में पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया। वहीं, बताया गया कि एसआईटी व बिहार एसटीएफ बैंक से लूटी गयी शेष सामानों की बरामदगी एवं अन्य अभियुक्तों के गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्त को पुलिस रिमांड कर अग्रिम कार्रवाई करेगी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान के विरोध में भाजपा का एक दिवसीय धरना

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भारतीय जनता पार्टी के द्वारा मधुबनी जिला समाहरणालय के समक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने एक दिवसीय धरना एवं विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह विरोध प्रदर्शन राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव द्वारा डॉ. अंबेडकर के अपमान के विरोध में किया गया। धरना को संबोधित करते हुए बिस्फी विधायक हरीभूषण ठाकुर बचौल ने प्रेस से कहा कि लालू प्रसाद यादव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है, जिसे भारतीय जनता पार्टी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक लालू प्रसाद यादव और राजद इस कृत्य के लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।वहीं, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं बेनीपट्टी विधायक विनोद नारायण झा ने भी लालू यादव की निंदा करते हुए कहा कि यह एक गंभीर अपमान है जिसे सहन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा अंबेडकर के सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी और इस मुद्दे को जन-आंदोलन का रूप दिया जाएगा। धरना स्थल पर भाजपा कार्यकताओं की भारी उपस्थिति देखी गई और सभी ने एक स्वर में डॉ. अंबेडकर के अपमान के खिलाफ आवाज बुलंद की।

माले महासचिव आज करेंगे बदलो बिहार जनसभा को संबोधित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भाकपा-माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य आज औराई विधान सभा के अंतर्गत कटरा प्रखंड के उफरौली में और गायघाट विधान सभा के अंतर्गत बेनीबाद केवटसा चौक पर आयोजित ह्यबदलो बिहार जनसभाह्व को संबोधित करेंगे। 18जून से मिथिलांचल से शुरू ह्यबदलो सरकार-बदलो बिहार यात्राह्व मंगलवार को औराई-कटरा और गायघाट में पहुंचेगी। इस दौरान दोनों क्षेत्र में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया है। सभा को महिला संगठन ऐपवा की राष्ट्रीय महासचिव व माले पॉलिट ब्यूरो सदस्य मीना तिवारी, खेत व ग्रामीण मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव व माले पॉलिट ब्यूरो सदस्य धीरेन्द्र झा, एमएलसी शशि यादव, माले के पूर्व विधायक मनोज मंजिल सहित कई राष्ट्रीय व राज्य नेता भी संबोधित करेंगे। माले जिला सचिव कृष्णमोहन ने यह जानकारी दी है।माले सचिव ने कहा है कि विधान सभा चुनाव के पूर्व बिहार के जिलों में 18जून से ह्यबदलो सरकार-बदलो बिहार यात्राह्व जारी है। यात्रा में माले के सांसद और विधायकों सहित सभी राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय नेता-कार्यकर्ता शामिल हैं। इस दौरान आयोजित जनसभाओं में माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य भी भाग ले रहें हैं। इसी अभियान के दौरान वे मुजफ्फरपुर की इन दो सभाओं में भी पहुंचेंगे और सभा को संबोधित करेंगे।

हत्याकांड में काराधीन अधिवक्ता की नियमित जमानत याचिका का सुनवाई टली

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।विशनपुर थाना क्षेत्र के पटोरी -बसंत हत्याकांड मामले में न्यायिक अभिरक्षा में गत 20 जून से काराधीन अधिवक्ता अंबर इमाम हासमी की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई टली।जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की अदालत में सोमवार को अधिवक्ता हासमी की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर बहस हुई।कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 24 जून की तिथि निर्धारित किया है।बताते चलें कि 8 अगस्त 1994 ई. को भुमि विवाद में विशनपुर थानाक्षेत्र के बसंत गांव के कब्रिस्तान के निकट बन्दूक से सैकड़ों राउंड फायरिंग की बारदात हुई थी।इस बारदात में गोली लगने से पटोरी निवासी रामकृपाल चौधरी की मौत घटना स्थल पर हीं हो गई थी।वहीं गोलीबारी की घटना में आधे दर्जन लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गए थे।इस घटना की प्राथमिकी विशनपुर थानाकांड सं.58/94 संस्थित की गई थी।न्यायालय मे सत्रवाद सं.326/99 में विगत 31 बर्ष पूर्व घटित घटना को लेकर न्याय लंबित है।इसी मामले में कोर्ट ने गत 20 जून को अधिवक्ता हासमी की ओर से दाखिल समयावेदन पत्र को खारिज करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।शनिवार को अदालत में काराधीन हासमी की ओर से जमानत याचिका दाखिल किया गया था।जिसकी सुनवाई के लिए सोमवार की तिथि निर्धारित थी।अब काराधीन हासमी की जमानत याचिका पर सुनवाई 24 जून को निर्धारित की गई है।

विधानसभा आम निर्वाचन की तैयारी को लेकर डीएम व एसएसपी ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। डॉ भीमराव अंबेडकर सभागार में जिलाधिकारी कौशल कुमार व वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन की पूर्व तैयारी को लेकर सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी,सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी से सभी मतदान केंद्रों के संबंध में बारी-बारी से फीडबैक लिया। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सहायक निर्वाचक पदाधिकारी को मतदान केंद्रों का सत्यापन कराकर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारी को अर्धसैनिक बलों के अवसान हेतु जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया।उन्होंने चेक पोस्ट अधिष्ठापन हेतु जगह चिन्हित करने का निर्देश सभी थानाध्यक्ष को दिया।' सभी अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं थानाध्यक्ष को सभी मतदान केन्द्रों का सत्यापन कर लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्र पर मूलभूत सुविधा उपलब्ध हो सभी संबंधित पदाधिकारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने शस्त्र का सत्यापन करने का निर्देश दिया।उन्होंने सभी सहायक निर्वाचक पदाधिकारी को सभा स्थल चिन्हित कर लेने का निर्देश दिया,साथ ही सभी पदाधिकारी को रूट चार्ट तैयार कर लें।उन्होंने कहा कि 325 सेक्टर मजिस्ट्रेट का बनाया गया है,सभी को बूथों का संपूर्ण जानकारी रखने का निर्देश दिया। वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी थानाध्यक्ष को शस्त्र के सत्यापन के दौरान कारतूसों का भी सत्यापन करने का निर्देश दिया। उन्होंने बिहार विधानसभा आम निर्वाचनको ध्यान में रखते हुए जिलों में सघन वाहन जांच,गश्ति,निगरानी एवं आसूचना संग्रहण करते रहने का निर्देश दिया।

मॉडल अस्पताल मधुबनी में छह बेड वाला वातानुकूलित आईसीयू शुरू, डीएम के अनुरोध पर महिला मरीज ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला मॉडल अस्पताल, मधुबनी में आज छह बेड वाले पूर्णतः वातानुकूलित आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) का शुभारंभ हुआ। इस सेवा का उद्घाटन जिले के जिलाधिकारी आनंद शर्मा के अनुरोध पर अस्पताल में भर्ती महिला मरीज मोहिनी देवी के हाथों कराया गया। यह अपने आप में एक मानवीय और प्रेरणादायी पहल रही।उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह डीएम आनंद शर्मा ने मॉडल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था, जिसके दौरान उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देशित किया था कि आईसीयू सेवा को शीघ्र प्रारंभ किया जाए। उनके निर्देश के आलोक में अस्पताल प्रबंधन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आज से सेवा की शुरूआत कर दी गई। यह आईसीयू अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें वेंटिलेटर, पेशेंट मॉनिटर, सिरिंज पंप, नर्सिंग बेल, इलेक्ट्रिक आईसीयू बेल, सेंट्रलाइज्ड ऑक्सीजन, सेंट्रलाइज्ड सक्शन और सेंट्रलाइज्ड एयर जैसी सुविधाएं 24७7 उपलब्ध रहेंगी। गंभीर मरीज, जिन्हें श्वसन संबंधी समस्याएं, मस्तिष्क आघात या अन्य जटिल बीमारियां होती हैं, उनका इलाज अब जिले में ही संभव हो पाएगा। आईसीयू में 10 विशेषज्ञ चिकित्सकों, 12 स्टाफ नर्सों तथा 4 चतुर्थवर्गीय कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है, जो चौबीसों घंटे सेवाएं देंगे। पहले ऐसे गंभीर मरीजों को अन्य उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों में रेफर करना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें निजी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना होगा।डीएम आनंद शर्मा ने कहा कि जिलेवासियों को सहजता के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अब गंभीर मरीजों को जिले में ही समुचित इलाज मिल सकेगा।

गंगौर के आम बगान से बरामद हुई नेपाली शराब की खेप, एसएसबी ने की त्वरित कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर, भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में तस्करी के प्रयास को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की सतर्कता ने एक बार फिर विफल कर दिया। सोमवार को 48वीं वाहिनी एसएसबी जयनगर के तहत सीमा चौकी गंगौर की गश्ती टीम ने गंगौर गांव (वार्ड संख्या 07), पश्चिम टोला स्थित आम बगान क्षेत्र में तलाशी के दौरान 180 लीटर नेपाली शराब बरामद की।यह कार्रवाई सुबह लगभग 11 बजे उस समय की गई जब गश्ती दल को सीमा स्तम्भ संख्या 289/24 से करीब 500 मीटर भारत की ओर झाड़ियों और बाँस के बीच एक असामान्य ढेर दिखाई दिया। स्थानीय ग्रामीण ललन महतो की उपस्थिति में तलाशी ली गई, जिसमें नेपाली ब्रांड ह्यदिवाले सोफीह्व की 600 बोतलें (प्रत्येक 300 मिली.) बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि शराब को नेपाल से तस्करी कर भारत में छिपाया गया था। जब्त की गई शराब को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए हरलाखी थाना को सुपुर्द कर दिया गया है।कमांडेंट गोविन्द सिंह भण्डारी ने जवानों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि एसएसबी तस्करी की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि ह्लसीमा की सुरक्षा और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए बल पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इनसाइडर होती तो इंडस्ट्री में इतना संघर्ष नहीं करना पड़ता

अमेजॉन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज पंचायत में रिंकी का रोल करने वाली सानविका ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें मनोरंजन जगत की ऑफ-स्क्रीन सच्चाई की एक झलक दिखाई गई। अपने पोस्ट में एक्ट्रेस ने सम्मान न मिलने के बारे में खुलकर बात की। सानविका की इंस्टा स्टोरी हर तरफ वायरल हो गई है।

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सानविका ने लिखा, कभी-कभी मुझे लगता है कि काश मैं एक इनसाइडर होती या शायद बहुत तगड़े बैकग्राउंड से होती, तो चीजें शायद आसान होतीं, सम्मान मिलता और समान व्यवहार किया जाता। संघर्ष कम होता। डटे रहो। उनका यह नोट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पंचायत सीजन 4 में सानविका

पंचायत सीजन 2 और 3 में काम करने और अपने किरदार के लिए प्यार पाने के बाद, मध्य प्रदेश के जबलपुर की पूजा सिंह अमेजन प्राइम वीडियो शो के आगामी चौथे सीजन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह वेब सीरीज में प्रधान जी की बेटी रिंकी की भूमिका निभा रही हैं। जितेंद्र कुमार के सचिवजी के साथ उनका रोमांटिक रिश्ता फैंस का पसंदीदा बना हुआ है।

पंचायत सीजन 4 की कास्ट

कॉमेडी-ड्रामा में नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा भी हैं।

नीना गुप्ता ने की बात

पंचायत के बारे में बात करते हुए नीना ने कहा, पंचायत से पहले छोटे शहरों और गांवों में लोग मुझे सिर्फ चोली के पीछे क्या है से पहचानते थे। पंचायत के बाद पूरा भारत मुझे शो की वजह से जानता है। उनके लिए बस चोली के पीछे और पंचायत ही है जैसे मैंने अपनी जिंदगी में और कुछ नहीं किया है।

करियर पर पड़ा अदिति की शादी का असर, बोलीं- ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं

फिल्म इंडस्ट्री में बेशक बदलाव आया है। हीरोइनों को अब पहले से मजबूत भूमिकाएं मिल रही हैं। शादी और बच्चों के बाद भी वे इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। मगर, एक सच्चाई ये भी है कि शादी के बाद जहां अभिनेताओं के करियर पर बड़ा असर नहीं होता, लेकिन अभिनेत्रियों का करियर किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। शादी के बाद अदिति राव हैदरी भी कुछ ऐसा ही महसूस कर रही हैं।

शादी के बाद कैसा है अदिति का करियर?

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और एक्टर सिद्धार्थ ने बीते वर्ष सितंबर में शादी रचाई। काफी वक्त एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा। हाल ही में अदिति राव हैदरी शादी के बाद अपने करियर को लेकर बात करती दिखीं। उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में एक बातचीत में अदिति राव हैदरी ने खुलासा किया कि शादी के बाद से उन्हें बहुत ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं। अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली अदिति की इस टिप्पणी से पता चलता है कि निजी जिंदगी में माइलस्टोन के बाद अभिनेत्रियों को अक्सर इंडस्ट्री में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

नजरिया बदलने की जरूरत

अदिति की लोकप्रियता और अदाकारी को देखते हुए दर्शकों के लिए इस पर यकीन करना शायद मुश्किल हो कि उन्हें फिल्मों के कम ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, वे अपने करियर को लेकर सकारात्मक हैं। फिर भी अदिति की टिप्पणी ने इस बात पर जोर दिया है कि शादी के बाद अभिनेत्रियों के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है। अदिति को बीते वर्ष सीरीज हीरमंडी में देखा गया। इसमें उन्होंने बिब्बोजान का किरदार निभाया था।

छुट्टी मनाने मियामी पहुंचीं अनन्या पांडे

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां गर्मियों में छुट्टियां मनाने बाहर जाती हैं। वह वहां से अकसर अपनी खूबसूरत तस्वीरें भेजती हैं। ऐसे में बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस अनन्या पांडे भी अमेरिका के फ्लोरिडा में मौजूद मियामी पहुंची हैं। उन्होंने यहां से अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। हाल ही में अनन्या पांडे ने जो तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं उसमें वह खूब मजे करती हुई नजर आ रही हैं। अनन्या पांडे ने तस्वीरें शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा मियामी। अनन्या पांडे की तस्वीरों पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं और इसे लाइक कर रहे हैं। आपको बता दें कि अनन्या पांडे जल्द ही फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में नजर आने वाली हैं। उनके साथ कार्तिक आर्यन अहम किरदार में होंगे। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।

असल जिंदगी में मुझसे 'तू है आशिकी' की 'नूर' बहुत अलग है

अभिनेत्री अमनदीप सिद्धू का शो तू है आशिकी प्रीमियर के लिए तैयार है। शो में नूर का किरदार निभा रही अभिनेत्री ने बताया कि वह नूर के साथ पूरी तरह जुड़ नहीं पातीं। नूर एक साधारण, बिंदास, मैच्योर और परिवार से प्यार करने वाली कॉलेज स्टूडेंट है। वह असल जिंदगी में इससे अलग हैं। अमनदीप ने कहा, मैं नूर के परिवार से प्यार और उनकी राय को महत्व देने के तरीके से जुड़ सकती हूं, लेकिन, मैं उससे अलग हूं।

उन्होंने बताया कि नूर अपनी खुशी के लिए ज्यादा कुछ नहीं करती, जबकि मैं हमेशा अपने दिल की सुनती हूं। उन्होंने कहा, मैं अपनी मां और परिवार की सलाह लेती हूं, लेकिन अंतिम फैसला मेरा होता है। इस तरह नूर और मैं अलग हैं। मैं अपनी जिंदगी की कमान खुद संभालती हूं। अमनदीप खुद को बहुत रोमांटिक मानती हैं और शो का नाम उन्हें खासा पसंद है। उन्होंने कहा, मैं कर्क राशि की हूं और बहुत रोमांटिक हूं। शो का नाम प्यार से भरा है। 'पम्मा' और 'नूर' की प्रेम कहानी को जीना मेरे लिए नया और शानदार अनुभव था। यह एक फिल्मी रोमांस जैसा है, जिसे मैं जीना चाहती थी। अमनदीप ने शो के निर्माता रवि दुबे और सरगुन मेहता की तारीफ की। उन्होंने कहा, रवि और सरगुन कहानी से ज्यादा किरदारों पर ध्यान देते हैं। अगर किरदार मजबूत हो तो दर्शक उससे जुड़ते हैं और कहानी खुद-ब-खुद चल पड़ती है। उन्होंने बताया कि पम्मा का किरदार इतना दमदार है कि हर कोई उससे और नूर से प्यार करेगा। अभिनेत्री को यकीन है कि दर्शकों को यह साधारण और रिलेटेबल कहानी पसंद आएगी। उन्होंने कहा, आज लोग साधारण, वास्तविक कहानियां और किरदार पसंद करते हैं। इस कहानी को भी दर्शकों का खूब प्यार मिलेगा। लवली लोला और दिल को रफू कर ले के बाद, कपल सरगुन मेहता और रवि दुबे ने हाल ही में तू आशिकी है के लॉन्च की घोषणा की थी।

रणवीर सिंह के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी सारा अर्जुन

अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म की अभी शूटिंग चल रही है और सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस एक्शन फिल्म में संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। ये जानकारी फिल्म की लीड एक्ट्रेस को लेकर आ रही है। फिल्म 'धुरंधर' को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ सारा अर्जुन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट में ये दावा किया जा रहा है कि चाइल्ड आर्टिस्ट रहीं 20 साल की सारा अर्जुन 39 साल के रणवीर सिंह के साथ इस फिल्म में रोमांस करती नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में उनकी भूमिका छोटी होगी। हालांकि, रणवीर और सारा के बीच 20 साल का अंतर है। ऐसे में पर्दे पर ये अनोखी जोड़नी देखना एक अलग एहसास होगा। इसीलिए कई यूजर्स को ये खबर पसंद नहीं आ रही है।

मेकर्स ने अभी तक नहीं की पुष्टि

इस खबर के सामने आने के बाद बेशक नेटिजंस को ये खबर पसंद नहीं आई। हालांकि, मेकर्स की ओर से अब तक सारा अर्जुन के फिल्म का हिस्सा होने के बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। जबकि सारा के फिल्म का हिस्सा होने की खबर साल 2024 में ही सबसे पहले आई थी। इसके बाद फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। वहीं पिछले दिनों 'धुरंधर' के टीजर को लेकर भी खबर आई थी। लेकिन मेकर्स ने अभी तक फिल्म लीड एक्ट्रेस को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। ऐसे में सारा अर्जुन फिल्म का हिस्सा होंगी या नहीं इस बारे में कोई कंफर्म न्यूज नहीं है। चाइल्ड आर्टिस्ट रहीं सारा अर्जुन 'देइवा थिरुमगल', 'जय हो' और 'पोन्नियिन सेलवन' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं।

एक्शन पैक्ड फिल्म है 'धुरंधर'

'उरी - द सर्जिकल स्ट्राइक' फेम निर्देशक आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर' एक एक्शन पैक्ड फिल्म है। इसमें रणवीर सिंह लंबे बालों में नजर आएंगे। फिल्म के रणवीर ने अपनी फिजिक पर भी काफी मेहनत की है। 'धुरंधर' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म में रणवीर के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

डिटेक्टिव शेरदिल की शूटिंग के दौरान ये प्लान बनाते सितारे

अभिनेत्री डायना पेंटी फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल में नजर आएंगी, जो कल शुक्रवार 20 जून को रिलीज हो रही है। इसमें डायना के अलावा दिलजीत दोसांझ, बोमन ईरानी और रत्ना पाठक जैसे सितारे हैं। हाल ही में डायना पेंटी ने इस फिल्म में काम करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने कहा कि सेट पर माहौल काफी अच्छा रहा। इसके अलावा ओटीटी कंटेंट के बढ़ते ट्रेंड पर भी उन्होंने बात की।

रिलीज से पहले हो रही घबराहट

फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल 20 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। इसकी रिलीज को लेकर डायना बेहद उत्साहित और खुश हैं। हाल ही में बातचीत में उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह रिलीज से पहले होने वाली घबराहट अब भी महसूस हो रही है। मगर वे उत्साहित हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं और हमेशा की तरह किसी भी फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले मेरे पेट में तितलियां होती हैं। यह एक रोमांचक समय है।

सेट पर रहा मजेदार अनुभव

फिल्म में काम करने का अनुभव शेयर करते हुए डायना ने कहा, मैंने अब तक जितने भी सेट देखे हैं, यह उनमें सबसे मजेदार साबित हुआ। हम कलाकारों का एक बड़ा ग्रुप था। सभी एक-दूसरे के साथ खूब घुलमिल गए। हम विदेश में बुडापेस्ट में शूटिंग कर रहे थे और अपने रोजाना के तय काम के घंटों के बाद हम नए रेस्तरां एक्सप्लोर करते। हम क्योंकि देश से बाहर शूटिंग कर रहे थे, तो हमारा एक व्हाट्सएप ग्रुप था। हम हर दिन के हिसाब से वहां प्लान बनाते।

इस वजह से कहा फिल्म को हां

डायना पेंटी के मुताबिक, ऑफ-कैमरा मजेदार और अच्छा माहौल ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री में तब्दील हो गया। फिल्म में डायना एक इनवेस्टिगेटर की भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन रवि छाबड़िया ने किया है। फिल्म को लेकर डायना ने कहा, मैंने जब स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी अहसास हो गया कि यह काफी मजेदार है। फिर फिल्म में दिलजीत, बोमन सर, रत्ना मैम जैसे सितारे हैं तो इस तरह की फिल्म को आप ना नहीं कह सकते।

ओटीटी और फिल्म के फर्क पर रखी बात

अभिनेत्री से जब पूछा गया कि जैसे-जैसे ज्यादातर अभिनेता ओटीटी प्रोजेक्ट्स कर रहे हैं, बड़े पर्दे और डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए फिल्मों पर काम करने के बीच का अंतर दिलचस्पी का विषय बन गया है। एक्ट्रेस ने कहा, निश्चित रूप से एक अंतर है, क्योंकि फॉर्मेट अलग हैं। ओटीटी प्रोजेक्ट की लेंथ और डेप्थ किरदार को एक्सप्लोर करने का मौका देती है। ओटीटी पर एक सीरीज फिल्म के मुकाबले काफी लंबी अवधि की होती है। इसका मतलब है कि कहानी की गहराई में जाने से किरदार के विस्तार में जाने के मौके मिलते हैं।

पिता बॉबी देओल के नक्शेकदम पर चलेगा बेटा आर्यमन, जल्द ही करेगा बॉलीवुड डेब्यू

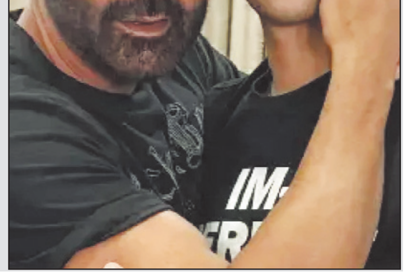

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल, जिन्होंने फिल्म एनिमल से शानदार वापसी की, अब तेलुगु फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में नजर आएंगे। इसके साथ ही, वह अपने बेटे आर्यमन को बॉलीवुड में लॉन्च करने की तैयारी कर रहे हैं। एक खबर के मुताबिक, आर्यमन की पहली फिल्म देओल परिवार के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनाई जाएगी। बॉबी अभी फिल्म की कहानी, निर्देशक और बाकी टीम को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। यह आर्यमन का बॉलीवुड डेब्यू होगा, जिसे लेकर बॉबी के फैंस भी उत्साहित हैं। क्योंकि बॉबी ने रोमांटिक फिल्म बरसात से बॉलीवुड में अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। अब फैंस देखना चाहते हैं कि आर्यमन किस जॉनर की फिल्म से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत करेंगे। एक इंटरव्यू के दौरान धर्मेंद्र ने अपने पोते आर्यमन के बारे में कहा, वह बहुत खास है और उसमें हम सबकी अच्छाइयां हैं। वहीं दूसरी ओर बॉबी के भाई सनी देओल के बेटे करण देओल और राजवीर देओल पहले ही बॉलीवुड में डेब्यू कर चुके हैं। अब जल्द ही आर्यमन भी फिल्मों में अपना जलवा बेखरेंगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 24 जून, 2025

व्यापार

सेंसेक्स
81896.79 पर बंद
निफ्टी
24971.90 पर बंद

सोना
97,760
चांदी
96,000

गुनेबो के नवीनतम सेफ स्टोरेज सॉल्यूशंस प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन

भोपाल। फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध ब्रांड गुनेबो ने भोपाल के कान्हा फन सिटी में आयोजित ज्वैलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन की दो दिवसीय वार्षिक बैठक (21–22 जून) में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में गुनेबो सेफ स्टोरेज को अपने नवीनतम सुरक्षा उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिला, जो विशेष रूप से ज्वैलर्स समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं। इस बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में शिवराज सिंह चौहान, कृषि एवं किसान कल्याण केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार उपस्थित थे। अन्य प्रमुख अतिथियों में नरेंद्र शिवाजी पटेल, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, मुकेश

तंडन, विधायक, विदिशा, पंकज अरोड़ा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एआइजेजीएफ एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री कैट और नितिन केडिया, राष्ट्रीय महासचिव, एआइजेजीएफ शामिल रहे। इस दो दिवसीय आयोजन में 1500 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें प्रदेश भर के ज्वैलर्स, व्यापारिक प्रतिनिधि, और सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दो दिवसीय आयोजन में गुनेबो टीम ने सेफ स्टोरेज सॉल्यूशंस की अपनी नवीनतम श्रृंखला का प्रदर्शन किया, जिसमें भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणित तिजोरियाँ, स्ट्रांग रूम डोर्स और इलेक्ट्रॉनिक हाई सिक्योरिटी लॉक शामिल थीं। गुनेबो की ओर से जनरल मैनेजर, चैनल सेल्स (वेस्ट रीजन) प्रकाश कुमार ने गुनेबो प्रोडक्ट्स की विस्तृत प्रेजेंटेशन दी, उन्होंने उपस्थित सदस्यों को गुनेबो के नए उत्पादों की जानकारी दी और इनके उपयोग व लाभों पर चर्चा की। गुनेबो की अन्य टीम से संदीप हांडा – सेल्स मैनेजर, संजीव दास ङ्क डीजीएम गुनेबो सेफ स्टोरेज, और चैनल पार्टनर साईं ट्रेड लिंक से विकाश शर्मा और धर्मेंद्र शुक्ला उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनिर्बान मुखुति, हेड मार्केटिंग एंड प्रोडक्ट मैनेजमेंट, एशिया गुनेबो सेफ स्टोरेज ने कहा, मध्य प्रदेश ज्वैलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में शामिल होकर बेहद खुशी हुई। ऐसे मंच हमारे लिए सिर्फ प्रोडक्ट्स दिखाने का मौका नहीं होते, ये हमें सीधे ज्वैलर्स से जुड़ने और उनकी ज़रूरतों को समझने का अवसर भी देते हैं।

एनपीसीआई की नई सुविधा

पैन-बैंक खाते का तुरंत सत्यापन से इनकम टैक्स रिफंड जल्द मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय भुगतान निगम ने आयकर पोर्टल पर पैन और बैंक खात को रियल टाइम में सत्यापित करने की नई सुविधा शुरू की है। इसके जरिए करदाताओं को आयकर रिफंड जल्दी और बिना गलती के मिलेगा। इसके साथ ही सरकारी लाभ हस्तांतरण की प्रक्रिया भी तेज होगी। एनपीसीआई ने हाल ही में इसे लेकर नया सर्कुलर जारी किया है। एनपीसीआई के अनुसार, नई प्रणाली विशेष रूप से सरकारी विभागों के लिए बनाई गई है। यह सीधे बैंकों के मुख्य सिस्टम से जुड़कर पैन विवरण, बैंक खाता स्थिति और खाताधारक के नाम की तुरंत पुष्टि करके इन्हें सत्यापित कर देगी।

रिवर्स मॉर्गेज: घर को बनाएं कमाई का जरिया

इस योजना के एवज में बैंक एकमुश्त या हर महीने एक निश्चित रकम देता है

नई दिल्ली, एजेंसी। परिवार अब छोटे होते जा रहे हैं। बच्चों के अलग रहने पर कई ऐसे बुजुर्ग मिल जाएंगे, जिनकी माली हालत खराब है और उनके पास कमाई का कोई जरिया नहीं है। हालात तब और बदतर हो जाते हैं, जब पति-प प्रतिशती घर में अकेले ही रहते हैं। परिवार में उनका ख्याल रखने वाला कोई नहीं होता। दरअसल, अधिकांश लोगों के पास रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का साधन नहीं होता। जिन लोगों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन मिलती है, उन्हें तो वित्तीय सुरक्षा मिल जाती है, लेकिन कई बार स्वास्थ्य संबंधी कुछ आपात जरूरतों के लिए वह भी नाकाफी साबित होती है। ऐसे

लोगों के लिए रिवर्स मॉर्गेज स्कीम अच्छा विकल्प साबित हो सकती है।

यह योजना सामान्य होम लोन के एकदम उलट है। इसमें आपको किस्तें देने की बजाय आपके घर की कीमत के आधार पर किस्तें मिलती हैं, जो मासिक, तिमाही या वार्षिक हो सकती हैं। योजना के तहत अधिकतम मासिक भुगतान की किस्त 50,000 रुपये तक हो सकती है। आप पात्रता की 50 फीसदी तक राशि एकमुश्त भी ले सकते हैं, जो अधिकतम 15 लाख रुपये हो सकती है। रिवर्स मॉर्गेज से मिलने वाली राशि का उपयोग सिर्फ वास्तविक जरूरतों जैसे चिकित्सा आपात स्थिति, रोजमर्रा के खर्च, घर की मरम्मत, नवीनीकरण या उसी संपत्ति पर लिए गए होम लोन के पुनर्भुगतान के लिए कर सकते हैं।राशि का इस्तेमाल निवेश के लिए नहीं किया जा सकता। आसान भाषा में समझें तो जब हम बैंक से होम लोन लेते हैं तो प्रॉपर्टी खरीदने के लिए वह एकमुश्त राशि देता है। इसके एवज में वह प्रॉपर्टी के कागज अपने पास रख लेता है।

रिवर्स मॉर्गेज की प्रमुख शर्तें...

व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष या अधिक होनी चाहिए और वह उस संपत्ति का मालिक होना चाहिए, जिसमें वह रहता हो। संपत्ति खुद की खरीदी हुई होनी चाहिए। यानी विरासत या उपहार में मिली संपत्ति पर यह लोन नहीं मिलेगा। प्रॉपर्टी की बची हुई उम्र न्यूनतम 20 साल होनी चाहिए।

दंपती योजना का लाभ लेना चाहते हैं, तो पति या प प्रतिशती की उम्र कम से कम 60 वर्ष और दूसरे की 55 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। संपत्ति उनके नाम पर होनी चाहिए।

किराये पर दी गई या व्यावसायिक संपत्ति पर रिवर्स मॉर्गेज लोन नहीं मिलता। संपत्ति पर पहले से कोई लोन है, तो उसे चुकाने के बाद ही इसका लाभ ले सकते हैं।

14 के पावर शेयर शेयर को खरीदने की लूट, लगातार तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। रतन इंडिया पावर के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रह सकते हैं। बीते शुक्रवार को इसमें 13 प्रतिशत तक की तेजी थी और यह 14.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। महीनेभर में यह शेयर 30 प्रतिशत तक चढ़ा है। बता दें कि जून महीने के शुरुआत में कंपनी के शेयरों भारी खरीदारी देखी गई थी, तब कंपनी को बीएसई को जवाब देना पड़ा था। एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने शेयर प्राइस में उतार-चढ़ाव पर कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब में कंपनी ने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि कंपनी को अपने शेयरों के ट्रेडिंग वॉल्यूम में हाल ही में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी के किसी भी कारण की जानकारी नहीं है। मूल्य और वॉल्यूम में उतार-चढ़ाव पूरी तरह से बाजार द्वारा संचालित है।

गोदरेज भारत में सुरक्षा समाधानों के लिए बना हुआ है पसंदीदा ब्रांड

शहरी इलाकों में 15प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी का लक्ष्य

- प्रमाणित सुरक्षा समाधानों, नवोन्मेष और स्मार्ट प्रौद्योगिकी के ज़रिये उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा दिया जा रहा
- वित्त वर्ष 2025 में 1200 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने वित्त वर्ष '25 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1200 करोड़ रुपये से अधिक की आय दर्ज की, जिससे सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत हुई। व्यवसाय ने वित्त वर्ष '26 में 15 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है, जो भारत के तेज़ी से बदलते शहरी और उपनगरीय बाज़ार खंडों से बढ़ती मांग से प्रेरित है, जहां सुरक्षा की ज़रूरतें तेज़ी से परिष्कृत हो रही हैं। यह वृद्धि नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी एकीकरण और ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित होगी। आधुनिक भारतीय उपभोक्ता अब केवल सुरक्षा उत्पाद के प्रति ही नहीं बल्कि डिजाइन के प्रति जागरूक घर के मालिक, टेक्नोलॉजी-प्रेमी माता-पिता, महिला निर्णयकर्ता और विश्वास तथा पारदर्शिता चाहने वाले व्यवसाय के मालिक भी हैं। गोदरेज इन उभरते व्यक्तित्वों की ज़रूरत समझकर ऐसे सुरक्षा समाधान बनाना चाहती है जो न केवल सुरक्षा करें बल्कि उनके जीवन से सहजता से जुड़ें भी।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय के बिज़नेस हेड, श्री पुष्कर गोखले ने इस दृष्टिकोण के बारे में कहा, आज उपभोक्ता केवल सुरक्षा ही नहीं चाहते हैं, वे स्मार्ट, सहज और विश्वसनीय सुरक्षा समाधान चाहते हैं जो उनके जीवन के अनुकूल हों। गोदरेज में, हमारा लक्ष्य सुरक्षा से परे जाकर लोगों और संस्थानों को ऐसी टेक्नोलॉजी से सशक्त बनाना है जो विश्वास, सुविधा और मन की शांति दे। हमारा वित्त वर्ष '25 का प्रदर्शन न केवल हमारे नवोन्मेष को बल्कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अर्जित गहरे विश्वास को भी दर्शाता है। वित्त वर्ष '26 में आगे बढ़ते हुए हमारा ध्यान हर सुरक्षा टचपॉइंट में इंटेलिजेंस, अनुपालन और सहजता को शामिल करने पर होगा। गोदरेज की वित्त वर्ष '25 की सफलता प्रमुख उत्पाद नवोन्मेष से रेखांकित होती है, जो उपभोक्ताओं और व्यवसायों की उभरती ज़रूरतों को पूरा करती हैं। भारत की पहली स्वदेशी फॉगिंग सुरक्षा प्रणाली स्मार्टफॉग के लॉन्च ने वास्तविक समय के आधार पर सेंधमारी को विफल करने के लिए सक्रिय टेक्नोलॉजी पेश की।

अनिल अंबानी की कंपनी ने चुकाया यस बैंक का पूरा लोन

375 रुपये के पार पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने सोमवार को घोषणा की है कि उसने 273 करोड़ रुपये के एक लोन का यस बैंक को फुल सेटलमेंट कर दिया है, इसमें ब्याज भी शामिल है। यह उधारी, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई जेआर टॉल रोड प्राइवेट लिमिटेड पर थी। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर सोमवार को बीएसई में तेजी के साथ 379 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले 2 महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्टर के शेयरों

में 41 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

पूरे बकाए का कर दिया भुगतान– रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा है कि जेआर टॉल रोड प्राइवेट लिमिटेड के साथ रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने बतौर कॉरपोरेट गारंटर यस बैंक के साथ पहले के सेटलमेंट एग्रीमेंट में एक अडेन्डम पर दस्तखत किए और पूरे बकाए का भुगतान कर दिया है। यस बैंक के शेयर सोमवार को बीएसई में तेजी के साथ 19.91 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

इजरायल-ईरान युद्ध से रसोई गैस पर मंडरा रहा बड़ा खतरा, सिर्फ 16 दिनों का स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरों में रसोई गैस के लिए इस्तेमाल होने वाले हर तीन में से दो सिलेंडर पश्चिम एशिया से आते हैं। उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि अगर क्षेत्र में तनाव बढ़ता है और सप्लाई बाधित होती है, तो सबसे पहले और सबसे अधिक राजनीतिक रूप से संवेदनशील झटका आम घरों को ही लगेगा।

अमेरिकी हमलों ने बढ़ाई चिंता– ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों ने दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति रुकने की आशंकाएं और बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थितियों की तैयारी में भारतीय नीति निर्माताओं और उद्योग नेताओं ने यह माना है कि सभी ईंधनों का जोखिम एक जैसा नहीं है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर एलपीजी सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

दोगुनी हुई खपत, बढ़ी निर्भरता– पिछले एक दशक में, सरकार के प्रयासों से भारत में एलपीजी का

इस्तेमाल दोगुना होकर 33 करोड़ घरों तक पहुंच गया है। इससे देश की आयात पर निर्भरता बढ़ी है। कुल एलपीजी का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आता है और इसका करीब 95 प्रतिशत हिस्सा सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आता है।

नवरत्न स्टॉक ने किया मालामाल, बोनस शेयरों के दम पर 1 लाख रुपये के बना दिए 1 करोड़ रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सोमवार 23 जून को तेजी के साथ 416.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 4 महीने में नवरत्न कंपनी के शेयरों में 62 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शेयरों ने पिछले 10 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। कंपनी के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयरों के दम पर दिखाया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले 10 साल में अपने शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर बांटे हैं। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले 10 साल में निवेशकों को 3 बार बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने सितंबर 2015 में 2ः1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 2 बोनस शेयर बांटे। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने सितंबर 2017 में 1ः10 के रेशियो में बोनस शेयर दिया। यानी, कंपनी ने हर 10 शेयर पर शेयरधारकों को 1 बोनस शेयर दिया। कंपनी ने सितंबर 2022 में निवेशकों को 2ः1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

1 लाख रुपये के ऐसे बना दिए 1 करोड़ रुपये से ज्यादा– भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 12 जून 2015 को 32.86 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 12 जून 2015 को 1 लाख रुपये से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर खरीदे होते तो उसे कंपनी के 3040 शेयर मिलते। नवरत्न कंपनी ने सितंबर 2015 से लेकर अब तक शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर दिए हैं। अगर कंपनी की तरफ से दिए गए बोनस शेयरों को जोड़ लें तो कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 30,096 पहुंच जाती है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर सोमवार 23 जून 2025 को 416.95 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में 30096 शेयरों की मौजूदा वैल्यू बढ़कर 1.25 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

नवरत्न कंपनी को मिले 585 करोड़ रुपये के ऑर्डर– नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसे 585 करोड़ रुपये के फ्रेश ऑर्डर मिले हैं। कंपनी को यह ऑर्डर मिसाइल्स के लिए फायर कंट्रोल और साइटिंग सिस्टम्स, कम्युनिकेशन उपकरणों, जैमर्स, क्रिटिकल स्पेयर्स और एसोसिएटेड सर्विसेज के लिए मिले हैं।

पीएम जीवन ज्योति बीमा: 18.5 करोड़ से अधिक भारतीयों को मिली बीमा की ताकत, संभावित शोषण से मिली जरूरी सुरक्षा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के जरिये 10 वर्षों में भारतीयों की महत्वाकांक्षाओं को भारी प्रोत्साहन मिला है।एक दशक पहले इस दूरदर्शी योजना को हर भारतीय के लिए जीवन बीमा को सुलभ, किफायती और समावेशी बनाने के एक सरल एवं शक्तिशाली मिशन के साथ लॉन्च किया गया था। आज, हम न सिर्फ उस नीति को देखते हैं, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है, बल्कि एक ऐसे मूवमेंट को भी देखते हैं, जिसने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया है।

वित्तीय सुरक्षा नेट के रूप में शुरू हुई यह योजना गरिमा, साहस और आशा की नींव बन गई है। इन 10 वर्षों में पीएमजेजेबीवाई ने 18.5 करोड़ से अधिक भारतीयों को बीमा की सुरक्षा और ताकत दी। योजना के माध्यम से 17,200 करोड़ रुपये से अधिक के दावों का निपटान किया गया है। इसने परिवारों को उस समय राहत पहुंचाई, जब वे अपने सबसे बुरे दौर में थे। सिर्फ 436 रुपये प्रति वर्ष में यह योजना 2 लाख रुपये का जीवन बीमा प्रदान करती है। यह ऐसी जीवन रेखा है, जिसने अनगिनत परिवारों को सहूलियत और निरंतरता प्रदान की है।

परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ बड़े सपने देखने की उम्मीदों को लगे पंख

जब लोगों को पता चलता है कि उनके परिवार सुरक्षित हैं, तो वे कर्ज लेने, छोटा व्यवसाय शुरू करने, बच्चे को शिक्षित करने

या अवसर की तलाश में नए शहर में जाने जैसे बड़े सपने देखने के लिए सशक्त होते हैं। यही वित्तीय सुरक्षा का असली उपहार है, जो यह न सिर्फ जीवन की रक्षा करता है, बल्कि संभावनाओं को भी बढ़ाता है।

भारत में एक बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां बीमा आजीविका की सुरक्षा और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक निश्चित आय के स्तरों में अनिश्चितता, असंगठित क्षेत्र में रोजगार, स्वास्थ्य जांच की सुविधा आदि कुछ ऐसे कारण थे, जिनकी वजह से इन क्षेत्रों में बीमा जागरूकता सीमित थी। योजना की खासियत है कि यह सरल, निर्बाध और सुलभ है। बचत खाते से जुड़ी ऑटो-डेबिट सुविधा और न्यूनतम दस्तावेजों के साथ योजना ने उन बाधाओं को दूर कर दिया है, जो पारंपरिक रूप से बीमा को लाखों लोगों की पहुंच से दूर रखती थी।

2.50 लाख से ज्यादा पंचायतों के सदस्य जुड़े बदल रहा ग्रामीण भारत में बीमा का परिदृश्य– बेहद प्रभावशाली पीएमजेजेबीवाई के जरिये देश के हर कोने में जागरूकता काफी बढ़ गई है। आज, इस

महिलाओं के बीमा कवरेज में सुधार

इस योजना के कारण एक और बड़ा बदलाव यह हुआ है कि महिलाओं के जीवन बीमा कवरेज में सुधार हुआ है। इस योजना ने ग्रामीण भारत की बढ़ती मांगों और महिला आबादी के कवरेज की जरूरतों को पूरा किया है। देश की आर्थिक गतिविधियों में उनका योगदान महत्वपूर्ण है और हर साल बढ़ रहा है। इस योजना ने वित्तीय समावेशन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संभावित शोषण से मिली जरूरी सुरक्षा

अमित झिंगरन बताते हैं, बैंक के सर्किल हेड के रूप में मैंने ग्रामीणों के बीच बैंकिंग और वित्तीय उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संध्या शिविर नामक ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया था। शिविरों में, मैंने उन परिवारों की दुर्दशा देखी, जिन्होंने एकमात्र कमाने वाले को खो दिया।

अनुभवी फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

एंटवर्प (एजेंसी)। एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे अनुभवी फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सीजन के यूरोपीय चरण के भारत के अंतिम मैच के तुरंत बाद ललित ने सोशल मीडिया मंच के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास लेने की घोषणा की।

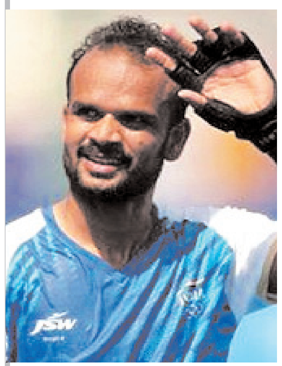

उन्होंने इस दौरे पर चार मैचों में हिस्सा लिया और उन्होंने 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला था। ललित ने 2014 हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम में पदार्पण किया। वह एक बेहतरीन प्लेमेकर रहे, जो नियमित आधार पर गोल भी करते थे, उन्होंने कुल मिलाकर सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए खेले 183 मैचों 67 गोल किए। पिछले कुछ वर्षों में, वह भारत की फॉरवड 'लाइन में एक विश्वसनीय नाम बन गए थे। वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा, मैदान पर बुद्धिमत्ता और उच्च दबाव की स्थितियों में शांत व्यवहार के लिए जाने जाते हैं।

वह टोक्यो 2020 ओलंपिक में इतिहास रचने वाली टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जिसने भारत को लंबे समय से प्रतीक्षित कांस्य पदक जीतने में मदद की और पेरिस 2024 ओलंपिक में यह उपलब्धि दोहराई। ओलंपिक गौरव के अलावा ललित ने 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां उन्होंने चार गोल किए थे उनके पदकों से भरे करियर में ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व लीग फाइनल 2017 में कांस्य, एफआईएच पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2018 में रजत, 2018 एशियाई खेलों में कांस्य और 2018 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

ललित एफआईएच प्रो लीग 2021-22 में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम का भी हिस्सा थे और हांग्जो में एशियाई खेलों 2022 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए ललित को 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम घोषित

नईम को करीब दो साल बाद मौका, पहला मुकाबला 2 जुलाई को

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ खेले जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। इस स्?क्वॉड में 16 प्?लेयर्स को जगह दी गई है। इसमें कप्तानी की जिम्मेदारी मेहदी हसन मिराज को सौंपी गई है।

तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान की चोट के बाद वापसी हुई है। इसके अलावा टी-20 कप्तान लिटन दास को टीम में शामिल किया गया है। वहीं, बाएं हाथ के ओपनर नईम शेख लगभग दो साल बाद वनडे टीम में लौटे हैं। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मुकाबला ड्रॉ रहा था। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मुकाबला 25 जुलाई को खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 2 जुलाई और दूसरा 5 जुलाई को कोलंबो में खेला जाएगा। तीसरा और आखिरी वनडे 8 जुलाई को पल्लेकेले में होगा।

- **सौम्य सरकार को नहीं मिला मौका** – चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने वाली पिछली टीम से मुशफिकुर रहीम और महमूदुल्लाह ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, जबकि सौम्य सरकार और नसुम अहमद को बाहर रखा गया है।
- **नईम ने बांग्लादेश की टीम के लिए खेले 8 वनडे मैच** – नईम शेख ने बांग्लादेश के लिए अपना आखिरी वनडे मैच साल 2023 में खेला था। उन्होंने अब तक 8 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिसमें 95 रन बनाए। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के चीफ सेलेक्टर गाजी अशरफ हुसैन ने कहा कि मुझे लगता है कि उसने अपनी बल्लेबाजी के पैटर्न को बदल दिया है। आपको समझना होगा कि हमने पांच तेज गेंदबाजों को चुना है क्योंकि कई प्लेयर्स चोट के बाद वापसी कर रहे हैं।
- **बांग्लादेश टीम** – मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, नईम शेख, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, लिटन दास, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्टः

राहुल-पंत के शतक भारत की बढ़त 270 रन

लीड्स, एजेंसी। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच की दूसरी पारी में शतक जड़ दिया है। राहुल ने 202 गेंदों पर शतक पूरा किया। उनके साथ पंत ने भी 130 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया।

'वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती है'

दिनेश कार्तिक ने बुमराह की तारीफ की

स्पोर्ट्स डेस्क। जसप्रीत बुमराह ने हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में 5 विकेट लेने से मेहमान टीम को 465 पर रोकने में अहम भूमिका निभाई जिससे भारत को पहली पारी में 6 रन की मामूली बढ़त मिली। बुमराह की गेंदबाजी देख भारत के पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने उनकी तुलना कोहिनूर हीरे से की जो सभी रत्नों में सबसे दुर्लभ और सबसे कीमती है।

कार्तिक ने बताया, वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती है। मुझे उम्मीद है कि लोग समझेंगे कि वह सभी प्रारूपों में टीम के लिए कितना महत्वपूर्ण है। वह किसी भी प्रारूप, गेंदबाजी चरण और किसी भी तरह की गेंद पर अपना काम का बखूबी से अंजाम देगा। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके पास वह दिमाग है जो जानता है कि बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है और उसने इसे बहुत अच्छी तरह से समझा है। खेल के इतिहास में 200 से अधिक विकेट लेने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए, उसका औसत सबसे अच्छा है, और यह आपको बताता है कि वह बहुत खास है।

बुमराह ने टेस्ट में 14वें पांच विकेट हॉल के साथ कपिल देव के रिकॉर्ड की बराबरी की। उनका प्रदर्शन मुख्य आकर्षण था क्योंकि उन्हें अन्य भारतीय तेज गेंदबाजों से बहुत कम समर्थन मिला और कई मौके छूटे। शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने सामूहिक रूप से केवल तीन विकेट के लिए 288 रन दिए। बुमराह एकमात्र खिलाड़ी रहे जिन्होंने इंग्लिश बल्लेबाजी इकाई को बैकफुट पर रखा। इस स्पेल में बुमराह ने विदेशी धरती पर कपिल देव के 12 बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी भी की, लेकिन उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 34 मैचों में किया है जबकि कपिल ने 66 मैचों में ऐसा किया है। अब उनके नाम इंग्लैंड में 42 टेस्ट विकेट हैं और वह भारतीय गेंदबाजों में केवल इशांत शर्मा (51) और कपिल देव (43) से पीछे हैं।

अल्काराज ने क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीता

बोले- ग्रास पर शानदार महसूस कर रहा हूं, विंबलडन में लगातार तीसरा खिताब जीतने उतरेंगे

स्पेन (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन से 8 दिन पहले लंदन में ग्रास कोर्ट पर खेले गए टेनिस टूर्नामेंट क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में चेक के जिरी लहेच्का को 7-5, 6-7, 6-2 से हराकर दूसरी बार यह खिताब जीता है। इसके साथ ही उनकी जीत का सिलसिला 18 मैचों तक पहुंच गया, जो उनके करियर का सबसे लंबा विजयी क्रम है। यह उनका चौथा ग्रास कोर्ट खिताब है। अब केवल सर्बिया के नोवाक जोकोविच ही उनसे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब (आठ) जीतने वाले एक्टिव मेंस प्लेयर हैं।

चार या उससे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी – अल्काराज चार या उससे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब जीतने वाले पांचवें सक्रिय पुरुष खिलाड़ी हैं। स्पेन के केवल तीन खिलाड़ियों राफेल नडाल, फेलिसियानो लोपेज और अल्काराज ने चार ग्रास कोर्ट खिताब जीते हैं। लेकिन अल्काराज ने यह उपलब्धि 22 साल की उम्र में हासिल की, जबकि नडाल 29 और लोपेज 37 साल के थे।

ग्रास कोर्ट पर अब मैं सहज हो गया हूं – जीत के बाद अल्काराज ने कहा कि मिट्टी के कोर्ट से ग्रास के कोर्ट पर आना आसान नहीं था। उन्होंने बताया, मिट्टी से ग्रास पर सिर्फ दो दिन की प्रैक्टिस के बाद आना मुश्किल था। मैं बिना किसी उम्मीद के यहां आया था। मेरा लक्ष्य सिर्फ दो-तीन मैच खेलकर ग्रास पर सहज होना था। लेकिन मैं जल्दी ही ग्रास पर ढल गया और मुझे इस पर गर्व है। अल्काराज ने इससे पहले 8 जून को फ्रेंच ओपन के खेले गए फाइनल में इटली के जैनिक सिनर को हरा कर अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम जीता था। फ्रेंच ओपन क्ले कोर्ट (लाल मिट्टी) पर खेला जाता है। वहीं, स्पेनिश खिलाड़ी स्पेन में क्ले कोर्ट पर ही प्रैक्टिस करते हैं।

अल्काराज विंबलडन में लगातार तीसरा खिताब जीतने उतरेंगे – अब अल्काराज विंबलडन में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। ओपन एरा में केवल तीन पुरुष खिलाड़ियों ब्योर्न बोर्ग, पीट सैम्प्रास और रोजर फेडरर ने कम से कम तीन बार लगातार विंबलडन खिताब जीता है।

सुनील गावस्कर बने इस भारतीय ओपनर राहुल के मुरीद

कहा- वो खुद नहीं जानता अपने टैलेंट की गहराई

लीड्स (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर टीम इंडिया के बल्लेबाज केएल राहुल के मुरीद हो गए हैं। सुनील गावस्कर के मुताबिक भारत का यह क्रिकेटर खुद नहीं जानता कि वह कितने प्रतिभाशाली क्रिकेटर है। सुनील गावस्कर का मानना है कि केएल राहुल पूरी तरह से एक टीम मैन हैं, लेकिन भारत के इस ओपनिंग बल्लेबाज को अभी भी अपनी असली क्षमता का एहसास नहीं है। केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली इनिंग्स में 78 गेंदों में 8 चौकों पर 42 रन बनाए जबकि दूसरी इनिंग्स में 75 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 47 रन पर खेल रहे हैं। गावस्कर ने कहा, %केएल राहुल को टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है, वह

बैटिंग ऑर्डर में अलग-अलग स्थानों पर खेलते रहे हैं। रोहित शर्मा के संन्यास ने उनके लिए ओपनिंग में यशस्वी जायसवाल के साथ जोड़ी बनाने का रास्ता खोल दिया है। वह पूरी तरह से टीम मैन है। उन्हें विकेटकीपिंग करने के लिए भी कहा गया है। वह टीम के लिए ऐसा करते हैं और यही आप टीम में चाहते हैं। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, आप देख सकते हैं कि वह परिस्थिति के हिसाब से कैसे प्रतिक्रिया करते हैं। उनमें एक तरह का संतुलन है, जो बहुत दुर्लभ है क्योंकि आज के समय में जहां हर किसी को यह दिखाने के लिए कुछ करना पड़ता है कि उन्होंने कुछ हासिल किया है, उनका जश्न भी शांत रहता है।

मैंने टीम में अपनी जगह को लेकर हो रही चर्चाओं पर ध्यान नहीं दिया: ओली पोप

लीड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड की पहली पारी में शानदार शतक लगाने वाले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ओली पोप ने कहा कि पिछले साल भारत के खिलाफ उसकी धरती पर खेली गई

टेस्ट श्रृंखला में असफल रहने के बाद टीम में उनकी जगह को लेकर हो रही चर्चाओं पर ध्यान न देने से उन्हें वापसी करने में मदद मिली।

इंग्लैंड के उप-कप्तान पोप ने पिछले साल भारत के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में 196 रन बना कर शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद जसप्रीत बुमराह और भारतीय स्पिनर ने उनकी कमजोरी का खुलासा करने में देर नहीं लगाई। वह अगले चार मैच में केवल 40 रन बना पाए जिससे टीम में उनकी जगह को लेकर चर्चा होने लगी थी। भारत के खिलाफ यहां पहले टेस्ट मैच में 106 रन बनाने वाले पोप ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, 'मैंने कोशिश की है कि इन चर्चाओं का मुझ पर ज्यादा असर न पड़े।

उन्होंने कहा, 'मैं बस यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा हूं कि मेरा खेल यथासंभव बेहतर स्थिति में रहे और जब मैं बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरूं तो मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करूं। मैंने बाहर हो रही चर्चाओं पर ध्यान नहीं दिया और खुद को मानसिक रूप से मजबूत करने और अपने खेल को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। पोप ने अपनी मानसिकता में बदलाव लाने की कोशिश की है, जिससे उन्हें अपने पहले 30 रन तक पहुंचने के लिए बहुत अधिक दबाव महसूस नहीं होता और फिर वह बड़ी पारी खेलने के लिए तैयार हो जाते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह अपने खेल को थोड़ा बेहतर बनाने का प्रयास है। यह प्रक्रिया से जुड़ा है जिसका मैं पूरा आनंद लेकर आगे बढ़ना चाहता हूं। मैं रन बनाने के लिए किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाना चाहता हूं।

पृथ्वी शॉ मुंबई छोड़ने के लिए तैयार, दूसरे राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए मांगी एनओसी

मुंबई (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा है। उम्मीद है कि वह दूसरे राज्य के लिए खेल सकते हैं। भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक 25 वर्षीय बल्लेबाज असंगत प्रदर्शन और ऑफ-फील्ड मुद्दों के लंबे दौर के बाद अपने गृह राज्य से दूर एक नई शुरुआत करना चाहता है। एक वरिष्ठ एमसीए अधिकारी के हवाले से एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया, उन्होंने हमसे ह्श्ष्ट मांगी है और हम जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे।%

शॉ का पिछले कुछ सत्रों में मुंबई के चयनकर्ताओं के साथ संबंध लगातार खराब होता गया है जिसका मुख्य कारण लगातार फिटनेस संबंधी चिंताएं हैं। शॉ को अपनी फिटनेस पर ध्यान देने को भी कहा गया था लेकिन उन्होंने कई बार एमसीए की बातों को नजरअंदाज किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार शॉ को दो से तीन अन्य राज्यों से रुचि मिली है। अगर उन्हें एनओसी मिल जाती है, तो वे 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए किसी अन्य राज्य की टीम के साथ पंजीकरण कर सकते हैं।

खराब फिटनेस रिपोर्ट के बाद स्टार बल्लेबाज को रणजी ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया था। टीम प्रबंधन ने एमसीए को सूचित किया था कि शॉ का बॉडी फैट प्रतिशत अधिक है। उन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दो सप्ताह के विशेष फिटनेस कार्यक्रम में भी शामिल होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, बार-बार चेतावनी के बावजूद शॉ आवश्यक फिटनेस मांगों को पूरा करने में असमर्थ रहे।

एमसीए की चयन समिति ने कथित तौर पर शॉ से यह भी कहा कि जब तक वह अतिरिक्त वजन कम नहीं कर लेते और अपनी स्थिति में सुधार नहीं कर लेते, तब तक उन्हें चयन के लिए नहीं चुना जाएगा। नतीजतन उन्हें दिसंबर (2024) में विजय हजारे ट्रॉफी टीम से भी बाहर कर दिया गया। घरेलू और आईपीएल अभियान में निराशाजनक प्रदर्शन भी शॉ के अनुकूल नहीं हैं।

रोहित शर्मा के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे, खास दिन पर सोशल मीडिया पर जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून 2007 में आयरलैंड के खिलाफ 20 वर्षीय रोहित शर्मा ने 18 साल पहले आज ही के दिन (23-6-2007) अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। भारत के लिए दो बार आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे करने पर अपना आभार व्यक्त किया।

'हिटमैन' ने खास मौके पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया, 'हमेशा आभारी, 23.06.07।' रोहित की कप्तानी में भारत 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा और अगले साल एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में पहुंचा, हालांकी टीम दोनों बार ट्रॉफी से चूक गया। उन्होंने 2024 में भारत को टी20 विश्व कप खिताब दिलाकर आईसीसी ट्रॉफी के 13 साल के इंतजार को खत्म किया और फिर 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर फैंस और देशवासियों को एक बार फिर से खुश होने का मौका दिया।

रोहित 2024 में 150 से अधिक टी-20 में खेलने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए, हालांकि उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। शर्मा ने सभी प्रारूपों में 499 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम वनडे में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है, उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 264 रन बनाए थे।

टी20आई में रोहित अब तक के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 159 मैचों में 32.05 की औसत से 4,221 रन बनाए हैं जिसमें 140 से अधिक की स्ट्राइक रेट 5 शतक (किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक) और 32 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121* है। पिछले साल उन्होंने दो बार के टी20 विश्व कप चैंपियन के रूप में टी20आई से संन्यास ले लिया। टी20आई कप्तान के रूप में उन्होंने भारत के लिए 62 मैचों में से 49 जीते हैं, 12 हारे हैं और एक टाई किया है।

दुनिया ने रोहित को एक सफेद गेंद के बल्लेबाज के रूप में देखा, क्रिकेट का एक ऐसा रूप जिसमें उन्होंने अपना दबदबा बनाया है। 273 वनडे और 265 पारियों में, उन्होंने 32 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं। वनडे में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 है। वह तीन वनडे दोहरे शतक लगाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। वह वनडे में भारत

के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और कुल मिलाकर 10वें स्थान पर हैं।

टेस्ट में रोहित ने 67 टेस्ट और 116 पारियों में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए हैं जिसमें 12 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 रन रहा है। वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में भारत के अग्रणी रन-बनाने वाले हैं जिन्होंने 40 टेस्ट में 41.15 की औसत से 2,716 रन बनाए हैं जिसमें 69 पारियों में 9 शतक और आठ अर्द्धशतक शामिल हैं।

रोहित ने वनडे में भारत की अगुवाई करते हुए 56 मैचों में से 42 जीते हैं, सिर्फ 12 हारे हैं, एक टाई रहा है और एक बेनतीजा रहा है। 50 ओवर के विश्व कप के दौरान हिटमैन विश्व कप के इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज्यादा और कुल मिलाकर चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 28 मैचों में 60.57 की औसत, सात शतक और छह अर्द्धशतक के साथ 1,575 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 140 है।

रोहित के नाम एक विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने यूके में 2019 विश्व कप के दौरान पांच शतक बनाए, जहां उन्होंने 9 मैचों में 81.00 की औसत के साथ 648 रन बनाए। चैंपियंस ट्रॉफी की बात करें तो वह 15 पारियों में 47.21 की औसत, एक शतक और पांच अर्द्धशतक के साथ 661 रन बनाकर सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और भारत के चौथे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में ई-रिक्शा को बना दिया था छोटा हाथी, पुलिस ने ठोका मोटा चालान

नोएडा , एजेंसी। नोएडा की सड़कों पर एक ई-रिक्शा ऐसा दौड़ा कि देखने वालों की आंखें फटी रह गईं। यह रिक्शा न तो सामान्य था और न ही इसका लोड हल्का। लोहे के भारी-भरकम सामान से ठसाठस भरा यह ई-रिक्शा, सड़क पर खतरे की घंटी बनकर चल रहा था। नोएडा यातायात पुलिस ने इस छोटे हाथी को पकड़कर न सिर्फ सबक सिखाया, बल्कि 22,500 रुपये का मोटा चालान भी ठोक दिया। 20 जून को नोएडा के एफएनजी एक्सप्रेसवे पर यह हैरान करने वाला नजारा देखा गया। एक ई-रिक्शा चालक ने न केवल अपनी गाड़ी को ओवरलोड किया, बल्कि इसे इतने खतरनाक तरीके से चलाया कि सड़क पर मौजूद लोग दहशत में आ गए। रिक्शा की छत और दोनों तरफ लोहे का सामान इस कदर लटक रहा था कि वह कभी भी गिर सकता था। इस खतरनाक करतब का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में ई-रिक्शा का नंबर साफ दिखाई दे रहा था, जिसके आधार पर यातायात पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। जांच में पता चला कि चालक ने न केवल ओवरलोडिंग के नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि सड़क सुरक्षा को भी ताक पर रखा। पुलिस ने चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर 22,500 रुपये का चालान जारी किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दिव्यांग व्यक्ति की हत्या के आरोप में मेइती संगठन का एक नेता गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में एक दिव्यांग व्यक्ति की हत्या में कथित संलिप्तता के लिए मेइती संगठन अरम्बाई तेंगोल (एटी) के एक नेता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को एक बयान में बताया कि गिरफ्तार एटी नेता की पहचान युमनाम हुइड्रोम थियाम लीशांगखोंग निवासी लोंगजाम खाबा सिंह (35) के रूप में हुई है। वह पाओबिटेक मयाई लेइकाई के मोहम्मद चेसम अब्दुल कादिर की हत्या का मुख्य आरोपी है। इसमें बताया गया है कि उसे रविवार को पुथिबा लाईबुंग कॉम्प्लेक्स के पास मोंगसांगेई माखा लीकाई अरुबाम लीकाई से गिरफ्तार किया गया है। बयान के अनुसार, अभी तक इस हत्या के संबंध में एटी के सात सदस्यों समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चेसम 11 जून की मध्यरात्रि को लापता हो गया था और बाद में उसका शव इंफाल पश्चिम जिले में सामुरोऊ नाओरेम में मिला था, जहां उसे दफना दिया गया था। बयान में कहा गया है कि 17 जून को एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट, फोरेंसिक टीम और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला गया। इस हत्या के विरोध में प्रदर्शन हुए और इंफाल घाटी में कई मुस्लिम संगठनों ने इसकी निंदा की थी।

स्वर्ण आभूषण के आपूर्तिकर्ता से लाखों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में जौहरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने सोने के आभूषण की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति से 93.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक जौहरी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि आरोपी की शाहपुर क्षेत्र के खरदी में एक दुकान है और उसने पिछले तीन वर्षों में आपूर्तिकर्ता से 950 ग्राम सोने के आभूषण खरीदे हैं। कल्याण के बाजारपेठ पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि कई बार याद दिलाने के बावजूद आरोपी ने आपूर्तिकर्ता को खरीदे गए सामान के लिए 93.5 लाख रुपये का भुगतान नहीं किया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रविवार को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) (आपराधिक विश्वासघात) और 318(4) (धोखाधड़ी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

राजस्थान में जून में ही बारिश का बंपर बोनस, 24 जिलों में रिकॉर्ड टूटे

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में इस बार मानसून की धमाकेदार एंट्री हुई है। 18 जून को प्रदेश में प्रवेश करने के बाद सिर्फ 5 दिन में ही मानसून ने जून महीने की औसत बारिश का कोटा पूरा कर दिया। अब तक (1 जून से 22 जून तक) राज्य में कुल 70.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है, जबकि पूरे जून माह की औसत बारिश सामान्यतः 55 मिमी होती है। यह आंकड़ा साफ संकेत देता है कि इस बार प्रदेश में मानसून की रफ्तार तेज है। पिछले साल की तुलना में इस बार बेहतर बारिश दर्ज की गई है। जून 2024 में पूरे महीने में केवल 50.3 मिमी बारिश हुई थी, जो औसत से करीब 9 फीसदी कम थी। वहीं इस बार जून के तीसरे हफ्ते में ही राज्य औसत से काफी आगे निकल चुका है। जिलेवार आंकड़ों की बात करें तो 24 ऐसे जिले हैं जहां जून महीने की औसत बारिश से भी ज्यादा पानी अब तक बरस चुका है। इन जिलों में अधिकतर जिले पूर्वी राजस्थान के हैं। सबसे ज्यादा बारिश कोटा और भीलवाड़ा जिलों में दर्ज की गई है। कोटा में 1 से 22 जून के बीच 164.8 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि यहां जून की

औसत बारिश 90 मिमी मानी जाती है। यानी इस बार कोटा में औसत से 83 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। इसी तरह भीलवाड़ा में 163.3 मिमी पानी बरस चुका है, जो औसत (66.4 मिमी) से करीब 146 फीसदी ज्यादा है। पाली, नागौर, जोधपुर, जालोर, चूरू, टोंक, सिरोही, सीकर, सवाई माधोपुर, राजसमंद, कोटा, करौली, झुंझुनूं, जयपुर, धौलपुर, दौसा, चित्तौड़गढ़, बूंदी, भीलवाड़ा, भरतपुर, बारां, बांसवाड़ा, अलवर और अजमेर जैसे जिलों में भी जून माह की सामान्य बारिश का आंकड़ा पार हो चुका है। इन जिलों में किसानों और ग्रामीणों के चेहरों पर राहत की मुस्कान है। जलभराव और सिंचाई के लिए पानी की स्थिति बेहतर होती दिख रही है। जिससे आगामी कृषि सीजन के लिए अनुकूल माहौल बन रहा है। राज्य के पश्चिमी हिस्से में मानसून की स्थिति अब भी कमजोर बनी हुई है। खासकर जैसलमेर जिले में अब तक सबसे कम बारिश हुई है। 1 जून से 22 जून के बीच यहां केवल 1.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि यहां जून महीने की औसत बारिश 24.6 मिमी होती है।

तालाब की खुदाई के दौरान निकलने लगे नरकंकाल, एक तो 8 फीट लंबा; मिलीं अजीब चीजें

जींद , एजेंसी।
हरियाणा के जींद जिले के जुलाना के गांव देवरड़ में रविवार को मनरेगा योजना के तहत चल रही तालाब की खुदाई के दौरान 10 नर कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। एक कंकाल की लंबाई 8 फुट के आसपास है, जो सामान्य मानव कद से अधिक है। इसके साथ ही मिट्टी से निकले जबड़े और अन्य हड्डियां आम इंसान के शरीर से कहीं बड़ी बताई जा रही हैं। खुदाई में कुछ टूटे-फूटे मटके और मिट्टी के बर्तन भी मिले हैं, जिससे पता चलता है कि ये अवशेष काफी पुराने हैं।

गांव देवरड़ मनरेगा के तहत दो महीने से तालाब की खुदाई का काम जारी था, जिसमें रोजाना 50 से 60 मजदूर लगे हुए थे। रविवार को खुदाई के दौरान एक नर कंकाल मिला जिससे मजदूर डर गए। आनन-फानन में उन्होंने सरपंच को मामले की जानकारी दी। इसके बाद बीडीपीओ को सूचित किया गया। जैसे-जैसे मजदूर खुदाई करते गए, एक के बाद एक नर कंकाल मिलते गए। कुल 10 नर कंकाल मिले और

पुराने युग के मटके व कुछ बर्तन भी मिट्टी से निकले। हैरानी की बात ये है कि ये सभी नर कंकालों की लंबाई सामान्य इंसान की लंबाई से कहीं अधिक थी। हड्डियों की लंबाई भी ज्यादा थी।

जुलाना के बीडीपीओ प्रतीक जांगड़ा ने बताया कि खुदाई के दौरान कंकाल मिलने की सूचना पर काम को तत्काल रोक दिया गया है और जांच टीम को मौके पर भेजा गया है। जांच के बाद ही आगे की खुदाई का निर्णय लिया जाएगा। इन कंकालों की सटीक जानकारी के लिए पुरातत्व विभाग और वैज्ञानिकों की मदद ली जाएगी, ताकि यह पता चल सके कि यह मानव अवशेष किस कालखंड से संबंधित हैं और इनकी असामान्य लंबाई का रहस्य क्या है। वहीं, मजदूरों और ग्रामीणों का दावा है कि जिस ढंग से हड्डियां दबी थीं, उससे लगता है कि ये सुनियोजित तरीके से दफनाए गए शव हैं। गांव के बुजुर्गों ने बताया कि आजादी से पहले इस जगह पर मुस्लिम समुदाय का कब्रिस्तान होता करता था।

जो बाद में बंजर हुआ और तालाब में तब्दील कर दिया गया। इससे पहले कभी किसी खुदाई में कंकाल नहीं मिले थे, लेकिन इस बार जब तालाब को गहरा किया जा रहा था, तो गुजरे समय की परतें खुल गई।

गुरुग्राम में होटल ले जा छात्र से बनाती थी संबंध; स्कूल टीचर अरेस्ट, बचने के लिए हाईकोर्ट तक गई

चंडीगढ़ , एजेंसी।
गुरुग्राम के एक नामी स्कूल की टीचर को अपने ही स्टूडेंट से यौन संबंध बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। छात्र नाबालिग था और 12वीं कक्षा में पढ़ता था। पुलिस ने आरोपी टीचर को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यौन उत्पीड़न की शिकायत छात्र के पिता ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को दी थी।

टीचर ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दायर की लेकिन अदालत द्वारा याचिका खारिज कर दिए जाने के बाद धारूहेड़ा थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

रेवाड़ी के धारूहेड़ा क्षेत्र का एक स्टूडेंट गुरुग्राम के नामी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ता है। इसी स्कूल की टीचर उससे दिल लगा बैठी। आरोप है कि

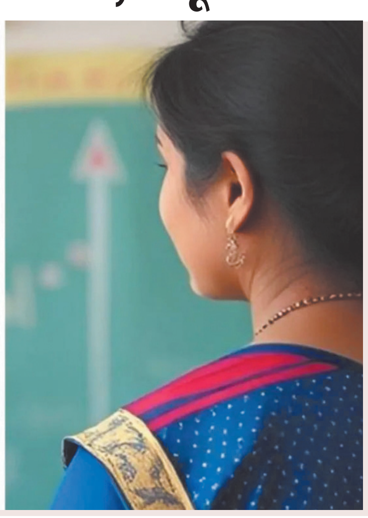

टीचर ने उसे अलग-अलग समय पर होटलों में बुलाकर यौन संबंध स्थापित किए। कुछ दिनों तक छात्र ने इस बारे में अपने परिजनों को कुछ नहीं बताया लेकिन फिर उसने अपने पिता इस घटनाक्रम की जानकारी दी। छात्र ने पिता को बताया कि उसकी टीचर जबरन होटल में ले जाकर यौन संबंध बनाती है। इसके बाद 3 मार्च को पिता ने इसकी शिकायत धारूहेड़ा थाना पुलिस को दी। उन्होंने पुलिस को कई वीडियो भी सौंपे। ये वीडियो खुद छात्र ने बनाए थे, जिनमें अध्यापिका उसके साथ शारीरिक संबंध बनाती नजर आ रही है। पुलिस ने 13 मार्च को टीचर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

35 साल की आरोपी टीचर शादीशुदा है। वह छात्र को होटलों में ले जाती थी। जून 2024 में वह उसे रेवाड़ी के एक होटल में ले गई, जहां उसने फिर से छात्र का यौन शोषण किया। जब धारूहेड़ा की एक सोसाइटी में उसने अपना नया घर लिया तो वह छात्र को वहां भी बुलाने लगी। छात्र का आरोप है कि अध्यापिका ने अपने नए घर में भी उसका कई बार यौन शोषण किया। वह छात्र को अच्छे नंबर दिलाने का लालच देती थी, जिससे छात्र ने परिजनों को इस बारे में कुछ नहीं बताया लेकिन वह तंग आ गया तो परिजनों को जानकारी दी।

ईरान पर हमले से अमेरिकी संसद में घमासान, ट्रंप के एकतरफा फैसले से फंसी रिपब्लिकन पार्टी

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अचानक सैन्य हमला अब घरेलू राजनीति में भी भारी हलचल मचा रहा है। ट्रंप ने कांग्रेस की पूरी जानकारी के बिना ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने का फैसला लिया, जिससे अमेरिकी संसद में नया विवाद खड़ा हो गया है। खास बात यह रही कि व्हाइट हाउस ने हमले से पहले सिर्फ रिपब्लिकन नेताओं को जानकारी दी, डेमोक्रेट्स यानी विपक्षी पार्टी को लगभग नजरअंदाज ही कर दिया गया।

सीनेट डेमोक्रेट नेता चक शूमर को हमले से ठीक पहले औपचारिक सूचना दी गई, जबकि हाउस डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज तक खबर ट्रंप के ऐलान के बाद पहुंची। कांग्रेस की इंटेलिजेंस कमेटी के टॉप डेमोक्रेट जिम हाइम्स ने कहा कि उन्हें हमले की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली, जो बेहद शर्मनाक बात है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ गलत बल्कि असंवैधानिक भी है कि संसद को विदेश नीति जैसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा का मौका नहीं दिया गया।

ट्रंप की पार्टी में ही बढ़ रहा विवाद: ट्रंप का यह कदम उनकी ही पार्टी में भी विवाद का कारण बन गया है। हाउस सांसद थॉमस मैसी और डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने मिलकर वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन पेश किया है, जो बिना संसद की मंजूरी के ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग करता है। ट्रंप के इस फैसले को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में भी दो धड़े बनते नजर आ रहे हैं। ट्रंप के कट्टर समर्थक भी अब उनसे नाराज दिख रहे हैं।

ईरान से युद्ध नहीं- जेडी वेंस: खास बात यह भी है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ इस अभियान को युद्ध नहीं बल्कि परमाणु कार्यक्रम को रोकने की कार्रवाई बता रहा है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

ने कहा हम ईरान से युद्ध नहीं कर रहे, हम उसके परमाणु कार्यक्रम से लड़ रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपनी ही पार्टी के सांसद थॉमस मैसी पर हमला बोला और उन्हें हारने वाला बताते हुए कहा कि वह उनके खिलाफ ही चुनाव प्रचार करेंगे। इस बीच, कांग्रेस में इस हफ्ते ईरान मुद्दे पर कई अहम प्रस्तावों पर वोटिंग होनी है। इसमें बिना संसद की मंजूरी के अमेरिकी सेना को ईरान में तैनात करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव भी शामिल है। हाउस में भी दोनों पार्टियों के सांसदों ने मिलकर इसी तरह का प्रस्ताव पेश किया है।

ट्रंप की यह रणनीति फिलहाल रिपब्लिकन पार्टी को असहज स्थिति में डाल रही है। पार्टी के अंदर ही विरोध की आवाजें तेज हो रही हैं। वहीं, डेमोक्रेट्स का आरोप है कि ट्रंप का यह कदम न सिर्फ असंवैधानिक है बल्कि अमेरिका को फिर एक अनिश्चित विदेश नीति के दलदल में धकेल सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह विवाद अमेरिकी राजनीति में और बड़ा रूप ले सकता है।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी, डोनाल्ड ट्रंप के नोबेल नामांकन पर घर में ही घिरी शहबाज सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी।
इस्लामाबाद की सियासत में इन दिनों एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। शहबाज शरीफ सरकार द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आगे बढ़ाने पर पाकिस्तान में सियासी घमासान मच गया है। खास बात यह है कि ट्रंप की इस सिफारिश के कुछ घंटों बाद ही अमेरिका ने ईरान के तीन अहम परमाणु ठिकानों पर हमला बोल दिया, जिसके बाद पाकिस्तान में सरकार की कड़ी आलोचना शुरू हो गई।

पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को अचानक घोषणा की थी कि भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव कम करने में डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका को देखते हुए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया जाएगा। इसके लिए उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने नॉर्वे में नोबेल कमेटी को सिफारिश पत्र भी भेज दिया। लेकिन ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद इस फैसले पर सवाल उठने लगे हैं। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने सरकार से इस सिफारिश को तुरंत वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने ईरान, फिलिस्तीन, सीरिया और लेबनान पर हमलों का समर्थन किया है, उसे शांति पुरस्कार कैसे दिया जा सकता है? फजल ने यह भी आरोप लगाया कि सेना प्रमुख असीम मुनीर से ट्रंप की

मुलाकात के बाद पाक हुक्मरानों ने यह सिफारिश की। पूर्व सांसद मुशाहिद हुसैन ने ट्रंप की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ट्रंप अब कोई शांति दूत नहीं, बल्कि युद्ध का समर्थक बन चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से नोबेल की सिफारिश को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि ट्रंप ने खुद को इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और युद्ध लॉबी के चंगुल में फंसा लिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता अली मोहम्मद खान ने भी इस सिफारिश पर सवाल उठाते हुए पुनर्विचार की बात कही। वहीं, पार्टी के थिंक-टैंक प्रमुख रऊफ हसन ने इसे पाकिस्तान के लिए शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन है और ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करना पाकिस्तान की साख पर धब्बा है।

कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार देने के लिए तैयार

मास्को, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री ने रविवार को बताया कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए रूस का दौरा करेंगे। दोनों नेताओं की मुलाकात सोमवार को हो सकती है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि रूस, ईरान का दोस्त है। हम हमेशा एक दूसरे से सलाह मशविरा करते हैं। मैं मॉस्को जा रहा हूं और कल सुबह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गंभीर मुद्दे पर चर्चा होगी। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पुतिन के खास दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक और युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया। मेदवेदव ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ट्रंप शांतिदूत बनकर आए थे, लेकिन उन्होंने अमेरिका को एक नए युद्ध में झोंक दिया है। मेदवेदेव ने ये भी लिखा कि कई देश हैं, जो अपने परमाणु हथियार ईरान को देने के लिए तैयार हैं। हालांकि मेदवेदेव ने उन देशों का नाम नहीं लिया। पूर्व रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि इस्राइली जनता लगातार हमले के डर में जी रही है और इस्राइल में जगह-जगह बम धमाके हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान पर हुआ अमेरिका का हमला न सिर्फ ईरान को और मजबूत बनाएगा बल्कि पूरी दुनिया में ईरान के लिए समर्थन बढ़ेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अब अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर दिया है। अराघची ने कहा कि हम कूटनीतिक तरीके से मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन बीच में ही इस्राइल ने हमला करके उस बातचीत की कोशिश को खत्म कर दिया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक: ईरान-इस्राइल-यूएस के टकराव पर मंथन; गुटेरस ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।
पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का आपातकालीन विशेष सत्र बुलाया गया। इसमें यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा, अमेरिका ने ईरानी परमाणु सुविधाओं पर जो बमबारी की है, वह पहले से ही अशांति से जूझ रहे इस देश में खतरनाक मोड़ आने का संकेत दे रही है। इससे बचने के लिए कूटनीति को बढ़ावा देना होगा, नागरिकों की सुरक्षा करनी होगी, सुरक्षित समुद्री परिवहन की गारंटी देनी होगी।

गुटेरेस ने आगे कहा कि हमें लड़ाई को रोकने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर गंभीर, निरंतर वार्ता की ओर लौटने के लिए तुरंत और निर्णायक रूप से कार्य करना होगा। परमाणु अप्रसार संधि अंतराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की आधारशिला है। ईरान को इसका पूरा सम्मान करना चाहिए। सभी सदस्य देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के अन्य नियमों के तहत अपने दायित्वों के अनुसार कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में किसी भी और सभी प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार है। रूस, चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित यूएनएससी प्रस्ताव के मसौदे पर आज की सुरक्षा

परिषद की बैठक में मतदान नहीं किया जाएगा। यह सिर्फ एक मसौदा है, इसलिए मतदान से पहले इसे सुरक्षा परिषद के सदस्यों के बीच प्रसारित करने की आवश्यकता है। सबसे पहले अगले सप्ताह की शुरुआत से मध्य तक होगा। रूस-चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित मसौदा प्रस्ताव संक्षिप्त

गुटेरेस ने आगे कहा कि रूस, चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित यह मसौदा प्रस्ताव संक्षिप्त है। यह केवल डेढ़ पेज लंबा है, लेकिन इसमें दो मुख्य बिंदु हैं। यह ईरान में आईएईए द्वारा संरक्षित शांतिपूर्ण परमाणु स्थलों और सुविधाओं पर हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसमें कहा गया है कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और आईएईए की संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। इसमें विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका का नाम नहीं लिया गया है। तथ्य यह है कि इसमें तत्काल युद्ध विराम की मांग की गई है, अगर यह अंततः मतदान के लिए जाता है, तो अमेरिका इसे वीटो कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र में यूनाइटेड किंगडम के राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने सुरक्षा परिषद के आपातकालीन विशेष सत्र में देश का पक्ष रखा। उन्होंने यूएनएससी से कहा, संघर्ष क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता तनाव कम करने का समर्थन करना होनी चाहिए। यूके ने अमेरिका या इस्राइल के हमलों में भाग नहीं लिया। केवल सैन्य कार्रवाई ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में चिंताओं का स्थायी समाधान नहीं कर सकती। हम ईरान से संयम बरतने का आग्रह करते हैं और हम सभी पक्षों से बातचीत की मेज पर लौटने और कूटनीतिक समाधान खोजने का आग्रह करते हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर चीन के राजदूत फू कांग ने भी चिंता जताई। यूएनएससी की आपात बैठक में चर्चा के दौरान चीन ने कहा, ईरान पर अमेरिकी हमलों और परमाणु केंद्रों पर बमबारी की चीन कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा, हम तत्काल युद्ध विराम की मांग करते हैं। उन्होंने कहा चीन स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के जोखिम को लेकर बहुत चिंतित है। फू कांग ने कहा, संघर्ष में शामिल पक्षों, खास तौर पर इस्राइल को तत्काल युद्ध विराम करना चाहिए ताकि युद्ध बढ़ने से बचा जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129